हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

10 मार्च, 1983

खंड 1, अंक 4

अधिकृत विवरण

विशय सूची

वीरवार, 10 मार्च, 1983

पृश्ठ संख्या

तारांकित प्र न एव उतर	(4)1
नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गये तारांकित प्र नों के लिखित उत्तर	(4)19

अतारांकित प्र न एवं उत्तर	(4)23
प्वायंट आफ आर्डर –	
क्षैत्रीय तथा जल विवाद सम्बन्धी रैज्योलू ान को अस्वीकार करने सम्बन्धी	(4)28
विभिन्न विशयों का उठाया जाना–	
(i) मान्यता प्राप्त गैर सरकारी स्कूल अध्यापकों की मांगो सम्बन्धी	(4)30
(ii) कोसली में किसानों के सम्मेलन में नुकसान पहुंचाने सम्बन्धी	(4)32
(iii) अम्बाला भाहर में गुरूद्वारा मंजी साहब को घेरा डालने तथा वहां पर तनाव होने सम्बन्धी	(4)32
(iv) मुख्य मंत्री के भाई द्वारा कथित जमीन हड़पने सम्बन्धी	(4)33
प्वायंट आफ ओर्डर–	
श्री किताब सिंह एम0एल0ए0 की कथित अवैध गिरफ्तारी आदि के तथ्य की तहकीकात करने के लिए सदन की एक समिति की नियूक्ति का सुझाव	(4)34
वक्तव्य	

राजस्व मंत्री द्वारा सूखे तथा ओलावृश्टि के कारण हुई हानि के लिए मुआवता देने सम्बन्धी	(4)38
प्वायंट आफ ओर्डर–	
श्री किताब सिंह एम0एल0ए0 की कथित अवैध गिरफ्तारी आदि के तथ्य की तहकीकात करने के लिए सदन की एक समिति की नियूक्ति का सुझाव	(4)39
वक्तव्य	
राजस्व मंत्री द्वारा सूखे तथा ओलावृश्टि के कारण हुई हानि के लिए मुआवजा देने सम्बन्धी (पुनरारम्भ)	(4)40
सस्पैं ान आफ सिटिंग	(4)41
वक्तव्य	
राजस्व मंत्री द्वारा सूखे तथा ओलावृश्टि के कारण हुई हानि के लिए मुआवजा देने सम्बन्धी (पुनरारम्भ)	(4)42
गैर सरकारी संकल्प	
जिला अम्बाला की तहसील अम्बाला को औधोगिक रूप से पिछड़ा क्षैत्र घोशित करने सम्बन्धी	(4)47

हरियाणा विधान सभा

वीरवार, 10 मार्च, 1983

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर–1, चण्डीगढ. में 9.30 बजे हुई। अध्यक्ष (सरदार तारासिंह) ने अधयक्षता की।

तांराकित प्र न एवं उतर

श्री अध्यक्ष: माननीय सदस्यगण, अब सवाल होगें।

Coal received in the State

***83. Smt. Chandrawat:** Will the Minister for food and Supplies be pleased to state the total quantity of coal (in tons) of different qualities received, separately, in the State during the years 1979-80, 1980-81 and 1981-82 separately togetherwith the criteria adopted for its distribution in the State?

Industries Minister(Shri Lachhman Singh): Under the Haryana Coal Control Order, 1977 the food and Supplier Department deal with Slack Coal for brick kiln industry and Soft Coke for domestic consumption. The total Quantity for Slack Coal and soft coke received in the State during the years 1979-80, 1980-81 and 1981-82 is given below:-

(Figures in tones)			
	1979-80	1980-81	1981-82
Stack Coal	17,415.4	1,60,873.7	1,29,871.0
Soft Coke	24,600.0	14,280.7	12,040.0

There is no control on the price and distribution of slack coal. So far as soft coke is concerned, it is being distributed by the district authorities on the rates fixed by the District Magistrates against Distribution cards, subject to the availability of stocks.

श्रीमति चन्द्रावतीः स्पीकर साहब, मैने सवाल यह पूछा था कि कोयले की डिस्ट्रीब्यू ान का क्या क्रइटेरिया है लेकिन उसका जवाब मुझे नही मिला। मैने सारी किस्म के कोयले के बारे में पूछा था कि किस प्रकार से कन्जूमर्ज और दूसरे लोगों को डिस्ट्रीब्यू ान किया जाता हैं।

श्री लछमन सिंहः साफ्ट कोक चालीस किलोग्राम एक रा ान कार्ड पर महीने में दिया जाता हैं। जो कोयला कानफेड के थ्रू यानि बाई रेल आता है वह सस्ता होता हैं। लेकिन जो कोयला प्राईवेट डीलर्ज बाई रोडत्र लातें है उसका रेट ज्यादा होता हैं, क्योकि बाई रोड़ आने पर किराया ज्यादा खर्च होता हैं। साफ्ट कोक का होलसेल रेट 226.02 रूपये पर टन हैं। इसमें रेलवे किराया और टैक्स लगता हैं। हिसार और पानीपत के अन्दर

हमारे कोल डम्पस में यह कोयला आता हैं और कान्फेड के थ्रू डिस्ट्रीब्यूट किया जाता हैं। हरियाणा राज्य का साफ्ट कोक का मासिक आबंटन 1000 गाड़िया हैं। जहां तक स्लैक कोक का सम्बन्ध है इसकी डिस्ट्रीब्यू ान पर कोई कन्ट्रोल नही हैं। जिस आदमी के पास स्टेट और सैन्ट्रल सेल्ज टैक्स का नम्बर हैं और सिविल सप्लाई डिपार्टमैंट से लाइसैंस ले रखा है, वह ला सकता हैं। जितने भी वह रैक्स अप्लाई करता हैं, वह उसे दे दिये जाते हैं लेकिन उसे अपना नाम बंगाल, बिहार और आसाम रेलवे में रजिस्टर कराना पड़ता हैं उसकी डिस्ट्रीक्यू ान पर कंट्रोल नही हैं क्योंकि सन् 1977 में जनता गवर्नमैंट के टाईम पर स्लैक कोयले पर जो पाबन्दी थी वह बिदड्रा कर ली गई हैं।

श्री मंगल सैनः मंत्री महोदय ने सन् 1979–80, 1980–81 और 1981–82 की कोयले की फिगर्ज दी हैं कि इतना इतना आया हैं। मैं यह जानना चाहता हूं कि सैन्ट्रल गवर्नमैंट की और से ऐलोके ान कितनी हुई थी और कितना आया हैं?

श्री लछमन सिंहः सैंट्रल गवर्नमैंट की और से ऐलाके ान कोइ नही होती। ऐलाके ान बी0सी0एल0 ओर सी0सी0एल करती हैं। हमें केवल स्पान्सर ि ाप की पावर हैं। साफ्ट कोक के पहले 41 रैक्स स्पान्सर कर सकते थे लेकिन अब 20 कर दिये हैं क्योंकि अब वैगन अवेलेबल नही हैं। अगर महीने में 20 वगनज आ जायें तो साल में 240 हो जाते हैं। वह आने पर डिपैन्ड करता हैं। अप्रैल 1980 में सिर्फ एक रैक आया था और

जनवरी,1981 में भी सिर्फ एक रैक आया। फरवरी, 1981 में फिर पांच रैक्स आये। 30–09–82 तक 13 रैक्स आ चुके हैं और अभी और भी आ रहे हैं। जहां तक स्लेक कोल का सम्बन्ध है आसान कोल फील्ड से 78 रैक्स और बंगाल बिहार कोल फील्ड से 81 रैक्स आये।

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, अगर मंत्री महोदय यह अनुभव करते हैं कि आसाम और बंगाल से कम रैक्स आते हैं और उसकी डिस्ट्रीकयू ान गवर्नमैंट आफ इंडिया करती हैं तो क्या उनसे ज्यादा रैक्स लेने की कोि ा ा की हैं?

श्री लछमन सिंहः डाक्टर साहब ऐलोके ान तो कोल फील्उ वाले करते हैं। हम केवल स्पांसरप करते है कि इसे इतने रैक्स कोयला दे दिया जाये।

श्री अध्यक्ष : इनका सवाल यह है कि क्या आपने गवर्नमैंट आफ इंडिया को रीप्रेजेन्ट किया है कि कोयला कम मिला हैं।

श्री लछमन सिंहः रीप्रेजैन्ट तो बहुत बार किया हैं और सरकार की और से तौ बार–बार कोि ा ा होती रहती हैं कि अधिक कोयले के रैक्स मिलें।

श्री वीनेन्द्र सिंहः क्या मंत्री जी बताएगें कि कोयले की भाार्टेज को पूरा करने के लिये जितने रैक्स हमें चाहिएं, उतने आ रहे है कि कम आ रहे हैं?

श्री लछमन सिंहः कोयले की कोई भाार्टेज नही हैं। यह आप इस बात से अन्दाजा लगा सकते हैं कि तीन–चार महीने पहले ईंटों का रेट काफी ज्यादा था लेकिन अब रेट काफी घटा हैं कोयले की कोई भाार्टेज नही हैं। कोयला रैक्स से भी आता हैं और बाई रोड़ भी आता हैं। जनवरी 1980 में बाई रोड़ 80 हजारप टन कोयला आया हैं।

श्रीमती चन्द्रावतीः क्या मंत्री जी के नोटिस मैं डिपार्टमैंट की ओर से या डिप्टी कमि नर की ओर से भट्ठे वालों की या छोटी इन्डस्ट्री वालों की ि ाकायत आई है कि कोयले की भाार्टेज हैं?

श्री लछमन सिंहः स्पीकर साहब, पिछले दिनों भट्ठे वालों की ए ाोसिये ान की मीटिंग बुलाई गई थी। उसमें हमने कहा था कि आप अगर रैक्स लेने के लिए तैयार हैं, तो हम दे सकते हैं लेकिन उन्होने कहा कि हमारे पास इतना पैसा नही हैं। एक रैक लेने पर 15–16 लाख रूपये खर्च होता हैं। आसाम के रैक पर 15–16 लाख रूपये खर्च होता हैं और बंगाल–बिहार के रैक पर 8–10 लाख रूपया खर्च होता हैं। उन्होने रैक लेने के लिए बिल्कूल इन्कार कर दिया। उन्होने कहा कि हम अपने पैसे क्यो डमप करें।

श्रीमती चन्द्रावतीः क्या आपके पास छोटी इन्डस्ट्री वालों की कोई री–प्रेजन्टे ान आयी हैं? सोनीपत, गुड़गांव और

जगाधरी के छोटी इन्डस्ट्री वालों ने ि ाकायत की हैं कि वे बड़े इन्डस्ट्रीयलिस्टस से कोयला ब्लैक में लेते हैं।

श्री लछमन सिंहः इन्डस्ट्री का कोयला सैपरेट हैं। उसका इस क्वै चन से कोई सम्बन्ध नही हैं। स्लेक कोयला भट्टों में इस्तेमाल होता हैं।

श्री अध्यक्षः क्या आपके पास कोई ि ाकायत आई हैं?

श्री लछमन सिंहः वह ि ाकायत इन्डस्ट्री डिपार्टमैंट मे आई होगी।

श्रीमती चन्द्रावतीः वह डिपार्टमैंट भी तो आपके पास ही हैं। क्या मंत्री महोदय यह अ योरेन्स देंगे कि अगर कोयले की भाार्टेज के बारे में कोई ि ाकायत हैं तो उसे रफा करेंगे?

श्री लछमन सिंहः जरूर रफा करेंगें।

श्री भागीरामः स्पीकर साहब, मंत्री महोदय ने जो फिगर्ज दी हैं उनसे यह पता चलता हैं कि 1979–80 में 24,600, 1980–81 में 14,280.7 और 1981–82 में 12,040 टन साफट कोयला आया हैं जिसका मतलब यह हैं कि कोयले की अवेलेबिलिटी कम होती रही हैं। दे ा के अन्दर आज फयूल की कमी हैं फील हो रही हैं। चाहे गांव हो या छोटा क्सबा हों, क्या मंत्री महोदय इस बात को अरेंजमैंट करेगें कि बे ाक रा ान कार्ड

के जरिये हरेक गांव में या हरेक टाउन में लोगों को कोयला मिल सके।

श्री लछमन सिंहः सॉफट कोक के लिए हमारी यह पालिसी हैं कि गांव के लोग भी अगर लेना चाहे तो कोई पाबन्दी नही हैं। जैसे मैने अर्ज किया हैं कि हम यह कोयला कान्फैड के जरिए डिस्ट्रिब्यूट करते हैं। रैक्स कान्फैड मंगाती हैं, क्योंकि उनके डम्पस बने हुए हैं। एक जगह पर तो इतना कोयला कन्जयूम नही हो सकता हैं और दूसरे अगर एक जगह पर रखेगें तो उसको डिस्ट्रीब्यूट करते वक्त कैरिज का खर्चा बहुत बढेगा। आप को पता हैं कि कई दफा रेलवे में वैगन्ज नही मिलते और कई दफा पिट्स में स्ट्राईक वगैरा होती हैं। सरकार की यह क्लयर नीति हैं कि जो भी यह कोयला लेना चाहे, ले सकता हैं। कई जगह पर लोग लेते भी हैं। उनको कोयला देने के लिए कोई बैन नही है।

श्री अध्यक्षः हर साल कोयले की अवेलेबिलटी घट रही हैं, आपने इनके इस सवाल का जवाब नही दिया।

श्री लछमन सिंहः कम होने का कारण यह है कि एक तो कोयला बाई रोड़ भी आ रहा हैं और दूसरे उसकी फ्री सेल पर कोई पाबन्दी नही हैं। इसके इलावा कोयला लाने के औरप भी चैनल्ज हैं। कहने का मतलब यह है कि आजकल कोयले की कोई दिक्कत नही।

श्रीमती चन्द्रावतीः क्या यह सत्य हैं कि सरकार जानबूझ कर सस्ता कोयला ला रही हैं और इस वजह से पानीपत पावर हाउस भी खराब हो रहा हैं? (व्यवधान व भाोर)

श्री लछमन सिंहः स्पीकर साहब, इनके लिए तो सरकार कोयला लाती ही नही हैं।

श्रीमती चन्द्रावतीः पब्लिक सैक्टर की जो कम्पनियां हैं यदि उनके लिये सरकार नही लाती हैं तो दूसरा कौन कोयला लाता हैं? क्या यह तथ्य नही है कि सरकार उनके लिए कोयला जानबूझकर सस्ता लाती हैं?(व्यवधान व भाोर)

श्री लछमन सिंहः स्पीकर साहब, हलांकि इसका मेन सवाल से कोई ताल्लुक नही है फिर भी मैं इनको यह बता देता हूं कि जी थर्मल का कोयला हैं, वह क्लास वन कोयला मिलता हैं और वह रानीगंज से मिलता है। किसी भी व्यापारी को उस कोयले की एलोके ान नही होती। थर्मल के लिए गवर्नमैंट आफ इंडिया ने कुछ रिस्ट्रीक ांज लगा रखी हैं। (व्यवधान व भाोर)

Mr. Speaker: I think, he requires a separate notice.

Smt. Chandravati: I want to know about the supply of coal, Sir, and I think there is no need of a separate notice for that. (Interruptions.)

श्री रामबिलास भार्माः स्पीकर साहब, मंत्री जी ने जो बताया हैं उसके मुताबिक एक तरफ तो स्टेट में कोयले की कमी

नही है लेकिन दूसरी तरफ इन्होने यह बताया है कि 40 रैक्स की रिक्वायरमैंट के अगेन्स्ट सिर्फ 1 रैक ही मिला हैं, क्या यह दोनों बातें कान्ट्राडिक्टरी नही हैं?

श्री लछमन सिंहः यह तो बहुत पुरानी बात हैं। लगभग दो–तीन साल पहले की बात हैं।

श्री मंगल सैनः सर, इन्होने 1980 की ही तो बात बतायी हैं।

श्री लछमन सिंहः सर, इस साल 13 रैक्स आ चुके हैं। इसके अलावा और अभी आ जायेगें। बाई रोड़ आ जाऐगें। वहां से कुछ रैक्स चले हुए हैं। जैसे मैंने कहा हैं, अब कोयले की कमी नही हैं।

Grant to M.D. University, Rohtak

***81 Dr. Bhim Singh Dahiya:** Will the Minister of State for Education be pleased to state the total amount of grants, if any, paid to M.D. University, Rohtak since October, 1978 todate?

ि ाक्षा राज्य मंत्री (श्री जगदी ा नेहरा): केवल 10,71,36,480 रूपये।

डा0 भीम सिंह दहियाः स्पीकर साहब, मंत्री महोदय ने यह बताया है कि 10,71,36,480 रूपय की ग्रान्ट दी गई हैं, मैं इनसे यह जानना चाहता हू कि इसमें से कितना पैसा बिल्डिंग

कंस्ट्रक ान के लिए था औरप वह असलियत में खर्च हो गया है या नही?

श्री जगदी ा नेहराः स्पीकर साहब, जो पैसा नान–प्लान और प्लान साईड के लिए दिया गया हैं, उसका ब्यौरा मैं दहिया साहब की इन्फर्मे ान के लिए दे देता हूं। 1977–78 में प्लान साईड पर 75 लाख रूपया, टोटल 2 करोड़ 85 लाख रूपया, 1980–81 में प्लान साईड पर 1 करोड़ 67 लाख 98 हजार और नान–प्लान साईड पर एक करोड़ 18 लाख, टोटल 2 करोड़ 85,98,000, 1981–82 में प्लान साईड पर 1 करोड़ 8 लाख रूपया और नान–प्लान साईड पर 1 करोड़ 29 लाख 38,480, टोटल 2 करोड़ 37 लाख 38,480 रूपया और 1982–83 में प्लान साईड पर 50 लाख रूपए और नान–प्लान साईड पर 1 करोड़ 38 लाख और टोटल 1 करोड़ 88 लाख रूपए ओर अब तक कुल 10 करोड़ 71,36,480 रूपए की ग्रान्ट दी गयी हैं। इसमें जो प्लान साईड पर खर्चा हैं, वह करीब–करीब सारा खर्च हो चुका हैं, बाकि पुरा ब्योरा मैं अभी नही दे सकता क्योंकि सवाल में इस बारे में नही पूछा गया था।

श्री हीरा नन्द आर्यः मैं मंत्री महोदय से एक बात पूछना चाहूगां। जैसे कि प्रोसीजर बनाया हुआ हैं कि यूटिलाईजे ान सर्टीफिकेटस आने के बाद ही अगली ग्रान्ट रीलीज की जाती है, क्या यहां से भी यूटिलाईजे ान सर्टीफिकेटस आने के बाद ही

उनको अगली ग्रान्टस दी गई हैं या पहले भी दे दी गयी है? इसके अलावा फर्नीचर पर कितना पैसा खच्र किया गया हैं?

श्री जगदी ा नेहराः सर, फर्नीचर के बारे में मेरे पास डिटल्ज इस समय नही हैं। पैसे की यूटिलाईजे ान सर्टीफिकेटस के बारे में इनका सवाल नही था, इसलिए मैने वह इन्फर्मे ान नही मंगवायसी और अमूमन यूनिवर्सिटी के लिए जिना भी बजट में प्लान साईड पर और नान–प्लान पर, प्रोविजन होता हैं, यह हर साल बढता ही रहता है, लेकिन प्लान साईउ वाला तो करीब–करीब खर्च हो जाता हैं।

श्री मंगल सैनः क्या ि ाक्षा मंत्री महोदय या मुख्यमंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि उनके पास कोई ि ाकायत इन वर्शो के दौरान यानी 179–80 या 1981–82 या असके बाद तीन–चार वर्शो में जब से पैसा भुरू किया हैं सरकार के पास मिस–एप्रोप्रिए ान की या रौंग यूटिलाईजे ान की इम्प्रोपर यूटिलाईजे ान आफ फन्डज के बारे में कोई ि ाकायत प्राप्त हुई हैं? अगर मिली है तो उसके ऊपर क्या एक ान लिया गया हैं?

श्री जगदी ा नेहराः स्पीकर साहब, वैसे जो इसके बारे में सैपरेट क्वे चन देना चाहिए लेकिन अगर डाक्टर साहब स्पैसिफिकली यह बता दें कि किस टाईप की ि ाकायत के बारे में वह पूछना चाहते हैं। उसका जवाब मंगवा लिया जाएगा। ऐसे ही वेग ि ाकायत के बारे में कह सकता हूं।

Shri Mangal Sein: I want to know whether you have r eceived any complaint regarding mis-use or embezzlement of funds?

श्री अध्यक्षः डाक्टर साहब, अगर उनके इल्म में न हो तो वह कैसे कहेगें कि आयी हैं या नही आयी हैं।

Shri Mangal Sein: He has got the information, Sir. He Knows everything but he is hiding it from the House, Sir. (Interruptions)

श्री जगदी ा नेहराः स्पीकर साहब, डाक्टर साहब, स्पैसिफिकली बतायें कि फलां चीज की एम्बैजलमैंट के बारे में पूछना चाहते हैं तो पता करके बता दिया जाऐगा।

श्री मंगल सैनः आप बतायें कि क्या फर्नीचर के बारे में आपको कोई ि ाकायत मिली हैं?

श्री जगदी ा नेहराः जैसे मैने अर्ज किया, यह तो अलग सवाल हैं। इसके बारे में अलग से नोटिस दे तो इनफर्मे ान मंगायी जाएगी ऐसे कैसे इनको जवाब दिया जा सकता है?

Shri Mangal Sein: Iseek you protection, Sir. We want information about 10 करोड़ रूपया जो दिया गया हैं। He knows the person, who is handling the aggairs for the Universiry.

श्री जगदी ा नेहराः सर, मै आपके माध्यम से यह अर्ज करना चाहता हूं कि जितनी इन्होने इन्फर्मे ान सवाल में पूछी थी,

वह दे दी गई हैं। अब यह फर्नीचर के बारे में ि ाकायत की बात पूछते हैं, कितना खरीदा गया हैं तो उसके लिए इन्हे तो अलग से नोटिस देना पडेगा। (व्यवधान व भाोर)

श्री अध्यक्षः आपके पास फर्नीचर के बारे में कोई कम्पलेंट आयी हैं या नही? अगर आपके पास इन दो प्वांयटस के बारे के अब यह इन्फर्मे ान नही है तो आप मंडे को यह इन्फर्मे ान दे दें।(व्यवधान व भाोर)

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, जब हमने एक स्पैसिफिक सवाल पूछा हैं कि कितनी ग्रान्ट एक यूनिवर्सिटी को दी गई है तो ग्रांट कैसे युटिलाइज की गई हैं वा कैसे नही की गई है, इसके लिए भी तैयार हो कर नही आयें। इसकी डिटेल्ज तो मंत्री महोदय के पास होनी चाहिए।

श्री अध्यक्षः मैने इनको दो सवालों के लिए टाईम दे दिया हैं। उनका जवाब आ जायेगा।

डा0 भीम सिंह दहियाः स्पीकर साहब, मंत्री महोदय ने दस करोड़ 71 लाख 36,480 रूपये की ब्रेक–अप बताई हैं जो ग्रानट यूनिवर्सिटी को दी गई हैं। इसमें एक बात साफ जाहिर है कि ज्यादातर पैसा बिल्डिंग कन्स्ट्रक ान के लिए प्लान साइड पर था। आज तक कोई भी बिल्डिंग, एक बिल्डिंग, को छोड़ कर नही बनाई गई हैं। जो एक बन गई है वह भी गल्ती से जब कोई दूसरा आफिसियेटिंग बाईस चान्सलर था तब बन गई थी उस वक्त

होस्टल की बिल्डिंग बनी थी। वरना हर साल बिल्डिंग मैटीरियल खरीदा जाता है। मै एक स्पैसिफिक इनटांस भी दे दूं जो ये पूछना चाहते थे, सन 1979 में 40 टन लोहे के बारे में यह कहागया कि यह चौरी हो गया हैं। सिमेंट और लोहा 50–60 लाख या एक करोड़ रूपये का हर साल खरीदा जाता हैं जो वहां पर चोरी होने लग रहा हैं और पैसा बैकार में खर्च हो रहा हैं, क्योकि जो साहब आज वहां पर बैठे हुए हैं वह साईउ या बिल्डिंग का फैसला नही हाने देते और जिसकी वजह से उसकी प्लान नही बनती। इसलिए हर साल कहा जाता हैं कि इतना सीमेंट खराब हो गया या लोहा चोरी हो गया। मै इनसे यह पूछना चाहता हूं कि क्या राइटिंग में कोई कम्पलेंट आई थी कि 40 टन लोहा चोरी हो गया या दूसरी और चीजों की भी चोरी हुई है जैसे कि एक नयी जीप भी चोरी हो गई है या किसी ने बेच दी है। अगर ऐसी कोई कम्पलैंट आई थी तो क्या इसकी विजीलैंस इन्कवायरी हुई या नही, अगर हुई है तो उसका क्या नतीजा निकला हैं?

श्री जगदी ा नेहराः अध्यक्ष महोदय, मै आपके द्वारा दहिया साहब को यह बताना चाहता हूं कि कब मैटीरियल चोरी हुआ और कितने का हुआ, अब जीप चोरी हुई, इसके बारे में उनको पता होगा क्योंकि ये पहले वहां पर रजिस्ट्रार रहे है। मुझे इन सब बातों का पता नही हैं।

श्री भले रामः अध्यक्ष महोदय, यूनिवर्सिटीज को यूनिवर्सिटीज ग्राटंस कमि ान से भी ग्रांट मिलती है क्योंकि ये

कालेज के एग्जाम कंडक्ट करती हैं। हरियाणा में भी एक संस्था है जिसका नाम हरियाणा ि ाक्षा बोर्ड हैं। इसे आज तक सरकार नै कोई ग्रान्ट नही दी उसका भी बहुत बड़ा काम हैं। क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि क्या सरकार उसको भी कुछ ग्रान्ट देने के पर विचार करेगी।

(इस प्र न का उतर नही दिया गया।)

श्री अध्यक्षः रोहतक यूनिवर्सिटी के बारे में ऐक्सपैंडीचर साईड पर सप्लीमैंटरीज मैम्बर साहिबान पूछना चाहते थे। मैने उस क्वै चन को मंडे के लिए रैफर कर दिया है, इसलिए इस बारे में और सप्लीमैंटरीज मंडे को पूछ लीजिए।

Complaints received by Anti-Corruption committee

***87. Chaudhari Balbir Singh Grewal:** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) whether any Anti-Corruption Committee has been appointed by the Government; if so, the number of complaints fo corruption aainst politicians, businessmen and the Government servants received by the said committee during the years 1977 to 1982 sparaterly;

(b) the number of politicians, businessmen and Government servants out of thouse referred to in part (a) above, against whom inquiries were instituted during the same period separately; and

(c) the number of persons, if any, out of those referred to in part (b) above, as have been found guilty togetherwith the details of action, if any, taken against each one of them saparately?

मुख्य मंत्री(चौधरी भजन लाल):

(क) इस समय कोई भ्रश्टाचार निरोधक समिति नही हैं। '' हरियााणा राज्य चौकसी समिति'' नामक एक समिति ने प0 श्री राम भार्मा की अध्यक्षता में तीन अन्य गैर–सरकारी सदस्यों सहित 3–8–77 से 26–11–77 तक कार्य किया। फिरप दोबारा प0 श्री राम भार्मा पर आधारित एक सदस्य समिति ने 30–12–77 से 29–06–79 तक कार्य किया। इस समिति को गैर सरकारी व्यक्तियों के विरूद्व कुल 868 ि ाकायतें प्राप्त हुई थी। सरकारी कर्मचारियों के विरूद्व ि ाकायतें इस समिति के कार्य क्षैत्र में नही थी।

(ख तथा ग) यह सूचना एकत्रित करने में जो समय तथा परिश्रम लगेगा उससे वि ोश लाभ नही होगा।

चौधरी बलबीर सिंह ग्रेवाल: स्पीकर साहब, मुख्य मंत्री महोदय ने जो जवाब दिया हैं वह सन्तोशजनक नही है। मुख्य मंत्री जी ने बताया है कि नान आफि ियल्ज के अगेस्ट 868 कम्पलेट्स प्राप्त हुई। स्पीकर साहब, मुझे पेरी और सही इंफरमै ान है कि उस सूची में जो कम्पलैंट्य हैं उनमें इसके और इनके परिवार के नाम भी है। अध्यक्ष महोदय, गुड़गांव में एक

पोल्टरी फार्म हैं। उसका मालिक हर महीने तीन–चार साल तक यह चौरी करता रहा। इस तरह की कम्पलेट भी की हुई हैं। उस पोल्टरी फार्म में अंडों से चूजें बनते हैं। स्पीकर साहब, दूसरी बात यह है कि हिसार में एक बहुत बड़ी फैक्टरी है जिनका नाम जिन्दल फैक्टरी हैं वहा पर भी बिजली की चोरी होती थी। चौरी पकड़ने से पहले वहां से गवर्नमैंट को दो लाख का रैवेन्यू आता था लेकिन पकड़ने के बाद वहां से सात लाख का रैवेन्यू गवर्नमैंट को आने लगा फिर उस एस0डी0ओ0 को वहां से बदल दिया गया। उस फैक्टरी का मालिक बहुत बड़ा आदमी हैं। उसकी चौधरी भजन लाल से सांठ–गांठ हैं। क्या मुख्य मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि क्या यह बातें सच हैं या नही है?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, दरअसल हमारे सामने दिक्कत यह है कि अपोजि ान के माननीय सदस्य जब खड़े होते है तो इनको सिवाए भ्रश्टाचार के और कोई बात नही दिखाई देती क्योंकि इनके जमाने में खूब भ्रश्टाचार था। जो आदमी जैसा होता हैं दूसरे को भी वह वैसा ही समझता हैं। स्पीकर साहब, इन्होने कहा है कि भजन लोल और परिवार के खिलाफ भी भ्रश्टाचार की ि ाकायत के बारे में किसी औथ कहता हूं कि अगर एक भी ि ाकायत आई हो और एक भी ि ाकायत के बारे में किसी ने पूछा हो ता मै आज ही अस्तीफा देने के लिए तैयार हूं। जहां तक जिन्दल पाईप फैक्टरी, हिसार का सम्बन्ध हैं, वे मुझे जानते हैं, मेरे साथ लगता हुआ उनका गांव, जिला भी एक ही है।

मै चौधरी देवी लाल की तरह नही हूं जिन्होने ओम प्रका ा के लिए कहा था कि वह मेरा बेटा नही है। स्पीकर साहब, जो मेरा दोस्त है उसके साथ मैने हमे ाा दोस्ती स्वीकार की हैं मैने कभी मना नही किया। बहिन चन्द्रावती जी भी उनको जानती हैं और दूसरे मैम्बर साहिबान भी उनको जानते हैं। कौन सा मैम्बर ऐसा हैं जा उनको नही जानता?

अध्यक्ष महोदय, मैम्बर साहब ने कहा कि एस0डी0औ0 ने चोरी पकडी़ और उसके खिलाफ कार्यवाही हो गई। अध्यक्ष महोदय, मै ईमानदारी से कहता हूं कि यह बात आज ये मेरे नोटिस में लाएं है। अगर कभी इन्होने इस बारे में ि ाकायत की हो तो खड़े होकर कह दें। मै गुनाहगार हूं। इंक्वायरी करा देते हैं। अगर कोई कसूरवार पाया गया तो सख्त से सख्त कार्यवाही की जाएगी। अगर इसमें सच्चाई नही हुई तो ये सोच लें कि अपने खिलाफ क्या कार्यवाही करवाऐगें।

स्पीकर साहब, पोल्टरी फार्म्ज की मेरे पास कोई लिस्ट नही हैं कि इस तरह की कोई ि ाकायत है या नही। कुल 868 कम्पलेंटस आई थी उनमें से 318 दरखास्तों की इंक्वायरी करके फाईल कर दिया गया और 108 दरखास्तों पर कमेटी ने अपनी रिपोर्ट भेज दी थी। हमने उनको डिपार्टमैंटस को कार्यवाही के लिए भेज दिया। अध्यक्ष महोदय, उन दरखास्तों मे मोस्टली ि ाकायतें पंचों और सरपचों के खिलाफ थी।

श्री मंगल सैनः अध्यक्ष महोदय, अभी मुख्य मंत्री महोदय के बारे में जो बात की गई, तो वह उनको बहुत नागवार गुजरी। इन्होने कहा कि अपोजि ान वालों को तो हर जगह भ्रश्टाचार ही नजर आता है। अगर मुख्य मंत्री महोदय चाहते है कि क्लीन पब्लिक लाईफ रखी जाए तो क्या मुख्य मंत्री महोदय किसी हाईकार्ट के जज की अध्यक्षता में एक स्टैंडिंग कमेटी बनाने के लिए तैयार है जो भ्रश्ट राजनीजिज्ञों और व्यापारियों की जांच कर सके?

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, सारी बातों के लिए पहले से कानून बने हुए हैं। जो भी आदमी भ्रश्टाचार करता हैं, उसके लिए कानून है औरप उसको कानून के मुताबिक सजा मिलती है। हर आदमी के लिए कानून है चाहे वह कितना ही बड़ा क्यो न हों। स्पीकर साहब, डा0 साहब के जमाने में चार मैम्बर्ज की एक कमेटी बनी थी, जिसमें चौधरी हरस्वरूप बूरा, राव रामनारायण और डा0 बृज मोहन गुप्ता थे। उस पर काफी लोगों ने एतराज किया और कहा गया कि कमेटी पार्टीबाजी की बिना पर ि ाकायत मगवाती हैं। इसलिए वह कमेटी तोड़ दी गई। इसके प चात श्री राम कमेटी बनाई गई। अध्यक्ष महोदय मैं मानता हूं कि पंडित श्री राम भार्मा बहुत अच्छे आदमी है, बहुत ओनस्ट आदमी हैं, लेकिन उन पर भी लोगों ने अंगुली उठानी भ्रुरू कर दी।

श्री मंगल सैनः मै तो हाई कोर्ट के जज की अध्यक्षता में कमेटी बनाने की बात कर रहा हुं।

चौधरी भजन लालः हाई कोर्ट के जज को भी बख ोगा नही। अध्यक्ष महोदय, असल में तो लोक आयुक्त होना चाहिए। हम इस बात पर विचार रहे है कि लोक आयुक्त बने या नही। इस पर हम पार्टी में सोचेंगे तथा अपनी हाई कमाण्ड से भी विचार विर्म ा करेगें। अगर लोक आयुक्त बन जाए ता सियासी आदमियों को डर हो जाएगा। अध्यक्ष महोदय, हम इस बात पर विचार कर रहे है।

श्री मंगल सिंहः आप आ वासन कैसे दे दे लोंक आयुक्त बना दिया जाएगा।

चौधरी भजन लालः इस वक्त कैसे दे दें। हम तो अभी विचार कर रहे हैं।

श्री नेकी रामः स्पीकर साहब, हाउस आपके हाथों सेफ है और ये लोग यू ही दूसरे मैम्बरो पर ब्लेम लगाते है और हाउस का समय बरबाद करते हैं। तो मेरी आप से रिक्वैस्ट है कि आप इस सारी कार्यवाही को हाउस की कार्यवाही में से निकाल देवें।(हंसी)

Chaudhri Kulbir Singh Malik: I want to know from the Chief Minister....., Sir, whether any case was registered agiainst the Chairman of the Marketing Committee, Kaithal regarding the embezzlement of Rs. 4 Lacs in earthwork?

श्री अध्यक्षः यह कोई प्र न नही हैं।

श्री कंवल सिंहः स्पीकर साहब, अभी चौधरी भजन लाल जी ने कहा कि अगरप इनके पास कोई स्पेसिफिक ि ाकायत आयेगी तो यह अव य एक ान लैगे। मै आपकी मारफर इनसे यह जानना चाहता हू कि क्या इन्हे बिजली बोर्ड इम्पलाईज यूनियन की तरफ से कोई मैमौरेन्डम मिला है जिसमें उन्होने स्पेसिफिक ि ाकायतों की तरफ सरकार को ध्यान दिलाया हैं और अगर मिला हैं तो सरकार ने उस पर क्या कार्यवाही की हैं?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, आपको भी पता हैं कि बिजली बोर्ड एक आटोनोमस बाडी हैं। अभी तक मेरे पास ऐसा कोई मैमोरेन्डम नही आया भी हो तो मैं इससे इन्कार नही करता, हो सकता है कि मैने न पढा हो क्योंकि उस समय मेरी आखों में खराबी थी। अगर आया होगा तो उस पर अव य ही कार्यवाही की जायेगी।

श्री बीरेन्द्र सिंहः स्पीरकर साहब, मुख्यमंत्री जी ने डाक्टर मंगल सैन जी के प्र न के उत्तर में यह कहा कि लोकायुक्त की अप्वांयटमेंट के बारे मे गौर करेगें। मुख्य मंत्री महोदय बतायेगें कि क्या इसी सै ान में अपनी पार्टी की मीटिंग करके अगले हफते तक हाउस में इस बात का आ वासन देगें ाऔर इस तरह का बिल लाने की कोि ा ा करेगें?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, जल्दबाजी मे ंऐसी कोई बात नहीं कही जा सकती क्योंकि हमने अपनी पार्टी के साथ व हाई कमांड के सथ विचारविम र्श भी करना है। हमारी पार्टी कोई इनकी पार्टी की तरह थोडी है (व्यवधान एवं ाोर) हम कोि ा ा कररेगें कि यहां पर भ्रश्टाचार का सफाया हो और जनता को स्वच्छ प्रशासन दिया जाये।

श्री अध्यक्षः अगला प्र न।

श्री राम बिलास भार्माः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके नोटिस में एक बात लाना चाहता हूं कि हेली गांव के पुलिस अफसर रामफल के खिलाफ वहां के देहात वालों ने आन्दोलन कर रखा है और इस बारे में मुख्य मंत्री साहब को ि ाकायत भी की गई है, लोग मिले भी हैं लेकिन अभी तक मुख्य मंत्री महोदय ने उस अफसर के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं की है। यह बड़ा अहम मसला है। अध्यक्ष महोदय, आप मुख्य मंत्री जी से कहें कि इस बात की इन्कवायरी करवाई जाए।

(इस समय बहुत से माननीय सदस्य प्र न पूछने के लिए खड़े हुए।)

Mr. Speaker: I have called for the next question. Please sit down. (Interruptions and noise) I have already allowed so many supplementaries on this question from the opposition side. Now I have called for the next question.

Financial position of Kurukshetra University

***94. Ch. Sahib Singh Saini:** Will the Minister of State for Education be pleased to state:-

(a) whether the Kurukshetra University experienced any difficulty in the disbursement of salaries to its employees during the months of September and October, 1982 on account of its diffcult financial; and

(b) the present financial position of the University togetherwith the financial position of the University before the joining of the present Vice-Chancellor?

ि ाक्षा मंत्री राज्य मंत्री (श्री जगरदी ा नेहरा):

(क) मास सितम्बर, 82 में वेतन के भुगतान में कोई कठिनाई नहीं हुई, परन्तु मास सितम्बर का वेतन जो कि अक्तूबर में दिया जाना था के भुगतान में अस्थाई कठिनाई हुई थी। यह वेतन 4—10—82 को दिया गया था।

(ख) वर्तमान उपकुलपति ने 20—4—82 को कार्यभार संभाला था। वर्श 1982—83 के वि वविद्यालय के बजट अनुमानों के पिछले वर्श 1981—82 से चला आ रहा 22.94 लाख रूपये का घाटा दिखाया गया था। वर्श 1982—83 में सरकार द्वारा इस वि वविद्यालय को 185 लाख रूपये की वार्शिक ग्रांट दी गई तथा इसके अतिरिक्त 75 लाख रूपये की वि ोश ग्रांट वि वविद्यालय को दी गई है।

चौधरी साहब सिंह सैनः क्या मंत्री महोदय यह बताएंगे कि 20–4–82 से पहले जो उप–कुलपति थे, उनका क्या नाम था ? साथ में जो कठिनाई वेतन देने में हुई, उसके क्या कारण थे ?

श्री जगदी ा नेहराः 20–4–82 से पहले श्री कुटप्पन उपकुलपति थे। वेतन देने में ऐसी कोई कठिनाई वाली बात नहीं थी, 1–10–82 को पे देनी थी लेकिन पे 4–10–82 को दी गई। वैसे ऐसी कोई कठिनाई वाली बात नहीं थी।

चौधरी साहब सिंह सैनीः अध्यक्ष महोदय, जिस वक्त श्री कुटप्पन उपकुलपति थे तो उन्होंने अपने आफिस के चारों तरफ बैरोकेड लगवा लिये थे और जो कुरूक्षेत्र कालेज था, उसके चारों और भी ऐसे ही बैरीकेड लगा दिये गये थे। यह जो वेसटफुल एक्सपैन्डीचर किया गया था, क्या इसी कारण से तो तनखाह देने में देरी नहीं हुई ?

श्री जगदी ा नेहराः स्पीकर साहब, मेरे माननीय सदस्य अगर इस बात का अलग से नोटिस देंगे तो मैं बता दूंगा।

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, वाइस चान्सलर ने अपनी सेफटी के लिए बैरीकेड लगा भी लिये तो इसमें दिककत वाली क्या बात है क्योंकि नौजवान लड़के कभी कोई भारारत वगैरह भी तो कर सकते थे। मैं माननीय सदस्यों को यह बतलाना चाहता हूं कि जहां तक यूनिवर्सिटी को ग्रान्ट देने का ताल्लुक है, हमने 1981–82 में 235 लाख रूपये की ग्रान्ट दी और

1982–83 में 260 लाख रूपये की, मतलब यह है कि 25 लाख रूपये पहले से ज्यादा ग्रान्ट दी ताकि यूनिवर्सिटी की वित्तीय कठिनाई का सामना न करना पड़े। जैसा कि मंत्री महोदय ने बताया कि वेतन देने में एक दो दिन की देर हो गयी आगे से किसी भी प्रकार की ऐसी परे ाानी नहीं आने दी जाएगी।

श्रीमति चन्द्रावतीः अध्यक्ष महोदय, मंत्री महोदय यह बतलाने का कश्ट करेंगे कि यह जो वेतन वगैरह देने में डिले हुई है, क्या यह इन ऐफी ाीऐन्सी की वजह से हुई है या पैस की कमी की वजह से हुई है ?

श्री जगदी ा नेहराः अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय सदस्या को यह बतलाना चाहता हूं कि न यह डिले इन ऐफी ाीऐन्सी की वजह से और न ही पैसे की वजह से हुई है।

श्री मंगल सैनः अध्यक्ष महोदय, अभी मंत्री महोदय ने बताया कि जो वेतन दैने में देरी हुई है न तो वह इन ऐफीि ाऐन्सी की वजह से और न ही पैसे की वजह से हुई है। क्या मंत्री महोदय बतालाएंगे कि फिर देरी से वेतन देने के क्या कारण थे, क्या कहीं यूनिवर्सिटी का दिवालिया तो नहीं निकल गया था जिसके कारण से ऐसा हुआ ?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, डाक्टर साहब को मैं बताना चाहूंगा कि जहां तनख्वाह 1–10–1982 को देनी थी या 2–10–82 को देनी थी वहां तनख्वाह 4–10–84 को दी गई, इसमें

कोई वि ोश बात नहीं थी। कई बार बीच में छुट्टियां भी आ जाती है या कोई छुट्टी पर होता है तो इस कारण से ऐसा हो सकता है।

Sh. Mangal Sein: Sir, I am sorry to observe that the Hon'ble Minister is not prepared on the subject. He must come prepared and convince us.

श्री जगदी ा नेहराः स्पीकर साहब, मैं पूरी तरह से प्रिपेयर्ड हूं।

चौधरी साहब सिंह सैनीः अध्यक्ष महोदय, अभी चीफ मिनिस्टर साहब ने यह बतलाया कि वाइस चान्सलर ने इस वजह से कि कहीं नौजवान लड़के भारारत न करें, अपनी सेफटी के लिए बैरीकेड लगवा लिये। मैं उनसे यह पूछना चाहता हूं कि वि ववि्यालय तो बीस बाईस सालों से चल रही है पहले तो कभी इस तरह की आव यकता नहीं पड़ी और आज इसकी आव यकता किन कारणों से पड़ी ? इसके क्या कारण थे ? यह जो वेस्टफुल एक्सपेन्डीचर यिका गया है, क्या इस कारण से तो वेतन लेट नहीं दिया गया है ?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, आप जानते हैं कि जिस समय किसी चीज की जरूरत होती है, वह उसी समय की जाती है। पहले जरूरत नहीं पड़ी इसलिए बैरिकेड नहीं लगाए गए और अब जरूरत पड़ी तो लगा दिये गये। अगर तनख्वाह दो दिन लेट हो जाए तो यह कोई बड़ी बात नहीं है। दो दिन में कोई

आसमान नहीं टूट जाता। दो दिन की बीच में छुट्टी भी आ सकती है और बैंक से पैसे लेने में भी कोई दिक्कत हो सकती है।

श्री मंगल सैनः अभी मुख्य मंत्री जी ने बताया कि बैरिकेड लगाना तो एक मामूली सी बात है। मैं जानना चाहता हूं कि क्या यूनिवर्सिटी मे वाइस चांसलर दुकान खोलकर बैठा है ?

श्री अध्यक्षः देखिये, सब को पता है यूनिवर्सिटी की कन्टीन का जला दिया गया था। वहां पर आग लगी और गोलियां चलीं। इसलिए इन्तजाम तो करना ही पड़ता है।

Proclaimed offenders in the State

***73. Ch. Kulbir Singh Malik:** Will the Chief Minister be pleased to state the number of persons declared as proclaimed offenders by the courts in the State during the period from January, 1980 to-date togetherwith the number out of them who have been arrested?

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): राज्य में 1–1–80 से 31–12–82 तक कुल 246 व्यक्तियों को उद्घोशित अपराधी घोशित कियसा गया था। इसी अवधि में 83 उद्घोशित अपराधियों को गिरफ्तार किया गया और 68 अपराधियों के बारे में की गई घोशणा को कैन्सिल किया गया था।

चौधरी कुलबीर सिंह मलिकः स्पीकर साहब, 246 में से 163 ओफैडर्ज को हरियाणा पुलिस पकड़ नही सकी। मै आपके

द्वारा मुख्य मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि क्या यह इन–एफि ाएंसी की बात नही हैं? दूसरे मैं यह जानना चाहता हूं कि दो साल से ऊपर की सजा के कितने केस हैं?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, आप जानते हैं कि जा प्रोकलेमउ ओफैंडर्ज के केसिज हैं, उनमें ज्यादा रेलवे के कैस होतें हैं। रेलों में जो घटनाएं होती हैं उसमें ज्यादा बाहर के आदमी इनवाल्वड होते हैं। आप जानतें है कि बाहर प्रान्तों के ओफैंडर्ज को पकड़ना इतना आसान नही होता लेकिन फिर भी हमारी पुलिस ने बहुत को ि ा ा की। हमारी पुलिस की एफि ाएंसी सारे दे ा में अच्छी हैं और हमारी पुलिस का काम सब से अच्छा हैं। इस बात को अपोजि ान के भाई भी जानतें हैं। इसके अलावा हमने हर जिले में इस बारें में स्टाफ मुकरर्र किया हुआ हैं जो हर तीसरपे महीने रेड करता हैं। हमारी को ि ा ा है कि जो बाकी के ओफैंडर्ज पकड़ने रहतें हैं, उनको भी पकड़ा जाए।

श्री राम बिलास भार्माः अभी मुख्य मंत्री जी ने बताया कि 68 ओफैंडर्ज के बारे में प्रोक्लेमें ान कैंसिल करनी पडी़। मै जानना चाहता हूं कि यह कैंसिल क्यों करनी पडी?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, कई बार ऐसा होता हैं कि ओफैंडर या तो स्रैंडर कर देता हैं या कोई मर जाता हैं इसलिये कैंसिल करनी पड़ती हैं। (ाोर)

श्री राम बिलास भार्मा: अध्यक्ष महोदय, मै जानना चाहता हूं कि 68 में से ऐसे कितने लोग है जो मर गये? और इन 68 औफैंडर्ज के बारे में स्पॅसिफिक डिटेल्ज जानना चाहता हूं।

श्री अध्यक्ष: राम बिलास जी, मै आपकी बहुत कदर करता हूं। लेकिन यह कोई तरीका नही है कि आप जिस वक्त चाहें उठकर जो मरजी में आये कह दे। सप्लीमैंटरी परमि ान के साथ की जा सकती हैं।

चौधरी कुलबीर सिंह मलिक: स्पीकर साहब, मेरे सवाल का जवाब नही आया। मैने पूछा था कि दो साल से ऊपर की सजा के कितने केस हैं।

चौधरी भजन लाल: आपने 1–1–80 से 31–12–82 तक की सूचना पूछी थी और वह हमने जवाब में बता दी हैं।

चौधरी कुलबीर सिंह मलिक: मैं अब स्पलीमैंटरी के द्वारा पूछता हूं कि दो साल से ऊपर की सजा के कितने केस हैं?

चौधरी भजन लाल: यह तो आप ने सवाल में पूछा नही था। यह सूचना इस समय मेरे पास नही हैं। इसके लिए अलग से नोटिस चाहिये।

श्री मंगल सैन: स्पीकर साहब, मुख्य मंत्री जी ने फरमाया कि 246 आदमियों को 1–1–80 से 31–12–82 तक प्रोक्लेम्ड औफैंडर घोशित किया गया। क्या वे रिकार्ड देख कर

बताएंगे कि वे किस– किस जुर्म में पकड़े गये? क्या इनमें कोई ऐसा भी था जो जेल से भागा हूआ हों?

चौधरी भजन लालः यै आकड़े इस समय मेरे पास उपल्ब्ध नही है, इसमें चौरी, डकैती और कत्ल के केस भी हो सकते हैं। बहुत से बाहर के लोग भी होते हैं जो चोरी करके भाग जाते हैं।

Tourist Complex at Ambala Cantt.

***102. Seth Ram Dass Dhamija:** Will the Minister oif State for Technical Education be pleased to state—

(a) whether there is any proposal under considreration of the Government to set-up a Tourist Complex at Ambala Cantt; and

(b) if so, the details thereof and the time by which the aforesaid complex is likely to be set-up?

Minister of State for Technical Education (Shri Lachhman Dass Arora):

(a) Yes

(b) Initially a restaurant, some accommodation for tourists and landscaped garndens etc. are proposed to be provided in this complex. Depending on the availability of unds, the setting up of this complex will take about two years.

सेठ राम दास धमीजाः अध्यक्ष महोदय, अम्बाला कैन्ट के बारे में मै यह कहूंगा कि यह हरियाणा में सब से खूबसूरत और

बढिया भाहर है औरप यह दूनिया के नक ो पर हैं। मै यह जानना चाहता हूं कि वहां पर यह सुन्दर टूरिस्ट कम्पलैक्स कहा पर बनाया जाएगा? क्या यह कम्पलैक्स दो साल की बजाए पहले बना दिया जाएगा?

श्री लछमन दास अरोड़ाः स्पीकर साहब, धूलकोट में जो रेलवे का पुल हैं वह अम्बाला सिटी ओर बलदेव नगर कैम्प के बीच में पड़ता हैं। टूरिस्ट कम्पलैक्स के लिये वहां पर जगह ली गई हैं।

चौधरी हुकम सिंह फागटः मै मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि नरवाना के टूरिस्ट कम्पलैक्स का काम कब तक भाुरू कर दिया जाएगा?

श्री लछमन दास अरोड़ाः वहां पर जगह एक्वायर हो चुकी हैं। उम्मीद हैं अगले साल काम भाुरू हो जाएगा।

चौधरी भागमलः मै मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि क्या अम्बाला वाले टूरिस्ट कम्पलैक्स की जगह क्या तला ा कर ली गई है और क्या वहां पर जमीन एक्वायर कर ली गई है?

श्री लछमन दास अरोड़ाः जी हां, वहां पर जगह एक्वायर कर ली गई हैं।

श्री निहाल सिंहः धमीजा साहब ने कहा कि टूरिस्ट कम्पलैकस के लिए खूबसूरत जगह होनी चाहिए। मै जानना

चाहता हूं कि जगह सिलैक्ट करने के लिये क्य क्राइटेरिया बनाया जाता हैं? क्या नारनौल जैसी बदसूरत जगह के लिये भी कम्पलैक्स बनाने का कोई विचार है?

श्री लछमन दास अरोड़ाः स्पीकर साहब, नारनौल में आलरेडी टूरिस्ट कम्पलैक्स बना हुआ हैं।

श्री भागी रामः अध्यक्ष महोदय मै आपकी इजाजत से इस सवाल से मिलती–जुलती सप्लींमैंटरी पूछना चाहता हूं। अध्यक्ष महोदय, सिरसा जिले में ओटू पुल के पास एक झील है और वहा पर एक टूरिस्ट कम्पलैक्स बनाने की सरकार की एक स्कीम थी। मैं मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि क्या उस झील पर टूरिस्ट कम्पलैक्स बनाया जाएगा?

श्री लछमन दास अरोड़ाः स्पीकर साहब, वहां पर टूरिस्ट कम्पलैक्स बनाने की कोई बात सरकार के जेरेगौर नही हैं। मै माननीय सदस्य की जानकारी के लिए बताना चाहता हूं कि वैसे वहां पर पंचायत ने एक टूरिस्ट कम्पलैक्स बना लिया हैं।(ाोर)

श्री भागी रामः अध्यक्ष महोदय, अभी मंत्री जी ने बताया है कि वहां पर एक टूरिस्ट कम्पलैक्स पंचायत ने बना लिया हैं। मैं इस बारे में यह कहना चाहता हूं कि वह टूरिस्ट कम्पलैक्स औटू गांव के एक ठाकूर ने गांव से बाहर अपने खेत में अपनी कोठी के पास बनाया हुआ हैं। मै मंत्री जी से जानना चाहता हैं कि क्या

किसी इनडिविजुअल को फायदा पहुचाने के लिए उसके खेत में टूरिस्ट कम्पलैक्स बनाया जा सकता हैं?

श्री लछमन दास अरोड़ाः जो कम्पलैक्स वहां बनाया गया हैं, वह पंचाचत विभाग ने बनाया हैं, इसलिए उससे हमारा कोई संबंध नही हैं। इस बारे में पंचायत विभाग ही जवाब दे सकता हैं।

श्री भले रामः स्पीकर साहब, टूरिस्ट कम्पलैक्स ऐसे स्थानों पर बनाए जाने चाहिएं जहा पर सरकार को आर्थिक लाभ हो और लोागों को फायदा हो। कई ऐसे कम्पलैक्स हैं, जिनमें घाटा हो रहा है। स्पीकर साहब, गोहाना तहसील ऐसी जगह पर स्थित हैं जिसके आस–पास जींद, सोनीपत, रोहतक और पानीपत का ऐरिया लगता हैं ओरप वहां पर कोई टूरिस्ट कम्पलैक्स नही बनाया हुआ। एक बार मुख्य मं?ी जी वहां गए थे तो उन्होने यह वायदा किया था कि गोहाना में एक टूरिस्ट कम्पलैक्स बना देंगे। मैं मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि क्या गोहाना में टूरिस्ट कम्पलैक्स बनाने के बारे में सरकार की कोई प्रपोजल हैं?

श्री लछमन दास अरोड़ाः ऐसी कोइ प्रपोजल सरकार के जेरे गौर नही हैं। यदि माननीय सदस्य इस बारे में लिख करके भेजेंगे तो उस पर गौर किया जा सकता हैं।

श्रीमती चन्द्रावतीः स्पीकर साहब, मै आपके द्वारा मंत्री जी से जानना चाहती हें कि क्या जमीन बिना एक्वायर किए किसी व्यक्ति की जमीन पर टूरिस्ट कम्पलैक्स खोला जा सकता हैं?

श्री लछमन दास अरोड़ाः स्पीकर साहब, किसी भी प्राईवेट आदमी की कोठी किराए पर लेकर कम्पलैक्स खोला जा सकता हैं। अगरप परमानैंट कम्पलैक्स बनाना हो तो जमीन एक्वायर करनी पड़ती हैं।

ठाकुर बहादुर सिंहः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि सिरसा जिले में कितने टूरिस्ट कम्पलैक्स बनाए जा चूके हैं, कितने और कम्पलैक्स बनाने की प्रपोजल सरकार के विचारधीन है और जितने कम्पलैक्स बनाए हुए हैं उनकी क्या हालत हैं, वे घाअे में जा रहे हैं या फायदे मे हैं? अध्यक्ष महोदय, अभी मेंरे भाई भागी राम जी ओटू झील पर जो कम्पलैक्स बना हुआ हैं उसके बारे में एतराज कर रहे थे मेरा तो सिर्फ यही कहना हैं कि सिरसा में जिला हैडक्वाटर पर एक टूरिस्ट कम्पलैक्स बनाया हुआ हैं उसमें रिहायास का कोई प्रबंध नही हैं। इसी तरह से एक काला तीतर नाम का कम्पलैक्स बनाया हुआ हैं वह मेरे भाई श्री भागी राम जी के नेता के राज में बनाया गया था वह कम्पलैक्स घाटे मे चल रहा हैं उसका कोई फायदा नही हैं और न ही वह पब्लिक के यूज में आता हैं।(ाोर एव विघ्न) मै मंत्री जी से यह जानना चाहता हू कि क्या सरकार ने काला तीतर कम्पलैक्स के लिए कोई कमेटी बनाई है जो देखें कि

वह कम्पलैक्स ठीक तरह से चल सकता हैं या नही क्योंकि उसमें बहुत घाटा हैं? (ाोर एव विध्न)

श्री अध्यक्षः वीरेन्द्र सिंह जी आप कम से कम अपनी पार्टी के मैंम्बर्ज को समझाएं। यह मुझे देखना है कि माननीय सदस्य सप्लीमैंटरी पूछ रहे हैं या स्पीच दे रहे हैं। अगर वे अपनी सप्लीमैंटरी को ज्यादा लम्बी ले जायें तो मैं खुद उनको टोक सकता हूं। लेकिन आप सभी खड़े होकर यह कहें कि ये सप्लीमैंटरी पूछ रहे हैं या स्पीच दे रहे हैं, यह कोई बात नही हैं। आप सभी ने खड़े होकर हल्ला–गुल्ला भाुरू कर दिया हैं। ऐसा करना एम0एल0ए0 के लिए कोई भाान की बात नही हैं। मैं अभी यह सोच ही रहा ाि कि मैं उनको यह कहू कि आप सप्लीमैंटरी को इतना लम्बा न करें, आप अपनी सप्लीमैंटरी को छोआ करे लेकिन बात सभी एकदम खड़े हो गए और भाोर करना भाुरू कर दिया। मै यह पसंद नही करता।

ठाकूर बहादूर सिंहः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि काला तीतर में जो कम्लैक्स बनाया हुआ हैं वह बहुत घाटे में चल रहा है उसका कोई फायदा नही हैं क्या उसकी जांच करने के लिए सरकार ने कोई कमेटी मुकरर्र की है?

श्री लछमन दास अरोड़ाः स्पीकर साहब, यह बात ठीक हैं कि काला तीतर टूरिस्ट कम्पलैक्स बहुत घाटे में चल रहा हैं।

उसके कलए हमने दो–तीन आफिसर्ज की डियूटी लगी दी हैं। वे आफिसर्ज उसके मुताबिक फैसला करने अपनी राय सरकार को देगें। उसके बाद उसका फैसला किया जाएगा।

श्रीमती चन्द्रावतीः स्पीकर साहब, मैं यह सप्लीमैंटरी मुख्य मंत्री जी से पूछना चाहती हूं कि क्या किसी एम0एल0ए0 के किसी रि तेदार को डायरेक्ट फायदा पहुंचाने के लिए उसके खेत में टूरिस्ट कम्पलैक्स बनाया जा सकता हैं? ओटू झील पर जो कम्पलैक्स बनाया गया हैं यह पब्लिक की मनी मिसचूज किया गया हैं।(ाोर)

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, बहन जी बहुत सीनियर मैम्बर हैं। इनको यह पता होना चाहिए कि जब परमानैंट कम्पलैक्स बनाया जाता हैं जो उसके लिए जमीन एक्वायर करनी पड़ती हैं, इसमें कोई दो राय नही हैं। लेकिन यदि किसी आदमी का मकान किराए पर लेकर कम्पलैक्स खोला जाए तो उसके लिए जमीन एक्वायर करने की कोई आव यता नही हैं। ओटू झील पर जो कम्पलैक्स है, उसकी बिल्डिंग वहां की पंचायत ने किराए पर ले कर कम्पलैक्स खोला हैं। इसके अलावा मैं यह कहना चाहता हूं कि काला तीतर टूरिस्ट कम्पलैक्स चौधरी देवी लाल जी ने बनाया था। अध्यक्ष महोदय, वहां पर टूरिस्ट कम्पलैक्स बनाने का कोई मतलब नही था। वह कम्पलैक्स मेन रोड़ से डेढ दो मील दूर हैं। पता नही वहां पर कम्पलैक्स बनाने की चौधरी देवी लाल जी की क्या मं ाा थी। उस कम्पलैक्स में एक महीने

अन्दर एक भी आदमी के ठहरने की औसत नही हैं। पता नही चौधरी देवी लाल जी ने वहां पर इतना पैसा क्यों खर्च कर दिया। आज की सरकार ऐसे काम नही करती।

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, क्या बाती सभी कम्पलैक्स फायदे मे चल रहे हैं।

श्री अध्यक्षः आनरेबल मैम्बर्ज, अब क्वै चन आवर खत्म होता हैं।

नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्र नों के लिखित उतर

Cultivable Land

***76. Shiri Lachhman Singh Kamboj:** Will the Minister for Revenue be pleased to state—

(a) whether it is a fact that cultivable land of certain villages in the State has been rendered useless by river Yamuna or has come under it:

(b) if so, the total number of such village togetherwith the details of the steps, if any, taken to rehabilitate the affected persons; and

(c) the number of persons out of those referred to in part (b) above, who have actually been rehabilitated so far togetherwith the amount of compensation, if any, given to such persons as have suffered losses?

राजस्व मंत्री(चौधरी फूल चन्द):

(ए) जी नही।

(बी तथा सी): प्र न पैदा नही होता।

Bridge on Drain No.8 at village Titoli

***266. Sh. Hari Chand Hooda:** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state whether sanction for the construction of a bridge on drain no.8 at village Titoli of district Rohtak has been accorded; is so, the date by which the construction thereof is likely to be started?

लोक निर्माण राज्य मंत्री(चौधरी गोवर्धन दास चोहान): जी हां। निर्माण कार्य वित्त वर्श 1983–84 में भूरू किये जाने की सम्भावना हैं।

Discharge of polluted water of Yamuna Nagar Factories in tho the Western Jamuna Canal

***241. Master Ram Singh:** Will the Minister of State for Public Health be pleased to state—

(a) whether it is a fact that the polluted water released by various industries in Yamuna Nagar is discharged into the Western Yamuna Canal;

(b) if so, whether the said polluted water has resulted in insanitary conditions endangering the health of the inhabitants and health and lives of cattles of the villages

located on both sides of the Western Jamuna Canal such as Jabbal, Kanjnu, Radaur, Dhaulra, Khurdban; and

(c) if the reply to parts (a) and (b) above be in the affirmative the steps, if any taken or proposed to be taken to check the discharge of the said polluted water into the Western jamuna Canal?

जन स्वास्थ्य राज्य मंत्री (चौधरी लाल सिह):

(ए) जी हां

(बी) किसी मानव व प ा को कोई नुकसान नही पहुंचा हैं, यदपि प्रदूशण अवांछित हैं।

(सी) हरियाणा राज्य प्रदूशण निवारण एवं नियंत्रण बोर्ड चण्डीगढ़ ने यमुनानगर के बड़े–बड़े उन उद्योगो के विरूद्व जल प्रदूशण निवारण एवं नियंत्रण अधिनियम 1974 की विभिन्न धाराओं के अन्तर्गत सक्षम न्यायालयों में मुकदमे दायर किये हैं जो कि पि चमी यमुना नहर में बहिःस्त्राव का निस्सउण कर रहे हैं। इसके परिणाम स्वरूप कुछ उद्योगों ने अपने बहिःस्त्राव को ट्रीट करने के लिए निवारण संयत्र का निर्माण भ्रारू कर दिया हैं।

Foundation stones for the construction of Civil Hospitals in the State

***274. Master Shiv Parshad:** Will the Minister for Health be pleased to state—

(a) the names of the place, if any, in the State where foundation stones for the constructing of Civil Hospital were laid during the period from 1-1-80 to date; together with the date/dates on which the foundation stones were laid;

(b) whether any funds have been allocated for the construction of any of the Hospitals, referred to in part(a) above; if so, details thereof; and

(c) the names of the Hospital, if any, out of those referred to in part(a) above, the construction of which has been completed or is likely to be completed before 31-3-1983, separately?

स्वास्थ्य मंत्री (श्रीमती प्रसन्नी देवी):

(क) दिनांक 1—1—1980 से आज तक सामान्य अस्पताल, अम्बाला, खरहर सोनीपत, बी0के0 अस्पताल, फरीदाबाद और ग्रामीण हस्पताल, गुलहा के ि ालान्यस क्रमं । दिनांक 11—2—1980, 1—3—1980, 31—03—1980, 31—8—1981 और 16—5—1980 को किये गये।

(ख) उपरोक्त अस्पतालों के नये भवन निर्माण पर दिनांक 31—3—1982 तक अम्बाला मे 5.50 लाख, खरहर में 11.55 लाख और सोनीपत में 10.98 लाख रूपये खर्च किये गये। वर्श 1982—83 में अम्बाला के लिए 12.00 लाख रूपये, खरहर के लिए 2.00 लाख और सोनीपत के लिए 16.00 लाख रूपये की रा ि । एलोकेट की गई थी।

(ग) दिनांक 31—03—1983 से पूर्व सामान्य अस्पताल, खरहर के भवन के पूर्ण हो जाने की संभावना हैं।

Declaration of Tahsil Kaithal as District

***275. Shiri Nar Singh:** Will the Minister for Health be pleased to State—

(a) the number of persons/Firms granted licenses for the manufacture of medicines in the State during the period from 1-11-66 todate;

(b) whether any cases of manufacture of Sub-Standard or spurious medicines by the person/firms, referred to in part (a) above, have come into the notice of the Government; if so, the number thereof and the action, if any, taken against the guilty person/firms;

(c) whether the licenses of any of the person/firms, referred to in part (b) above were cancelled; and

(d) if so, whether any of the person/firms, referred to in part (c) above, were granted licenses again on their changing the names of their firms?

स्वास्थ्य मंत्री (श्रीमती प्रसन्नी देवी):

(क) 481

(ख) हां, 1419

2. संबंधित लाईसैंसिज के विरूद्व निम्नवर्णित कार्यवाही की गई हैं:—

1. मुकदमे दायर किए गए–3

2. संबंधित प्रोडक्टस के निर्माण के लिए लाईसैंसिज रद्द किए गए–77

3. लाईसैंसिज निलम्बित किए गए–4

4. चेतावनी दी गई–196

5. पार्टीज जिन को माल बेचा गया था से जो माल न बिका था वापिस निर्दे ा दिए गए।–1139

(ग) हां,6

(घ) नही।

अतारांकित प्र न एवं उतर

Payment of salaries to the privately managed Colleage Teachers.

***26. Prof. Sampat Singh:** Will the Minister of State for Education be pleased to State—

(a) the number of privately managed colleges in the State where teachers have not been paid their salaries for more than tow months; and

(b) the steps, if any, taken to ensure regular payment of salaries to the teachers referred to in part (a) above?

***Interim Reply**

The un-Starred Assembly Question No. 26 appearing in the list of Unstarred Questions on 10-03-1983 in the name of Prof. Sampat Singh, M.L.A. is not ready.

The reply will be submitted as soon as the relevant information has been collected.

Sd/-

State Minister Education

The Secretary,

Haryana Vidhan Sabha

Chandigarh.

U.O. No.39/6/83 Edu-1(2) Dated Chandigarh 9.3.83

Parity in pay scales of College D.P.Es and Teachers.

27. Prof. Sampat Singh: Will the Minister of State for Education be pleased to state—

(a) whether Librarians and D.P. Es. working in the colleges have been given parity in the matter of pay scales with college teachers by the U.G.C., and

(b) if so, the time by which the recommendation of the U.G.C., is likely to be implemented?

ि ाक्षा राज्य मंत्री (श्री जगदी ा नेहरा):

(क) हां–यू. जी. सी. ने लाईब्रेरियन/डी.पी.ईज. को प्रध्यापक ग्रेड 01.04.80 से निर्धारित येाग्यता रखने वालों को देने के लिए सहमति दे दी हैं।

(ख) यू. जी. सी. द्वारा निर्धारित योग्यता रखने वाले व्यक्तियों की योग्यता बारे छान–बीन की जा रही हैं। सं ाोधित वेतनमान छान–बीन उपरांत भीघ्र लागू कर दिए जाएंगे।

Grants released to M.D. University, Rohtak

28. Prof. Sampat Singh: Will the Minister of State for Education be pleased to state—

(a) the amount of grants released to M.D. University, Rohtak during the last five years;

(b) the amount out of the amount referred to in part (a) above granted for the construction of Buildings etc.; and

(c) whether the amount of the said grants has been utilised for the proposes for which it was allocated?

Interim Reply

The Un-starred Assembly Question No. 28 appearing in the list of Unstarred questions on the 10th March, 1983 in the name of Prof. Sampat Singh, M.L.A. is not ready.

The reply will be submitted as soon as the relevant information has been collected.

SD/-

State Minister Education

The Secretary,

Haryana Vidhan Sabha,

Chandigarh

U.O. No.47/18/83 EDU-I(6) dated the 7th March, 1983.

Closing of Irrigation department Circles

29. Prof. Sampat Singh: Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state—

(a) the number for circle of the irrigation Department, if any, which were closed during the last two years and the number of circles likely to be closed together with the reasons thereof;

(b) the number of employees retrenched as a result of closign of the circles referred to in part(a) above; and

(c) whether there is any proposal to absorb the retrenched employees referred to in part (b) above?

सिंचाई तथा बिजली मंत्री (चौधरी भाम ोर सिंह):

(क) पिछले दो वर्शों के कोई भी सर्कल बनद नही किया गया। कुछ सर्कल समाप्त करने का मामला सरकार के विचाराधीन हैं।

(ख) कोई नही।

(ग) प्र न उत्पन्न नही होता।

Tax Exemption to the Films

36. Smt. Basanti Devi: Will the Minister for Excise and Taxation be pleased to state—

(a) the number of films granted exemption f rom the payment of tax/taxes in the State since the formation of teh present Government in 1982 todate;

(b) the total amount of loss of revenue to the State Exchequer suffered on account of the exemption as referred to in part(a) above during the same period ;and

(c) whether any firm policy has been formulated by the Government to grant tax exemptions to the films; if so, details thereof?

आबकारी तथा कराधान मंत्री (श्री बृज मोहन):

(क) 11.

(ख) चूंकि जिन फिल्मों को छूट प्रदान की गई हैं उनमें से कुछ अभी तक प्रदर्शित नही की गई हैं, अतः इस स्टेज पर वासतविक हानि के आकड़े बताना संभव नही हैं।

(ग) छूट उन मनोरंजनों, फिल्मों सहित, प्रदान की जाती हैं जो भाान्ति तथा अन्तर्राश्ट्रीय सदभाव को बढावा देते हों या कला तथा खैल–कूद या किसी और जनहित को प्रोत्साहन देते हों। जहां तक फिल्मों को सम्बन्ध हैं इनके अक्सर 10 प्रिन्टस को एक सप्ताह के लिए छूट प्रदान की जाती हैं।

New pay scale for the employees of Boards and corporations.

37. Chaudhri Kulbir Singh Malik: Will the Minister for Finance be pleased to state—

(a) whether teh benefit of revised pay scales, applicable w.e.f. 1.04.1979, has been allowed to the employees of all the Boards and Corporations in the State which are owned or controlled by the Government; and

(b) if the reply to part (a) above be in the negative the names of such corporations/Boards whose employees have not been given the revised pay scales together with the reasons therefore and the time within which employees of such Boards/Corporations are likely to be allowed the benefit of revised scales of pay?

वित्त मंत्री (चौधरी कटार सिंह छोकर):

(क) हां, राज्य के अधीनस्थ सभी मण्डलो/निगमों के कर्मचारियों को सं ाधित वेतनमानों का लाभ दे दिया गया हैं। इस लाभ दे दिया गया हैं। इस लाभ से अभी तक वे लाभाविन्त नही हुए हैं जो कि अनुबन्ध–II में द र्ायें हैं। अनुबन्ध–I में ऐसी निगमों/मण्डलों जहां कि सं ोधित वेतनमानों का लाभ और जिस तिथि से यह लाभ दिया गया हैं, को द र्ाया गया हैं।

(ख) हरियाणा बुरीज को भारी मात्रा में इक्ट्ठी हुई वितीय हानि के दृश्टिगत उन्होने अपने कर्मचारियों को सं ोधित वेतनमानों का लाभी अभी तक नही दिया है। हरियाणा कृशि उधोग निगम तथा हरियाणा राज्य लघु उधोग एव निर्यात निगम लिमिटिड के कुछ तकनिकी कर्मचारी जिनका वेतन सं ोधन अभी तक नही किया गया हैं, वे या तो संकुचित वेतनमान ले रहे थे अथवा उनके सामान्तर पद हरियाणा सरकार मे नही थे। हरियाणा बुरीज के कर्मचारियों तथा हरियाणा सरकार में नही थे। हरियाणा बुरीज के कर्मचारियों तथा हरियाणा कृशि उधोग निगर/हरियाणा राज्य लघु उधोग एवं निर्यात निगम के बची हुई श्रेणियों के कर्मचारियो के वेतनमानों का स ोधन विचाराधरन हैं और ि घ्र ही किए जाने की सम्भावना है।

Annexure-I

Name of the Corporations	Date of

		revision of the pay scale
1		2
1	The Haryana State Cooperative Supply	1-4-79
2	Haryana Warehousing Corporation	1-4-81
3	Haryana Harijan Kalyan Nigam Ltd.	1-4-79
4	Haryana State Handloom & Handicrafts Corporation Ltd.	1-4-79
5	Haryana State Minor Irrigation(Tube wells) Corporation Ltd.	1-4-79
6	Haryana Land Reclamation & Development	1-4-79
7	Haryana Tourism corporation Ltd.	1-4-82
8	Haryana Backward Classes Kalyan Nigam Ltd.	Date of the constitution of the corporation during 1980-81.
9	Haryana Seeds Development Corporation Ltd.	1-4-79

10	Dairy Development Corporation	1-4-79
11	Haryana State Cooperative Development Federation Ltd.	1-4-79
12	Haryana Financial Corporation	1-4-79
13	Haryana Agro-Industries Corporation	1-4-79
14	Haryana State Small Industries & Export Corporation Ltd.	1-4-79
15	Haryana State Industrial Development corporation	1-4-79
Boards		
1	Haryana State Electricity Board	1-4-79
2	Haryana State Board for the Prevention & Control of Water Pollution.	1-4-79
3	Housing Board	1-4-79
4	Haryana State Social Welfare Advisory Board	1-4-79
5	Agriculture Marketing Board	1-4-79
6	Haryana State Khadi Gram Udhyog Board	1-4-79
7	Haryana Urban Development Authority	1-4-79

8	Haryana Education Board, Bhiwani	1-4-79
Banks		
1	Haryana State Cooperative Bank	1-4-79
2	Haryana State Cooperative Land Development Banks	1-4-79

Annexure-II

1. Haryana Breweries Ltd.

2. The following posts in the Haryana Agro Industries Corporation Ltd.

(i) Technical Posts in the Aviation Wing.

(a) Junior Mechanic

(b) Senior Mechanic

(c) Field Officer

(d) Agricultural Aircraft Engineer

(e) chief Aircraft Engineer

(f) Spray Pilot/Sr. Spray Pilot

(ii) Other Technical posts.

(a) Production Manager, Cattle Feed Plant Jind;

(b) Asstt. Chemist

(c) Lab. Chemist

(d) Jr. Food Technologist

3. Some technical posts of Haryana State Small industries & Export Corporation Ltd.

प्वायंट आफ आर्डर

क्षैत्रीय तथा जल विवाद सम्बन्धी रैजोल्यू ान को अस्वीकार करने सम्बन्धी

श्री बीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, आन ए प्वायंट आफ आर्डर। मैने दो लाइन का एक रैजोलयू ान दिया था जो इस प्रकार था–

"This House recommends that the 1970 award regarding territorial dispute between Punjab and Haryana and 1981 agreement regarding the water dispute may be fully implemented forthwith.

आपके आफिस की तरफ से उसका जवाब यह आया हैं कि रूल 174 के तहत यह रैजोल्यू ान एडमिट नही किया जा सकता, इसलिए यह डिस–अलाऊ किया जाता है। स्पीकर साहब, मैने रूल 174 सारा पढ लिया हैं। इसमें कही भी ऐसा नही है जिसके तहत यह रैजोल्यू ान डिस–अलाऊ किया जाए और जो मैने रैजोल्यू ान दिया हैं, उसमें भी ऐसी कोई खामी नही है जिसके बिना पर वह डिस–अलाऊ किया जाए।

Mr. Speaker: Rule 174 of the Rules of Procedure and conduct of Business in the Haryana Legislative Assemble reads as under:-

"In order that a resolution may be admissible, it shall satisfy the following conditions, namely:-

(a) it shall be clearly and precisely expressed, and shall raise substantially one definite issue;

(b) it shall not contain arguments, inferences, ironical expressions or defamatory statements, not shall it refer to the conduct or character of persons except in their official or public capacity;

(c) it shall not relate to any matter which is not primarily the concern of the State Government;

(d) it shall not relate to any matter which is under adjudication by a Court of Law having Jurisdiction in any part of India"

The resolution has, therefore, been disallowed because it did not meet the requirement of the Rule and it did not raise substantially on definite issue.

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, 1970 का जो अवार्ड है और 1981 का जो एग्रीमैंट है उसको लागू करवाने के बारे में यहा पर डिस्क ान होनी चाहिए। इस मामले पर सभी एजिटेटिड हैं and it is an important issue. इसमे सारे हरियाणा को इन्ट्रेस्ट हैं।

श्री अध्यक्षः गवर्नर एड्रेस पर भी इस मैटर को रेज कर सकते हैं तथा बजट आदि पर भी इस बारे में मैम्बर साहेबान अपने विचार रख सकते हैं।

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, यदि रैज्योल्यू ान पर बहस हो जाती हैं तो इस पर सारे हाउस की मोहर लग जाऐगी। इसमें विपक्ष को भी इन्ट्रेस्ट है जितना ट्रैजरी बैचिज का। इस पर हाउस के किसी भी मैम्बर को कोई एतराज नही हैं। हसलिए इस पर बहस होनी चाहिए।

श्री अध्यक्षः इसके साथ ही साथ मैं आपको यह भी बता देना चाहिता हूं कि इसी सम्बन्ध में अपोजि ान के दो सदस्यों की ओर से रूल 84 के तहत मो ान आया हैं जो एडमिट कर लिया गया हैं, उस मे से सारी बाते आ जाऐंगी। उस पर डिस्क ान होगी, उस समय आप बोल देना।

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, मेरी तो यही गुजारि ा है कि आप इसको एडमिट कर ले। आप बे ाक मुख्य मंत्री जी से पूछ लें। इस पर उनको भी कोई एतराज नही होगा।

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, मै बोलने के लिए आप से इजाजत चाहता हूं यह कहने के लिए मुझे माफ करे कि यह बहुत इम्पोर्टैन्ट मामला हैं। इसको यहा पर आप डिस्कस नही करने दे रहे हैं। इसमें हरियाणा की जनता का हित जुड़ा हुआ है। सारे हरियाणा के एम0एल0ए0 इसमें इन्ट्रैस्टिड हैं। कल भी मुख्य

मंत्री जी एक प्रस्ताव बगैर हमारे से पूछे ले आये थे। उसमें भी सारे हरियाणा का हित जुड़ा हुआ था। यदि ये उस प्रस्ताव के बारे मे पहले ही पूछ लेतम तो हम भी उसमें अपना योगदान देते। यदि ये उस प्रस्ताव के साथ हरियाणा की एक करोड़ 10 लाख जनता का हित जुड़ा हुआ था। यदि वह प्रस्ताव सबकी राय से हाउस मे लाया जाता तो उसका इमप्रै ान और भी अच्छा होता। इसलिए मेरी प्रार्थना है कि आप इसे एडमिट कर लें।

श्री अध्यक्षः आप मुझें एक बात बताएं कि कया मेरा हरियाणा के हित में इन्ट्रैस्ट नही हैं? क्या मैं हरियाणा का रहने वाला नही हूं?

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, मै आपको कुछ नही कह रहा।

श्री अध्यक्षः दूसरी बात मैं यह कहना चाहता हूं कि जब मैने रूलिंग दे दी हैं तो उसके बाद भी आप बोल रहे हैं। This is not fair.

श्री मंगल सैनः इस बारे में मेरी आपसे रिकवैस्ट है कि आप इस रैजोल्यू ान को एडमिट कर लें। We have the right to request you to review your dicision.

श्री हीरा नन्द आर्यः स्पीकर साहब, आपकी रूलिंग को कोई चैलेंज नही कर रहा।

Mr. Speaker: I have already given my ruling. the Hon'ble Member can raise this matter on other different occasion. there will be no more discussion on this now.

विभिन्न विशयों का उठाया जाना

मान्यता प्राप्त गैर–सरकारी स्कूल अध्यापकों की मांगो सम्बन्धी

चौधरी कुलबीर सिंह मलिकः स्पीकर साहब, मेरी एक काल अटैन ान मो ान टीचरों के सम्बन्ध मे थी।.. . . . .

श्री अध्यक्षः वह डिस–अलाऊ कर दी है और उसका जवाब आपको भेज दिया हैं।

प्रोफेसर सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, * * * * * * * * *

श्री अध्यक्षः मेरी इजाजत के बगैरप जो बोला जा रहा हैं, वह रिकार्ड न किया जाऐं।

प्रोफेसर सम्पत सिंहः * * * * * * * * * * * * * *

श्री अध्यक्षः मै इस तरह बोलने के लिए सब को तो नही कह सकता। लेकिन लीडरज आफ दि पार्टी को जरूर रिक्वैस्ट कर सकता हॅ कि वे अपने मैम्बरों को समझाएं कि हाउस में इन्हे इस तरह नही बोलना चाहिए। एक मैम्बर बोल रहा हैं और वह अभी अपनी बात को अपनी तरफ से पूरी भी नही कर पाया है कि ये बीच में बोलने लग गए। और वह भी वह मैम्बर जा अपने

आपको प्रोफेसर कहलाता हों। कुलबीर सिंह जी अपनी बात कह भी नही पायें कि व बगग्र परमि ान के बोलने लग गए।

Shri Verender Singh: We are sorry for that स्पीकर साहब, उन्होने तो इस इम्प्रै ान में बोलना भ्रारू कर दिया कि कुलबीर सिंह जी की बात खत्म हो गई हैं।

चौधरी कुलबीर सिंह मलिकः अध्यक्ष महोदय, सी0एम0 साहब दो–तीन बार कह चुके हैं कि मान्यता प्राप्त स्कूलों में काम करने वाले अध्यापकों को बराबर के ग्रेड दिए जाऐगें।

श्री अध्यक्षः उसका जवाब मैने आपको भेज दिया हैं। उस काल अटैन्ा ान मो ान को मैने डिस–अलाऊ की दिया है।

चौधरी कुलबीर सिंह मलिकः मेरे पास अभी तक कोई जवाब नही आया है।

श्री अध्यक्षः अगर अभी नही पहुंचा तो पहुंच जायेगा।

मास्टर ि ाव प्रसादः स्पीकर साहब, मान्यता प्राप्त स्कूलो मे काम कर रहे टीचरों को सरकारी स्कूलों में काम कर रहे अध्यापकों मे बराबर ग्रेड देने के बारे में सी0एम0 साहब ने कई बार आ वासन दिलाया हैं। लेकिन अभी तक सरकार की ओर से कुछ कार्यवाही नही की गई इस संबंध में जा काल अटैन्ा ान मो ान दिया गया हैं, उसको उनकी तरफ भी सरकार को ध्यान देना चाहिए।

श्री अध्यक्षः मास्टर जी, आप बैठिये। यदि कोई धरने पर बैठ जाये या किसी को कोई पेमैन्ट न मिले तो इसका यह मतलब नही कि उन सबके बारे मे काल अटैन्शन नोटिस एडमिट कर लिए जाए। इस संबंधस में जो काल अटैन्शन नोटिस आये हैं, वह मैने डिस अलाऊ कर दिये हैं। चेन फसस्ट्स, स्ट्राईक्स तथा धरना आदि इन मोशन का सब्जैक्ट नही बनती।

(ii) कौसली में किसानों के सम्मेलन में नुकसान पहुचांने सम्बन्धी

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, रोहतक के पास कोसला नाम के एक कस्बे के अन्दर किसानों का एक सम्मेलन 27.02.1983 को हो रहा था। उसके अन्दरप सारी अपोजिशन के लोग गए हुए थं। वहा पर एम0पी0 इन्द्रवेश भी आये हुए थे और जनता पार्टी के सदस्य यादव जी भी आये हुए थें। वहां पर जो लोग ट्रैक्टर या ट्रक लाये हुउ थे उनको नुकसान पहुंचाया गया। वहां पर एक ऊंट की टांग टूट गई थी। हमने पुलिस में रिपोर्ट भी दज्र कराई थी लेकिन पुलिस ने कुछ नही किया। इस संबंध में जो मेरी काल अटैन्शन थी, उसका क्या हुआ?

श्री अध्यक्षः यह आपकी काल अटैन्शन मेरे पास अभी तक नही पंहुची हैं मै इसका जरूर कन्सीडर करूगां।

श्री मंगल सैनः धन्यावाद सर।

(iii) अम्बाला भाहर मे गुरूद्वारा मंत्री साहब को घेरा डालने तथा वहा पर तनाव होने सम्बन्धी

Chaudhri Sahab Singh Saini: I have given a notice of adnournment motion regarding surrounding of Gurdwara Manji Sahib in Ambala City and the tenstion thereby caused among the people.

श्री अध्यक्षः यह मामला सब–जुडिस हैं। हाईकोर्ट मे केस चल रहा हैं। इसलिए मैने इनको डिस अलाऊ कर दिया हैं।

श्री कंवल सिंहः स्पीकर साहब, आज अखबार में आया हैं कि इस संबंध में जो अपील हाई कोर्ट में की गई थी वह रिजैक्ट हो चुकी है। इस गुरूद्वारे को जो कमेटी चलाती हैं उसके लिए एक रिसिवर नियुक्त किया गया था। पुलिस उसको भी अन्दर नही जाने दे रही हैं।

Mr. Speaker: I am very Sorry. I have disallowed it.

चौधरी साहब सिंह सैनीः झगड़ा यह है कि पुलिस उसको घेरे खड़ी है। झगड़ा यह नही हैं कि कोर्ट मे केस चल रहा हैं। वहां पर पुलिस सिविल ड्रैस में भी घूम रही हैं और लोगों को तंग कर रही है।

Mr. Speaker: I have disallowed you motion on the following grounds that:-

1. the motion is not supported by explanatory memorandum as required under rule 67(2) of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly;

2. the aggrieved party, if any, m ay seek remedy through the court of law; and

3. the subject-matter of the motion is relatedwith day-to-day administrative natrue.

चौधरी साहब सिंह सैनीः मैने जो मो ान दिया हैं उसके अन्दर सारी बाते लिखी हुई हैं।

श्री अध्यक्षः आप बैठिये। जितनी हमदर्दी गुरद्वारा के प्रति आपकी हैं, उतनी ही हमदर्दी मेरी भी हैं और मै धार्मिक स्थलों की पूरी इज्जत करता हूं। लेकिन यदि वहां पर ला एण्ड आर्डरप कि स्थिती खराब हो जाये और वहा पर लोग बरछे तथा भालै आदि लेकर मार काट पर उतर आये तो क्या पुलिस कुछ भी कार्यवाही नही करेगी? हवां पर दोनो पार्टियों में झगडा़ हो गया था जिस कारण पुलिस को हस्क्षेप करना पड़ा। मैने आपके उस नोटिस को डिस–अलाऊ कर दिया हैं and i have announced my ruling. there will be no further discussion on this.

(iv) मुख्यमंत्री के भाई द्वारा कथित जमीन हड़पने सम्बन्धी

प्रोफैसर सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, मै अस समय जो ा में बोल गया था, उसके लिए मैं आपसे माफी चाहता हूं। मैने जो अपनी काल अटैन्ा ान मो ान दी हैं उसके अन्दर मैने लिखा है कि मुख्य मंत्री के भाई ने वहां पर 10 करोड़ रूपये की जमीन हड़प ली हैं।(ाोर)

श्री अध्यक्षः अभी तक आपकी काल अटैन् ान मो ान मेरे पास आई नही हैं जब आयेगी तो उस समय उसको देख लूंगा।(ोर)

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): स्पीकर साहब, अभी इन्होने कहा हैं कि मैरे भाई ने कुछ जमीन हड़प ली हैं। ये सरासर गलत कह रहे हैं। यदि इनकी यह बात सच हो तो मै अस्तीफा दे दूंगा वरना यह इस्तीफा दे दें। (ोर)

प्रोफैसर सम्पत सिंहः मै आपका चैलेन्ज ऐक्सैप्ट करता हूं।

श्री वीरेन्द्र सिंहः आप पहले काल अटैन् ान मो ान का फैसला तो होने दें।(ोर)

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, ये सब लोगों को देवी लाल की तरह समझते हैं। सब लोगों को ऐसा ही समझते हैं जैसे औम प्रका ा काम किया करता था, या जैसे यह खुद किया करता हैं। (व्यवधान) अगर जमीन को हड़पने की बात साबित कर दे तो मै आज ही यहां से इस्तीफा दे दूंगा। (व्यवधान)

Shri Verender Singh: Sir, he is threatening the member. How can he do so? (Interruptions)

श्री मंगल सेनः स्पीकर साहब, मैं आपसे एक सबमि ान कर चाहता हूं। हमारे मुख्य मंत्री जी जरा टच्ची हो गये हैं और नाराज हो गये हैं। इनका कहना हैं उनकें भाई ने कोई भी जमीन

अलाट नही करवाई हैं। कोई नाजायज काम नही करवाया हैं। मै आपसे निवेदन करना चाहता हूं कि इनकी फैयरनैस के लिए हाउस की एक कमेटी बना दें ताकि इस बात का फैसला हो जाए।(व्यवधान)

चौधरी भजन लालः मै इस बात का चैलेंज करता हूं। यह भी इस्तीफा दे दें, मै भी लिखकर इस्तीफा दे देता हूं। यह क्या बात करते हैं।(व्यवधान)

श्री वीरेन्द्र सिंहः दोनों ही इस्तीफा दे दें। आप इन्क्वायरी कमेटी बनाये, आप भी इस्तीफा दिलवा देंगे।(व्यवधान)

श्री अध्यक्षः आप थोड़ा से डैकौरम रखें। जैसा कि मै पहले ही कह चुका हूं, अगर अनफांअडिड बाते कहनी भुरू हो जाऐ जिनका कोई सिर–पैर न हो तो अच्छी बात नही हैं। परसों भी श्री लछमन सिंह कम्बोज ने कहा कि चीफ मिनिस्टर के भाई ने जमीन ले ली। मै भी करनाल का रहने वाला हूं। मै उस गावं को अच्छी तरह से जानता हूं। अगर बात के पीछे कुछ फैक्ट्स हों तो आप जरूर कहें, किसी को स्पेयर न करें।(व्यवधान)

श्री वीरेन्द्र सिंहः ये थ्रैट कर रहे हैं। ये कैसे थ्रैट कर सकते हैं?(व्यवधान) ये थ्रैट नही कर सकते, एलीगै ान को रिफ्यूट कर सकते हैं।(व्यवधान) क्या आपके सामने ये किसी मैम्बर को थ्रैट कर सकते हैं। (व्यवधान)

श्री हीरा नन्द आर्यः स्पीकर साहब, इस मसले को हल करने के लिए आप हाउस की एक कमेटी–अप्वायंट कर दीजिए, फैसला हो जाएगा? (व्यवधान)

Mr. Speaker: Please take your seat. No further discussion on this matter, please. Now the Revenue Minister will make a statement on Call Attention Motions.

प्वायंट आफ आर्डर

श्री किताब सिंह, एम0एल0ए0 की कथित अवैध गिरफ्तारी आदि के तथ्य की तहकीकात करने के लिए सदन की एक समिति की नियूक्ति का सूझाव

श्रीमति चन्द्रावतीः आन ए प्वायंट आफ आर्डर, सर स्पीकर साहब, आपने मुझे उठने भी नही दिया और एजेंडे की दूसरी आइटम भाुरू कर दी। इससे पहले मै तीन–चार बार बोलने के लिए खड़ी हुई थी।(व्यवधान) जनाब, श्री किताब सिंह एम0एल0ए0 को पुलिस द्वारा पीटने की बात अभी तक लटक रही हैं, इसका जवाब अभी तक नही आया ।

श्री अध्यक्षः आप बैठ जाइए। (व्यवधान)

श्रीमति चन्द्रावतीः अगली बात यह है जनाब कि मैने एक काल अटैन्न ान मो ान दिया हुआ है। जिसमें श्री हुकम सिंह के भाई की बाबज जो इल्जाम लगाया हैं। उसके खिलाफ 62 गावों

की पंचायत हुई थी और यह पंचायत कौसली गांव में हुई थी और यह पंचायत कोसली गांव में हुई थी जिसने एक रैजोल्यू ान भी पास किया था। ढानी फोगट गांव का एक रामचन्द्र नाम का आदमी, जिसका ट्रैक्टर जला दिया गया।............(व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: अभी यह काल अटैन् ान मो ान मेरे पास नही आई, जब आ जायेगी तो मैं कंसीडर करूंगा।

श्रीमति चन्द्रावती: ठीक है जी। दूसरी बात यह है कि हमें चैम्बर में आ वासन दिया था कि लैंड ग्रैबिंग वाल मामल पर एक कमेटी मुकर्रर करेगे।

श्री अध्यक्ष: मैने ऐसा बिल्कूल नही कहा था। मैने कहा था सोचेगें।(व्यवधान)

श्रीमति चन्द्रावती: आपने सोचा है या नही?(व्यवधान) यह जो लैंड ग्रैबिंग के मामले वाली बात है इसके लिए एक कमेटी मुकरर्र कर दी जाए ताकि मुख्य मंत्री जी अपनी सफाई दे सकें। इसके अलावा जनाब, श्री किताब सिंह वाली बात के बारे में आपने क्या सोचा हैं।(व्यवधान)

Mr. Speaker: I have disallowed it.

श्री वीरेन्द्र सिंह: स्पीकर साहब, हमने नम्रता के साथ आपसे निवेदन किया था और आपने सोचने के लिए कहा था। यह एक ऐसा मामला हैं जिसमें मैम्बर्ज के राईटस इन्वाल्वड है क्योंकि

एक एम0एल0ए0 के साथ एन्क्रोचमेंट आफ राईटस हुआ हैं। इसमें इनको एतराज नही होगा इसलिए हाउस की एक कमेटी बना दी जाए। ठीक हैं, प्रिविलिज मौ ान तो आपने रिजैक्ट कर दी, लेकिन कम से कम एक कमेटी बना दी जाए जिसमें दो मैम्बर कांग्रेस पार्टी के हो ओर एक मैम्बर हमारा हो जाए ओर यह कमेटी आन दी स्पौट स्टडी करके अपनी फाइंडिग्ज दे दे।

श्री अध्यक्षः मैं सुबह ठीक 8 बजे यहां दफतर मे पहुंच गया था क्योंकि इस सिलसिले में मैने एडवोकेट जनरल और एल0आर को बुलाया हुआ था। हमने इस प्वायंट पर सारी किताबे पढ़ी हैं, और देखी है और उनसे डिसक्स किया हैं ताकि कोई वे–आउट निकाला जा सके लेकिन इसके साथ ही साथ जहां आप मैम्बर साहिबान अपने राइट्स को महसूस करते हैं वहा मेंरी भी एक जिम्मेदारी हैं। मै किताबों में जो प्रोसीजर ले–डाउन किया हुआ हैं, उससे बाहर नही जा सकता। इसलिए इन सारी चीजों को देखते हुए मैने इसकों डिसअलाऊ कर दिया है।

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, हम इसको रिव्यू करने के लिए परसिस्ट नही कर रहे। (व्यवधान)

श्री अध्यक्षः बात प्रोसीजर और ला की है। इसमें फैक्ट्स की बात नही हैं। फैक्टस की बात होती तो मै यह मामला कमेटी को भेज देता लेकिन इस केस में फैक्ट्स की बात नही हैं। ला एंड प्रोसीजर की बात हैं।

श्री वीरेन्द्र सिंहः यह इंसीडैंस है या नही, इसका रैफैंस तो दे दें।(व्यवधान)

श्री अध्यक्षः मै फैक्ट्स के ऊपर कुछ नही कहता। मैने ला एंड प्रोसिजर के ऊपर रिजैक्ट किया हैं। इस में कमेटी क्या करेगी?(व्यवधान)

श्री वीरेन्द्र सिंहः मै आप से यह कह रहा हूं कि a committee be constituted to find out the truth in the incident.

श्री अध्यक्षः मै आपको बार–बार यही समझा रहा हूं कि मैने फैक्ट्स के ऊपर नही बल्कि आने दी बैसिंज आफ दी प्वायंट आफ ला एंड प्रोसिजर के इसका डिसअलाऊ किया हैं।

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, प्रिविलिज मो ान तो आपने रिजैक्ट कर दी ठीक है, लेकिन अब एक कमेटी तो कांस्टीच्यूट कर दे ताकि वह कमेटी इन फैक्टस पर अपनी फाइंडिग दे। We are not presisting on this motion. We are saying that under the Rules of Procedure and Conduct of Business you have got sample powers to appoint an independent Committee to find out whether the allegations which the member has levelled are correct or not. This will be the scope of that committee and we will be satisfied.

श्री अध्यक्षः फर्ज करो मैं दो एम0एल0एज0 की कमेटी बना देता हूं और वह कमेटी अपनी रिपोर्ट दे दें तो what action can be taken on that report?

Shiri Verender Singh: You can take cognizance of this Report and i can satisfy you about it.

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहबए कल हमने आपसे प्रार्थना की थी और आपने इस बात को स्वीकार करेक हम पर कृपा की थी इस बात पर सोचेंगे। इस सिलसिले में आपने एडवोकेट जनरल और लीगल रिमैंबरैंसर को कसल्ट करने के लिए आज सुबह बुलाया। स्पीकर साहब, हमारा कंसरन इस में है और बार –बार आपसे रिक्वैस्ट कर रहे है कि एक कमेटी बना दी जाए। हमारी डिगनिटी और डैकोरम को प्रौटैक्ट करने वाल आप ही हैं। आपके होते हुए एक मैम्बर को टारचर किया जाता हैं और इस सूबे से बाहर ले जाया जाता हैं, यह कितनी गलत बात हैं।यह ठीक है अरैस्टस होती हैं, रोज होती है लेकिन एक स्टेट दूसरी स्टेट मे ले जाना, और उसको पे ाब भी न करे देना कितनी गलत बात हैं। पे ाब न कराने की वजह से उसको होस्पीटल में दाखिन होना पड़ा। स्पीकर साहब, चौधरी भजन लाल जी ने जेल नही देखी, इसी लिए रूल्ज आफ प्रोसीजर क्रिएट भी किए जा सकते हैं। आपके पास पावर्ज हैं, इन पावर्ज को इस्तेमाल करते हुए और आपके इन्साफ के रास्ते पर अगर कोई रूकावट हो, तो आप उसको स्वये दूर कर सकते हैं। इसलिए मेरी प्रार्थना है कि इसका स्वीकार कर लें।

श्री हीरा नन्द आर्यः स्पीकर साहब हम आपको बार–बार कश्ट दे रहे हैं। आप हमारी बात पर जरा गौर फरमायें। हम

आपसे केवल यह गुजारि ा कर रहे हैं कि मैम्बर को बापके सिवाए कोई भी प्रोटैक ान नही दे सकता। जैसा चौधरी वीरेन्द्र सिंह जी ने कहा कि आप हाउस के मैम्बरान की एक कमेटी को अप्वायंट करें, उस कमेटी को अप्वायंट करना आपके स्कोप में हैं। आपको ही अधिकार हैं। पहले आप उस मैम्बर की स्टेटमैन्ट ले लें, उसकी बात सुन लें। आप नये सिरे से इस बारे में गौर करके कम से कम उसकी बात तो सुन ले। (ाोर)

श्री अध्यक्षः यह तो आपकी बात ठीक है लेकिन यह एक बैड प्रेसिडैन्ट होगा कि पहले तो मै किसी बात को डिस–अलाऊ करूं और बाद में फिर उसे ही कन्टीन्यू कराऊं। यह अच्छा नही लगता।(ाोर)

श्री हीरा नन्द आर्यः स्पीकर साहब, क्या यह अच्छा लगता है कि एक विधायक को इस प्रकार से पीटा जाये और आप उस पर गौरप न फरमाये। इस तरह से काम नही चल सकता।(ाोर)

Mr. Speaker: No More discusstion now. I am very sorry that मैने बडी़ नर्मी से ओर बार–बार सोच कर यह फैसला दिया हैं हालाकि मैं इसे उस दिन भी डिस अलाऊ कर सकता था। (ाोर) आपने पहले दिन वाक आउट भी कर लिया लेकिन फिर भी आपकी बात मान कर दोबार मैने लीगल ल्यूमनरीज को कंसल्ट किया। सोरे केस को दोबारा स्टडी किया। अगर अब भी आपका कन्डक्ट यही हैं, तो मै क्या कर सकता हूं।

श्रीमती चन्द्रावती: आपको कन्डक्ट वाली बात नही करनी चाहिए। अगर हम आपके सामने अपनी सामने अपनी बात न कहें तो और किस के सामने कहें। गवर्नमैंट की तरफ से कोई स्टेटमैंट नही आई। आपसे हमारी यही गुजारि ा है कि फैक्ट फाईडिंग कमेटी मुकर्रर कर दें। हमारी तरफ से भी एक मैम्बर ले ले और रूलिग पार्टी की और से दो मैम्बर ले लें ताकि फैक्टस का पता लग सके।

श्री अध्यक्ष: अब आप बैठिए, मै इसे डिस अलाऊ कर चुका हूं। (व्यवधान) आप बराय मेहरबानी अपनी सीटों पर बैठ जाईये I have decided it once for all. I will not open this chapter again now.

(इस समय चौधरी किताब सिंह आपेजी ान के बैन्चिज के फ र्ा पर बैठ गये)

Revenue Minister (Chaudhri Phool Chand): Sir, I think they are not particular about any call attention motion and they are not serious to hear the statement that i have been asked to make.

श्रीमती चन्द्रावती: आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर। जिस आदमी को पीटा गया हैं कम से कम उसकी बात तो सुनिए।(ाोर)

श्री अध्यक्ष: बहिन जी, मैने सारी पार्टी के मैम्बरान की बात सुन ली हैं और वह भी एक बार नही दो दफा सुनी हैं।

दूसरी बात यह हैं कि जब मैने रूलिंग दे दी तो फिरप आप उसी बात को लेकर खड़े हो जाते हैं। क्या स्पीकर की रूलिंग को चैलेन्ज नही हैं।(ाोर) किताब सिंह जी को समझझइये कि व अपनी सीट पर बैठैं। (व्यवधान व ाोर)

श्रीमती चन्द्रावतीः जनाब, हम आपकी रूलिंग को चैलेन्ज नही कर रहे हैं। एक एम0एल0ए0 को अपनी बात कहने का तो हक हैं। उसकी बात तो आपको सुननी चाहिए। (इस समय कई मैम्बर खड़े हो कर बोलने लग गये जो रिकार्ड न किया गया।)

श्री अध्यक्षः यह कोई भी बात रिकार्ड नही करनी हैं।(ाोर)

श्रीमती चन्द्रावतीः स्पीकर साहब, मेरी आपसे एक सबमि ान है कि किताब सिंह को टोरयर किया गया, पीटा गया। कम से कम एक बार आप उनकी बात तो सुन ले।(ाोर)

श्री अध्यक्षः पहले आप किताब सिंह को अपनी सीट पर बिठाईये।(व्यवधान व ाोर)

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, आपने वाजह फरमाया कि आपने एक बार नही, दो–तीन बार रूलिंग दे दी। आपने हमे चैम्बर में भी सुना लेकिन उसके बावजूद भी एम0एल0ए0 एजिटेटिड है। इसलिए आपको हमारी कुछ नाराजगी को भी समझना चाहिए। मुख्य मंत्री जी ने तो पुलिस को लाईसैंस दे दिया हैं कि जिस एम0एल0ए0 को चाहें ह्यूगमिलेट कर दे। इस तरह से ह्यूमिलेट

हो कर कोई भी एम0 एल0 ए0 असैम्बली में बैठनक के लिए तैयार नही हैं। लेकिन आप जिस ढंग से हाउस को चला रहें है वह काबिले तारिफ हैं।

(इस समय चोधरी किताब सिंह अपनी सीट पर जा कर बैठ गये)

वक्तव्य–

राजस्व मंत्री द्वारा सूखे तथा ओलावृश्टि के कारण हुई हानि के लिए मुआवजा देने सम्बन्धि

श्री अध्यक्ष: आनरेबल मैम्बर्ज, रैवेन्यू मिनिस्टर साहब ने श्री निहाल सिंह श्री हीरा नन्द आर्य तथा श्री राम विलास भार्मा के काल अटैन ान नोटिसिज पर स्टेटमैंट देने के लिए कहा था। इसलिए अब रैवेन्यू मिनिस्टरप साहब अपनी स्टेटमैंट दे सकते हैं। (व्यवधान)

Revenue Minister (Chaudhri Phool Chand): As per standing practice the damage is being assessed by means of girdawari and on completion of the same the actual quantum of loss will be known whereafter relied by way of Suspension/ Remission of land Holdings tax and abiana deferment of loans and other assistance will be considered keeping in view the past practice in this regard.

Ten villages of Nangal Chaudhry block, Tehsil Narnaul, District Mahendragarh were affected by hailstorms on 24.02.1983 in varying degrees. It is, therefore, incorrect to

say that the entire rabi cop in this block has been destroyed by hailstorms. No Hailstorms are reported to have occurred on 24.01.1983 in district Mahandragarh. A total of 47 village were affected by hailstorms in Bhiwani District on 24.02.1983 including Alampur and Kural. Similarly between January and March to-date nine villages in Hissar District and four villages in Kurukshetra district are also reported to have been affected.

प्वायंट आफ आर्डर

श्री किताब सिंह एम0एल0ए0 की कथित अवैध गिरफ्तारी आदि के तथ्य की तहकीकात करने के लिए सदन की एक समिति की नियुक्ति सम्बन्धी (पुनरारम्भ)

11.00 बजे

श्री मंगल सैनः * * * * * ** *(व्यवधान व भाोर)* * * * * ** *(व्यवधान व भाोर)..... वैसे तो आपका वे आफ कंडक्टिग दी हाउस बड़ा एप्रीि ाएबल हैं। आपने तसे हर मामले में कमाल कर दिया। मेरी आपसे सबमी ान है कि आप इनके ऊपर प्रिवेल अपौन कीजिए। आप इनको समझाइयेगा कि इनाक क्या बिगड़ता हैं। जो पुलिस वाला इनको हरियाणा से बाहर ले गया था, क्या वह इनके कहने पर ले गया था। अगर इनके कहने पर नही ले गया था, जो उसको सजा देने में क्या एतराज है।(व्यवधान व भाोर) उसके विरूद्व एक ान लेने में इनको क्या एतराज

हैं।(व्यवधान व भाोर) इस बारे में आप तथ्य जानने के लिए हाऊस की एक कमेटी नियुक्त कर दें।

श्री अध्यक्षः आप फिरप वही मामला रेज़ करप रह हैं जो क्लोज हो चुका हैं मैने कल आपका सारी डिटेल में बता दी थी। इसलिए मैं आपसे यह बार–बार कह रहा हूं कि आप यहां का जो डैकोरम तथा जो प्रोसीजर हैं, उसको भंग न करें। मेरी सिम्पथी सदा ही अपोजि ान के साथ हैं और वह तभी जारी रह सकती हैं अगर आप मुझे कोओप्रेट करेंगे अगर आप इसी किस्म का माहोल पैदा करेंगे तो I shall have to be strict according to the procedure. अब तक तो मैने आपकों ट्रैजरी बैंचिज से भी ज्यादा टाईम दिया हैं और आपकी बात को मान कर चल रहा हूं।

Shrimati Chandrawati: This is so good of you, Sir.

श्री अध्यक्षः लेकिन यह माहौल जो आज आपने क्रिएट किया हैं, यह दिखाकर आप मुझे मजबूर करते हैं कि I should go according to this book. I would request you again not to create such an atmosphere. मैने जो रूलिंग दी हैं वह अटल है ओर फाईनल हैं। I will not change it and i am very sorry for that.

श्री कंवल सिंहः आन ए प्वायंट आफ आर्डर, सर। स्पीकर साहब, आप हमारी बात सुन तो लिजिए (व्यवधान व भाोर)

Mr. Speaker: Please sit down. I will not listen anything which is not relevant. (Interruption and Noice). No further discussion will be allowed on this subject.

श्रीमती चन्द्रावतीः आन ए प्वायंट आफ आर्डर, सर। स्पीकर साहब, आपने कहा था कि आप किताब सिंह को बोलने के लिए समय देंगे। (व्यवधान व भाोर) आपने यह कहा था कि इनको आप सीट पर बिठा दें, मैं इनको इजाजत दूंगा। (व्यवधान)

श्री अध्यक्षः मैने यह तो नही कहा कि मैं इनको वक्त दूंगां मैनें तो यह कहा था कि आप इनको सीट पर बिठाईये। आप से मैने यह नही कहा था कि मैं इनको बोलने के लिए वक्त दूंगा।

श्रीमती चन्द्रावतीः *******(व्यवधान व भाोर)

Mr. Speaker: There will be no more discussion on this subject.

वक्त्वय

राजस्व मंत्री द्वारा सूखे तथा ओलावृश्टि के कारण हुई हानि के लिए मुआावजा देनें सम्बन्धी (पुनरारम्भ)

Mr. Speaker: Now, the Hon. Revenue Minister may please resume his statement.

Chaudhri Phool Chand: Sir, I have already read out the Statement upto para 2. It further reads—

3. Geographically Haryana is situated in an area which is prone to hailstorms at this time of the year. Hailstrorms tend to occur throughout the State from about the

3rd week of February upto the 1st week of April, thereby affecting the maturing Rabi crops. This fact is borne out by the occurrence of hailstorms at approximately the same time of the year for the last three to four year during which a large amount of gratuitous relief has been paid.

4. Under the circumstances the full picture of damage, whether in Nangal Chaudhary block or for the State as whole will only emerge after the girdawari is over and the crops are ripe for harvesting. It would not be desirable for Government to proceed in the matter of affording compensation for corps damaged in a piecemeal manner since a policy decision has to be taken for the State as a whole.

(b) DROUGHT

5. The late on-set and early withdrawal of monsoons during the Kharif 1982 season resulted in drought condition in 7 districts of the State, namely, Hissar, Bhiwani, Gurgaon, Faridabad, Rohtak, Mahenderagarh and Jind. This was the fourth consecutive drought during Kharif season in many parts of these districts and the crop loss resulted in much hardship to the farmers.

6. The lack of soil moisture in the rain-fed area of the State affected the Rabi sowings to the extent that there was shrinkage in area particularly under gram crop. In order to improve sowing conditions at the beginning of the Rabi season water was diverted from the Western Yamuna Canal and Bhakra System to the Lift-Irrigation System to bring large areas under gram and oilseeds in the south western district. (Interruptions & Noise) similarly the electricity supply to

tubewells was raised to 10 hours daily by redacting to it 6 hours in districts such as Karnal and Kurukshetra.

सस्पैं ान आफ सिंटिंग

श्रीमती चन्द्रावतीः आन ए प्वायंट आफ आर्डर, सर। देखिये जनाब, हरियाणा को आप यू0पी0 मत बनने दीजिए। वहा तो एम0एल0ए0 को भूट कर दिया जाता हैं। हम तो केवल यह चाहते हैं कि आगे से कोई भी एल0एल0ए0 के ऊपर हाथ न उठाने पाए। (व्यवधान व भाोर)।

श्री अध्यक्षः आप कौन से रूल के मुताबि बोल रही हैं।

Chaudhri Phool Chand: This point does not arise out or the statement, Sir. (Interruption & Noise)

श्रीमती चन्द्रावतीः सर मैं प्वायंट आफ आर्डर,पर बोल रही हूं। मेरा प्वायंट आफ आर्डर यह है कि श्री किताब सिंह एम0एल0ए0 को पीटा गया हैं। (व्यवधान व भाोर) * * * * * * ** (व्यवधान व भाोर)।

श्री अध्यक्षः मुझे बड़े अफसौस के साथ यह कहना पड़ रहा हैं कि मंत्री महोदय काल अटैन्- ान मो ान का जवाब दे रहे हैं और आप लोग यहां पर भाोर मचा रहे हैं।(व्यवधान व भाोर)

श्रीमती चन्द्रावतीः सर, आपको हमारी बात सुननी चाहिए। हम आपके पास अगर अपने अधिकारों की रक्षा के लिए

नही आएंगे तो किसके पास जाऐगे।(व्यवधान व भाोर) * * * * * * * ** (व्यवधान व भाोर)।

Mr. Speaker: Hon'ble Revenue Minister may please resume the statement.

Chaudhri Phool Chand: Similary, the electricity (Noise and Interruptions).

(At this stage Shri Kanwal Singh and some other Members of the Opposition again started speaking without permission on the again of Shri Kitab Singh M.L.A. and there was great noise and when asked by the Chair to resume their seats, they did not do so. Rather some of them came and sat near the Table of the House).

Mr. Speaker: The House is adjourned for 15 Minutes.

(The Sabha then adjourned for 15 minutes and re-assembled at 11.24 a.m.)

वक्त्वय

राजस्व मंत्री द्वारा सूखे तथा ओलावृश्टि के कारण हुई हानि के लिए मुआावजा देनें सम्बन्धी (पुनरारम्भ)

Mr. Speaker: Hon'ble Revenue Minister any please resume his statement.

Chaudhri Phool Chand: I have already read out the statement upto paragraph 6. Now i will start from paragraph 7.

7. My Government is fully conscious of difficult conditions prevailing in the south-western districts of the State particularly Bhiwani, and Mahendragarh and our heart-felt sympathies are with the farmers. In order to tackle this situation, a comprehensive memorandum was presented to the Government of Indian for advance planed assistance and I am happy to state that they have given an assistance of Rs. 11.82 crores for meeting this difficult situation. Out of this, an additional provision of Rs.2.39 crores has been made for subsiding agricultural inputs for small and marginal farmers, Rs.2.53 crores for drinking water supply in problem villages, Rs.2.87 crores for extending irrigation facilities in drought affected area, Rs.2.25 crores for the conversion of shout-term co-operative loans into medium-terms loans and Rs.1.28 cores for roads and other village-level works and Rs.50 lakhs for safe-guarding animal health. besides this, the State Government has also issued instructions for the suspension/remission of land holding tax and abiana on the basis of 'Kharaba"recorded in the 'girdawari'

8. I would like to take this opportunity to assure the house that every possible efforts is being made by the State Government to alleviate the sufferings of the area affected during the previous Kharif. We are really fortunate that timely and abundant rain-fall from late December has

materially brightened the Rabi prospects and many farmers who were unable to sowgram, have been able to go in for late varieties of wheat.

9. I may again assure the House that the situation will be closely watched and whatever further assistance is required will be made available on top priority basis.

चौधरी मनफूल सिंहः स्पीकर साहब, अक्सर लोगों की यह ि ाकायत रहती हैं कि जब वोट मांगने के लिए आते है तो हिन्दी में वोट मांगते है ओर हाउस में अंग्रेजी बोलना आरम्भ कर देते हैं और आम लोगो कों अग्रेजी भाशा समझ मे नही आती। इसलिए मेरी प्रार्थना है कि इसका हिन्दी में भी पढा जाए।

श्री अध्यक्षः मंत्री महोदय, स्टेटमैंट हिनदी में पढ़ दें।

(क) ओलावृश्टि

1. जिला महेन्द्रगढ की तहसील नारनौल के ब्लाक नागल चौधरपी के 10 गांव दिनांक 24.02.1983 को हुई औलावृश्टि से विभिन्न स्तरो ं तक प्रभावित हुए। अतः यह कहना गलत है कि इस ब्लाक में औलावृश्टि से तमाम रबी की फसल नश्ट हो गई हैं। जिला महेन्द्रगढ़ में दिनांक 24.01.1983 को औलावृश्टि की रिपोर्ट नही हैं। जिला भिवानी मे दिनांक 24.02. 1983 को हुई ओलावृश्टि से आलमपुर व कुराल सहित कुल 47 गाव प्रभावित हुए थे। इसी प्रकार मास जनवरी से मार्च तक जिला

हिसांर के 9 गांव तथा जिला कुरूक्षैत्र के चार गांव ओलावृश्टि से प्रभावित हुए है।

2. चालू प्रथा के अनुसर गिरदावरी द्वारा नुकसान आंका जा रहा हैं तथा इसके पूर्ण होने पर नुकसान की वास्तविक स्थिती का पता चल जाएगा जिसके प चात लैंड होल्डिंग टैक्स के निलम्बन/मुआफी, ऋण वसूली स्थगन तथा अन्य सहायताओं द्वारा राहत देने बारे पूर्व प्रथाओं को ध्यान में रखतें हुए विचार किया जाऐगा।

3. भौगोलिक दृश्टि से हरियाणा ऐसे क्षैत्र मे स्थित है जहां वर्श के इस समय में प्रायः ओलावृश्टि होती रहती हैं। फरवरी के तीसरे सप्ताह से लेकर अप्रैल के प्रथम सप्ताह तक ओलावृश्टि की सारे राज्य में होने की सम्भावना बनी रहती हैं जिससे पकती हुई रबी की फसल पर प्रभाव पड़ सकता है। पिछले तीन चारप वर्शो में वर्श के लगभग इस ही समय में होनी वाली ओलावृश्टि को देखते हुए इस तथ्य की पुश्टि हो जाती हैं जिसके लिये काफी धनरा ि ा राहत के रूप में दी गई है।

4. ऐसी परिस्थितियों में नूकसान का पूरा नक ाा चाहे यह नागल चौधरी ब्लाक का हों, चाहे सारे राज्य का तभी स्पश्ट हो सकता हैं जब गिरदावरी पूर्ण हो जाए और फसलें कटने हेतू पक जायें। यह सरकार के लिये उचित नही होगा कि बार–बार

आि ाक रूप में अनुदान देने हेतू कार्यवाही करें क्योकि सारे राज्य के लिये एक ही नीति निर्धारित करनी पड़ती हैं।

(ख) सूखाः

5. खरीफ 1982 के समय वर्शा के देर से आरम्भ होने तथा भीघ्र ही समाप्त हो जाने के फलस्वरूप राज्य के सात जिलों हिसार, भिवानी, गुड़गाव, फरीदाबाद, रोहतक, महेन्द्रगढ़ तथा जीन्द में सूखे की स्थिती उत्पन्न हो गई। इन जिलो के कई भागों में यह खरीफ में निरन्तर पड़ने वाला चौथा सूखा था ओर फयलों को हानि होने से किसानों को काफी कठिनाइयां हुई

6. राज्य के वर्शा पर निर्भर क्षैत्रों में भूमि में नमी की कमी के कारण रबी की फसल वि ोशकर चनों की फसल के बीजाई के क्षैत्र में कुछ सीमा तक कमी आई हैं। रबी की फसल की बीजाई के समय, बिजाई की स्थिती सुधारने के लिये, ताकि दक्षिण पंि चमी यमुना नहर तथा भाखड़ा सिस्टम को पानी लिफट सिंचाई स्कीम में डाल दिया गया ाि। इसी प्रकार करनाल तथा कुरूक्षेत्र जैसे जिलों में बिजली सप्लाई में कटौती करके 6 घंटे प्रतिदिन की गई ताकि इन क्षेत्रो में टयूबवैलों को प्रतिदिन 10 घंटे बिजली उपलब्ध की जा सके।

7. मेरी सरकार राज्य के दक्षिण पि चम वि ोशकर भिवानी तथा महेंन्द्रगढ़ जिलों की कठिन स्थित के बारे में पूर्ण रूप से जागृत हैं तथा हमारी हार्दिक सहानुभूति किसानों के साथ

हैं। इस समस्या को हल करने के लिए भारत सरकार को अग्रिम योजना सहायता हेतू एक विस्तृत ज्ञापर प्रस्तुत किया गया था और मैं यह कहने में प्रसन्नता अनुीाव करता हूं कि उन्होने हमें इस कठिन स्थिति से निपटने हेतू 11.82 करोड़ रूपये की सहायता दी हैं। इसमें से लघु तगि सीमान्त किसानों को सस्ते भाव पर फर्टीलाईजर आदि उपल्बध करवाने हेतु 2.39 करोड़ रूपये को अतिरिक्त प्रावधान किया गया हैं, समस्या–गावों में पीने के पानी की योजनाऔ के लिए 2.53 करोड रूपये, सूखग्रस्त क्षैत्रों में सिचाई सुविधायें उपलब्ध करवाने हेतू 2.87 करोड रूपये, अल्प–अवधि सहकारिता ऋण को मध्यम–अवधि ऋण में बदलने हेतू 2.25 करोड रूपये, सड़को तथा गांव–स्तर कार्यो के लिये खर्च कार्यो के लिए रूपये 1.28 करोड तथा 50 लाख रूपये प ुाओं के स्वास्थय आदि पर खर्च के लिये हैं। इसके अतिरिक्त राज्य सरकार ने गिरदावरी में दिखाए गए खराबा के आधारप पर लैंड होल्डिंगज टैक्स तथा आबियाना के निलम्बन मुआफी के लिये हिदायतें जारी कर दी हैं।

8. मे सदन को इस अवसर पर वि वास दिलाना चाहूंगा कि पिछली खरीफ के दौरान प्रभावित क्षेत्रों के लोगों के कश्टों के निवारण हेतू सरकार हर सम्भव कोि ा ा कर रही हैं। हम भाग्य ाली है कि दिसम्बर के अन्त समय पर और काफी मात्रा में वर्शा होने के कारण रबी के उत्पादन में काफी सीमा तक सुधार हुआ हैं तथा कई किसान जो चने की फसल की बुआई

करने में असमर्थ रहें, गेहूं की देर से बोई जाने वाली किस्म की बीजाई करने में सफल हुए हैं।

9. मै पुनः इस सदन को वि वास दिलाता हूं कि स्थिती का पूर्ण ध्यान रखा जायेगा तथा जिस प्रकार की सहायता की आव यता प्रतीत हुई, परम अग्रता के आधार पर दी जाऐगी।

श्री हीरा नन्द आर्यः क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि पिछली बार जो ओलावृश्टि से किसानों का नुकसान हुआ था उसका सारा मुआवजा दे दिया गया है? स्पीकर साहब, मंत्री महोदय ने बताया है कि पिछले चार पांच साल से कुछ हिस्सों में कहत पड़ता आ रहा हैं मंत्री महोदय बताने की कृपा करेगें कि क्या उन एरियाज में सरकार तकावी लोन वगैरह राइट आफ करने के बारे में विचार करेगी क्योंकि वे लाग लोन वापिस करने की स्थिती में ही नही हैं?

चौधरी फूल चन्दः अध्यक्ष महोदय, माननीय मैम्बर ने पूछा है कि पिछली बार जहां पर औले पड़े थे क्या वहां पर मुआवजा बांटा गया हैं ? अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि पिछले वर्श ओलावृश्टि से क्षति के कारण जो जिलों से मांग आई थी वह कूल 14 करोड़, 5 लाख, 84 हजार 360 रूपये थी और सरकार ने 12 करोड़, 36 लाख, 37 हजार 925 रूपये डिप्टी कमि नर्ज की डिस्पोजल पर रखे थे। इसमें से काफी रूपया तो बांट दिया गया है लेकिन कई कारणों की वजह से

जैसे कोई आदमी नही मिला, कई दफा कोई झगड़ा होता हैं 69 लाख, 15 हजार 279 रूपया देना बकाया हैं। अध्यक्ष महोदय, जहां तक सूखे काक सम्बन्ध हैं, उस बारे में मैं सदन को बताना चाहता हूं कि जिस प्रकार के आकड़ें सरकार को उपलब्ध होते हैं, उसी के अनुसार ही कार्यवाही की जाती हैं। इस बारें में काफी केस डी0सीज0 के पास अनडिसपोज्ड् पड़े हुए हैं। वैसे गिरदावरी के आदेश भी दे दिये गये है, इससे यह देखा जा सकता हैं कि किस–किस का कितना–कितना और कहां–कहां नुकसान हुआ हैं। कर्जा माफी को जह्य तक ताल्लूक है, सरकारी तौरप पर जहां कही सूखे की स्थिती हो जाती हैं, वहां पर उसकी वसूली की अवधि बढा दी जाती हैं और लेण्ड रैवेन्यू माफ कर दिया जाता हैं। ऐसी हिदायतें सरकार की तरफ से दी गयी हैं। एक तो सूखा पड़ा और दूसरा बरसात न होने के कारण हालाज बहुत खराब हो गयें जिसके कारण लोगों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। हमारी सहानुभूति किसानों के साथ हैं। इसी कारण से बरबादी वाले इलाकों में लोगो को काफी राहत दी गयी हैं और दी जा रही हैं।

श्री राम बिलास भार्मा: अध्यक्ष महोदय, मैने अपने काल अटैन ान नोटिस के द्वारा सरकार के नोटिस में यह बात लाई थी कि 24.01.1983 को महेन्द्रगढ़ जिले के कुछ गांव सैलांग, अकौदा, नोटाना, पोटा सयाना, बस्सी और खेरपी वगैरह में औलावृश्टि से लोगों का बहुत नुकसान हुआ हैं लेकिन मंत्री महोदय ने अपने

जवाब मै यह बताया कि जिला महेन्द्रगढ़ में दिनांक 24.01.1983 को औलावृश्टि से तमाम रबी की फसल नश्ट हो गयी हैं। मै आपके द्वारा इनसे यह पूछना चाहता हू कि इन्होने किस बिनाह पर यह कह दिया कि महेन्द्रगढ़ जिले के इन गावों मे औलावृश्टि के कारण कोई नुकसान नही हुआ है?

चौधरी फूल चन्दः अध्यक्ष महोदय, मैने अपने जवाब में यह कहा हैं कि जिला महेन्द्रगढ़ की तहसील नारनौल के ब्लाक नांगल चौधरी के 10 गांव दिनांक 21.01.1983 को औलावृश्टि से विभिन्न स्तरो तक प्रभावित हुए। अतः यह कहनाा गलत है कि इस ब्लाक में औलावृश्टि से तमाम रबी की फसल नश्ट हो गयी है। जिला महेन्द्रगढ़ मे दिनांक 24.01.1983 को औलावृश्टि की कोई रिपोर्ट नही है, फिर भी हमने वहां की गिरदावरी के आदे ा दे दिए हैं जहा कही भी नुकसान का मामला ध्यान में आएगा वहा पर हम लोगों को पूरा मुआवजा देंगे।

श्री निहाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, मिनिस्टर साहब ने बताया कि जहां–जहां ऐसा नुकसान हुआ हैं, वहां के लोनज ससपेन्उ किए जाएगें और उनमो आगें के लिए मुतलवी किया जाएगा। मै इन से यह पूछना चाहता हू कि जो को–आपरेटिव लोन्ज हैं क्या उनको भी सरकार सस्पैन्ड करने का विचार रखती हैं?

चौधरी फूल चन्दः अध्यक्ष महोदय, मैने बताया कि जो भाार्ट टर्म लोन्ज हैं, उनको इसी क्षैत्र में सरकार ने मिडियम टर्म लोन्ज में कंवर्ट कर दिया हैं और इसके अलावा और भी राहत के कार्य किए जा रहे हैं। इसके अलावा जैसा कि मैने बताया कि खराबा के आधार पर आबयाना की मुआफी के लिए हिदायतें जारी कर दी हैं।

श्री हीरा नन्द आर्यः स्पीकर साहब, कई ऐसे किसान भी हैं जिन्होने नहर के पानी की बजाए अपने ट्यूबवैल के पानी से खेती की हो और उनकी फसल भी औलावृश्टि या दूसरे कारणों से 50 प्रति ात से अधिक खराब हो गयी हैं। चूंकि ऐसे किसानों को अपने ट्यूबवैल–चलाने की वजह से लगभग 10 गुणा बिजली का काफी खर्चा पड़ा हैं, क्या दूसरे किसानों की तरह बिजली के बिलों की अदायगी से माफी दी जाएगी? क्या ऐसी स्कीम सरकार के विचाराधीन हैं?

चौधरी फूल चन्दः स्पीकर साहब, ऐसी कोई सरकार की नीति नही है, हम तो केवल मालिया ही माफ कर देते है।

श्री राम बिलास भार्माः स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से रैवन्यू मिनिस्टर साहब से यह पूछना चाहता हूं कि किसानो को जो नुकसान का मुआवता दिया जाता हें, वह किस क्राइटेरिये को ध्यान में रखते हुए दिया जाता हैं? किस परसैन्टेज के हिसाब से

दिया जाता हैं? इसके साथ ही मै यह भी जानना चाहता हू कि साथ में प ाुओं के चारे के बारे मे सरकार क्या करने जा रही हैं?

चौधरी फूल चन्दः स्पीकर साहब, मै आनरेबल मैम्बर साहब को यह बाताना चाहता हूं कि जहां पर 75 परसैन्ट या इससे ज्यादा का नुक्सान होता हैं, वहां पर हम 400 रूपय प्रति एकड़ के हिसाब से मुआवजा देते हैं। जहां पर 50 से 75 के बीच नुकसान होता हैं, वहां पर हम किसानो को 300 रूपये प्रति एकड़ के हिसाब से और जहां 25 से 50 परसैन्ट तक नुकसान होता है, वहां पर हम 200 रूपय प्रति एकड़ के हिसाब से मुआवजा देते हैं लेकिन इससे नीचे जिसका नुकसान होता हैं, उसे कोई मुआवजा नही दिया जाता। जहां तक चारे का सम्बन्ध है, चारे के बारे में कोई ऐसी ि ाकायत आएगी तो हम कृशि विभाग वाले मिलकर सहायता करेंगे।

गैर सरकारी संकल्प

जिला अम्बाला की तहसील अम्बाला को औधोगिक रूप से पिछड़ा क्षेत्र घोशित करने सम्बन्धी

Mr. Speaker: Now the House will take up the non-official resolutions और श्री रामदास धमीजा अपना रेजोल्यू ान मूव करेंगे।

श्रीमती चन्द्रावती: स्पीकर साहब, अभी चैम्बर में आपसे जो हमार बात हुई हैं, उसके के बारे में आप कुछ अनांउस करने वाले थे।

श्री अध्यक्ष: मै अनाउस करूंगा।

सेठ राम दास धमीजा (अम्बाला कैन्ट): स्पीकर साहब, मैं अपना प्रस्ताव मूव करता हूं।

कि यह सदन राज्य सरकार से सिफारि ा करता हैं कि अम्बाला जिले की अम्बाला तहसील को औधोगिक दृश्टि से पिछड़ा हुआ क्षेत्र घोशित किया जाए।

स्पीकर साहब, अब मैं इस बारे में आपके सामने कुछ बाते रखना चाहता हूं कि अम्बाला जिले की अम्बाला तहसील को बैक्वर्ड एरिया करार क्यों दिया जाए? जो इंडस्ट्री मौजूदा हैं, उनकी हालत काफी खस्ता हैं क्योकि वहा पर सरकार की तरु से कोई फैसिलिटीज नही दी गयी हैं। वैसे अम्बाला जिला इकनामीकली भी काफी बकवर्ड हैं क्योंकि वहा पर इंडस्ट्रीज तरककी नही कर रही हैं। भारत सरकार ने बहुत सेी इंडस्ट्रीज बैक्वर्ड एरियाज के लिए मकसूस कर रखी हैं और उन्हे दूसरे एरियाज में बैन कर रखा हैं। अगर अम्बाला तहसील को भी इंडस्ट्रीयली बैक्वर्ड एरियाज की लिस्ट में भाामिल कर लिया तो हम भी भारत सरकार सेकी इस नीति का फायदा उठा सकते हैं। भारत सरकार के इस बैन से हमारी अम्बाला तहसील को काफी

नुकसान हो रहा है, इसलिए अम्बाला तहसील की इकनमिक पोजी ान को ऊपर उठाने के लिए हरियाणा के दूसरे जिलों की तरह अम्बाला तहसील को भी इंडस्ट्रीयली बैक्वर्ड करार दिया जाए। इलैक ान से पहले सरकार ने दस इलाके के बारे में यह तसल्ली भी की थी कि अम्बाला कैन्ट और साथ के बैक्वर्ड एरियाज के लिए इंडस्ट्रीज को ऊपर उठाने के लिए लोगों पको रियायतें दैंगे, स्कीमज पेरी करेगें लेकिन वह फायदा अभी तक पूरा नही किया गया हैं। मैं यह भी बताना चाहता हूं कि 31 मार्च को जो ऐसे कामों के लिए फन्डज दिए जाते हैं, वे काफी लेट दिए जाते हैं जिससे इस तरह के काम होने मे सरकार की तरफ से काफी देरी हो जाती हैं।

अम्बाला में सिर्फ एक साईस इंडस्ट्री ही ऐसी हैं, जिसका सामान सारे भारत में सप्लाई किया जाता हैं और स्कूलो में अगर सरकार की तरफ से फन्डज वगैरह सही समय पर दे दिए जाएं तो स्कूल वहा से अपना माल समय पर खरीद सकते हैं। इससे छोटी–छोटी इंडस्ट्रीज को भी फायदा होता हैं। 1966 से पहले अम्बाला पंजाब में था ओर उस वक्त यह पोजि ान थी कि सारा जो इंडस्ट्रीज लगाने के लिए लुधियाना, अमृतसर और जालान्धर मे ही लगाया जाता था। हरियाणा बनने के बाद तो अब हिसार और रोहतक मि ही यह बातें रह गई और अम्बाला को तो कोई पूछता ही नही हैं। इनके अलावा पानीपत में भी थोडी़ सी

इंडस्ट्रीज पनपी है मगर इस इलाके में सरकार की और से कोई ध्यान नही दिया गया हैं।

अम्बाला छावनी में सिर्फ सांईस और ि ा ो की इंडस्टरी है और उसकी वहज से वह जिन्दा हैं। इस वक्त वहां की अबादी 1 लाख 30 हजार हैं। अम्बाला तहसील को इंडस्ट्रीयली बैकवर्ड डिक्लेयर करने की भारत सरकार से मंजूरी ली जाए। ऐसा करने कसे काफी लोगों को रोजगार मिल सकता हैं। आज 15 साल पहले अम्बाला में एक इंडस्ट्रीयल एरिया बनाया गया था लेकिन वह आज तक आबाद नही हो सका उसका कारण यह है कि वह एरिया सड़क से काफी नीचे हैं, अभी तक उसके प्लाट भी नही बिक सके हैं। मैं चाहता हूं कि जब भी कोई स्कीम बनाई जाए तो उस बारे में सभी बातें पहले ही देख ली जानी चाहिए कि स्कीम ठीक चलेगी या नही। ऐसा करने से सरकार भी नुकसान से बच सकती हैं और उधोग लगाने वाले भी। 1978 में अम्बाला छावनी मे फल्ड की वजह से सारा इंडस्ट्रीयल ऐरिया पानी में डूब गया थां इसके बाद वहां पर कोई भी आदमी इंडस्ट्री लगाने की हिम्मत नही करता। सरकार ने इलैक ान से पहले लोगों से वायदा किया था कि अम्बाला को इंडस्ट्रीयली बैकवर्ड घोशित करवाया जाएगा लेकिन अभी तक वह वायदा पूरा नही किया गया हैं। मेरा कहना यह है कि सरकार अपने वायदे को जल्दी पूरा करे। वहां पर इंडस्ट्रीयल एरिया में एक ट्यूबवैल है जिसका पानी खारा हैं। खारा पानी होने की वजह से वह ट्यूबवैल बेकार हैं। इसलिए मेरी

मांग हैं कि वहा पर दूसरा ट्यूबवैल लगाया जाए।(विघ्न) अम्बाला छावनी में बहुत सी जगहें ऐसी हैं जहां सड़के नही पहुंचती, वहा पर सड़क बनाने की जरूरत हैं। आज अम्बाला को इग्नोर किया जा रहा हैं। 1966 से पहले रोपड़, चण्डीगढ़ ओर नायणगढ़ के एरिया अम्बाला जिले में थें लेकिन आज अम्बाला की हालत बहुत खस्ता हैं। मै चाहता हूं कि अम्बाला जिले को भी बाकि जिलों के बराबर लाया जाए। अम्बाला के लिए एक हैवीह इंडस्टरी लगाने की प्रोपोजल भारत सरकार को दी जाए, उससे छोटे उधोगों को काफी तरक्की मिल सकेगी और लोगो को भी रोजगार मिलेगा अम्बाला तहसील को हरियाणा में दूसरी तहसीलों के बराबर दर्जा देना कोइ हमारे साथ रियायत नही होगी बल्कि ऐसा करना तो इन्साफ होगा जिसकी मांग हम कर रहे हैं। ऐसा करने से अम्बाला के साथ इन्साफ होगा। यह इलाका बहुत देर से इग्नोर रहा हैं। अगरप मेरी मांग मान ली जाती हैं तो वहां पर काफी स्माल स्केल इंडस्ट्रीज लगेंगी जिससे लोगों को रोजगार मिलेगा। प्रधान मंत्री जी के बीस सूत्री प्रोग्राम को उधोग लगाने की बात कही गई हैं। सरकार का फर्ज बनता हैं कि इस प्रोाग्राम को ध्यान मे रखते हुए अम्बाला को जरूरी तौर पर इंडस्ट्रयली बैकवर्ड घोशित करवाया जाए। अम्बाला कैन्ट साईंस के माल की इतनी बड़ी मार्किट हैं कि दुनियां भर के दे ाों को वहा से माल सप्लाई किया जाता हैं। लेकिन कोई बड़ा उधोग न होने की वजह से वह तबाही की तरफ जा रहा हैं। अम्बाला में एक मैजिक आई को कारखाना हैं। वहां पर ऐसा भी ाा तैयार किया जाता हैं कि आप भी ों के अन्दर

की तरफ से तो जो मरजी देख सकते हैं लेकिन भी ो के बाहर की तरफ से कुछ नजर नही आता। मै समझता हूं कि सरकार इस तहसील की तरफ ध्यान देगी और लोगों की तकलीफों को दूर करेगी। अगर इस बात का पूरे तौर पर सर्वे किया जाए तब पता चलेगा कि हमारी मांग मुनासिब है या नही। मै चाहता हूं कि स्टेट गवर्नमैंट, सैंट्रल गवर्नमैंट को रिकमैंड करे कि अम्बाला तहसील को इंडस्ट्रीयली बैकवर्ड डिकलेयर किया जाए।

श्री हीरा नन्द आर्य: अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर हैं। किसी भी एरिए को इंडस्ट्रीयली बैकवर्ड डिक्लेयर करने के लिए स्टेट गवर्नमैंट सैंट्रल गवर्नमैंट को रिकमैंड कर सकती हैं, खुद नही कर सकती है। इसलिये यह रैजोल्यू ान गलत हैं (ाोर)

श्री अध्यक्ष: आप इस बारे में अमैडमैंट दे दें। (ाोर)

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, स्टेट गवर्नमैंट भी डिक्लेयर कर सकती हैं।(ाोर)

श्री हीरा नन्द आर्य: अध्यक्ष महोदय, मैं आपको रूल पढ़ कर सुनाता हूं। Rule 174 (C) at page 100 of rules of Procedures, reads as under:-

"It shall not relate to any matter whcih is not primarily the concern of the State Government."

इस रेजोल्यू ान में यह बात होनी चाहिए थी कि स्टेट गवर्नमैंट सैंटर को रिकमैंड करे।

उधोग मंत्री(श्री लछमन सिंह): स्पीकर साहब, यह दो किस्म के होते हैं। एक तो सैंट्रली बैकवर्ड एरिया और दूसरा स्टेट बैकवर्ड एरिया। इसलिये स्टेट गवर्नमैंट भी कर सकती हैं।(ाोर)

श्रीमती चन्द्रावती: स्पीकर साहब, जैसे कि मेरी पार्टी के श्री हीरा नन्द आर्य जी ने प्वायंट आडट किया हैं, वह ठीक किया हैं। आपने हमारा रैजोल्यू ान इसी बिनाह पर डिसअलाऊ कर दिया हैं कि इस पर सैंटरप और स्टेट के एक्ट इनवाल्वड हैं। इस मामले में भी दोनों एक्ट इनबाल्वड हैं। दूसरी बात यह है कि मैंने अपने आज के रैजोलयू ान के द्वारा किसानों की बात उठानी थी * * * * * * * * * * मेरा रैजाल्यू ान बाद में लिया गया हैं। जबकि धमीजा साहब का रैजोल्यू ान तो किसी हालत में भी नही आ सकता था।(ाोर)

सिंचाइ तथा बिजली मंत्री (चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवाला): स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से लीडर आफ दि आपोजी ान से अर्ज करना चाहता हूं कि ये हर बात को बाद में रेज करते हैं। जब कोई रैजोल्यू ान एडमिट हो जाए ओर डिस्क ान भी भाुरू हो जाए तो उस समय कोई एतराज करने की कोई स्टेज नही होती। यह रैजोल्यू ान बैलट होकर लग चुका हैं और डिस्क ान भी भाुरू हो चुकी हैं। (ाोर)

श्रीमती चन्द्रावतीः अगर कोई बात गलत होगी तो उसके खिलाफ किसी भी वक्त कहा जा सकता हैं।

श्री अध्यक्षः पहली बात तो यह है कि मैं इस रैजोल्यू ान को एडमिट कर चुका हूं दूसरी बात यह है कि अगर आप यह समझते हैं कि यह गलत एडमिट हुआ है तो आपको इस पर अमैंडमैंटस नही देनी चाहिए थीं इस रैजोल्यू ान पर आई हुई अपोजि ान की अमैडमैंटस को भी मैने एडमिट किया हैं।

Shrimati Chandravati: It does not come under the purview of the Stae Government to declare an area as industrially backward.

श्री लछमन सिंहः स्पीकर साहब, स्टेट भी डिक्लेयर कर सकती हैं। कालका, हथीन औरप नारायणगढ़ के एरियाज को स्टेट गवर्नमैंट ने इंडस्ट्रीयल बैकवर्ड डिक्लेयर किया हुआ हैं।

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः स्पीकर साहब, हैवी इंडस्ट्रीज तो सैन्टर्ल गवर्नमैंट के अडर आती हैं लेकिन स्माल स्केल इंडस्ट्रीज के लिए गवर्नमैंट भी इंडस्ट्रीयली बैकवर्ड एरिया घोशित कर सकती हैं।

श्रीमती चन्द्रावतीः इस रैजोल्यू ान में यह कहां लिखा हैं कि स्टेट गवर्नमैंट स्माल स्केल इंडस्ट्रीज के लिए किसी एरिया को इंडस्ट्रीयली बैकवर्ड डिक्लेयर करे।

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, सरदार लछमन सिंह जी की यह बात ठीक हैं कि एक तो सैंट्रली बैक्वर्ड एरिया डिक्लेयर होता हैं और एक स्टेट की तरफ से बैकवर्ड एरिया डिक्लेयर होता हैं लेकिन श्री भाम ोर सिंह सुरजेवाला यह बात ठीक नही हैं कि हैवी इंडस्ट्रीज सैंटर्ल गवर्नमैंट के अडर आती हैं और स्माल स्केल इंडस्ट्रीज के लिए स्टेट गवर्नमैंअट किसी एरिया को इंडस्ट्रीयली बैकवर्ड एरिया डिक्लेयर कर सकती हैं। यदि ऐसी बात है तो इस रैजोल्यू ान मे यह बात स्पश्ट करनी चाहिए थी कि ये किसी एरिया को स्टेट के प्वायंट आफ व्यू से इंडस्ट्रीयली बैकवर्ड एरिया डिक्लेयर कराना चाहते हैं या सैट्रली बैकवर्ड एरिया डिक्लेयर कराना चाहते हैं। इसमें यह लैकुना रह गया हैं।

सैठ राम दास धमीजाः स्पीकर साहब, अपोजी ान बराय अपोजी ान बात मेरी समझ मे नही आती। जहां तक अम्बाला तहसील को औधोकिब दृश्टि से पिछड़ा हुआ घोशित करने की बात है इस बारे में मै सरकार से प्रार्थना करना चाहता हूं कि अम्बाला तहसील को इंडस्ट्रीयली बैकवर्ड करार देना बहुत ही जरूरी हैं। अपोजी ान वालों को मेरी बात पर इतना भाोर नही करना चाहिए। हर मैम्बर को अपने–अपने इलाके की बात यहां सदन में कहने को हक है और ध्यान देना चाहिए। इसलिए मैं सरकार से प्रार्थना करना चाहता हूं कि अम्बाला तहसील को इंडस्ट्रीयली बैकवर्ड डिक्लेयर करना बहुत ही जरूरी हैं। इसलिए आप मेरा रैजोल्यू ान पास करके भारत सरकार को भेज दें।

अम्बाला तहसली के बारे कमे मैने जो फैक्टस आपके सामने बताए हैं, क्या वे गलत हैं? अम्बाला कैन्ट से करोड़ो रूपए का माल बाहर जाता हैं। अगर अम्बाला में कोई हैवल इंडस्ट्री भी लगेंगी जिसकी वजह से सरकार को अरबों रूपए की फारेन एक्सचैंज मिलेगी। सही बात तो यह है कि सरकार मेरी मांग को मान ले। यदि सरकार मेरी मांग मान लेगी तो अम्बाला में छोट–छोटे उधोग लग सकेगें जिनसे गरीब लोगो को व बेरोजगोर लोगो को रोजगार मिल सकेगा और बेरोजगारी की सम्सया हल हो जाएगी इसके अलावा 20 नुकाती प्रोग्राम का मकसद भी हल हो जाएगा। स्पीकर साहब, जब हम 20 नुकाती प्रोग्राम का जिक्र करते हैं तो मेरे अपोजी ान के भाईयों को चिढ हो जाती हैं और कहने लगते है कि आप इन 20 सूत्रों मे से 5 सूत्रों के नाम ही बता दें। मै इन्हें यह बताना चाहता हू कि 20 नुकाती प्रोग्राम हमारे दे ा की प्रधान मंत्री श्रीमती इन्दिरा गांधी ने बनाया हैं और छोट उधोग धधें भी उसका एक हिस्सा हैं इसलिए मैं यह कहना चाहता हें कि सरकार का यह फर्ज बनता हैं कि 20 नुकाती प्रोग्राम को सही ढंग से सफल बनाने के लिए अम्बाला तहसील को जरूरी तौर पर इंडस्ट्रीयली बैकवर्ड डिक्लेयर करार दिया जाए। इस 20 नुकाती प्रोग्राम में किसानो की भलाई के लिए,हरिजनों की भलाई के लिए और बैकवर्ड लोगों की भलाई के लिए स्पीकर साहब, जो अच्छी कात हो उसको तो कम से कम मेरे अपोजी ान के भाई अच्छा कहे। बुरी बात को तो सब बुरा कहते ही हैं। लेकिन यह अपोजि ान बराय अपोजी ान हैं।(ाोर एव विघ्न)

मुख्य संसदीय सचिव(श्री अमर सिंह): स्पीकर साहब, मैं अपोजी ान के भाईयो से प्रार्थना करूंगा कि यह प्रस्ताव जेरे बहस है आप हस पर बहस होने दें। अपोजी ान वालेा ने पहले ही एक घंटा खराब कर दिया हैं। मैं यह चाहूंगा कि इस तरह भाोर करने से टाईम जाया होता हैं इसलिए आप इस तरह से भाोर न करें। आप माननीय सदस्य को बोलने दें। (ाोर एव विध्न)

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, हम तो यह चाहते हैं कि यह रैजोल्यू ान पास हों।

सैठ राम दास धमीजाः स्पीकर साहब, अम्बाला एक डिविजन है और वहा पर कमी नर का दफ्तर हैं, अम्बाला में पोस्ट मासटर जनरल का भी दफ्तर है तथा यह एक रेलवे का बहुत बड़ा जक ान भी है। हिमाचल और पंजाब की तरफ से जितनी भी गाड़िया आती हैं, वे अम्बाला से ही होकर गुजरती है। इतना बड़ा सैंटरप होने के बावजूद भी अम्बाला को इग्नौरप किया जा रहा हैं इसलिए सरकार से मेरी प्रार्थना हैं कि अम्बाला तहसली को इंडस्ट्रीयली बैकवर्ड डिक्लेयर करवाया जाए। अम्बाला कैंट की इंडस्ट्रीज का माल बाहर के दे ाों में भी जाता हैं ओरप वहां की इंडस्ट्रीज का माल कहुत अच्छी क्वालिटी का हैं। यदि वहां पर बड़ें उधोग लगेंगे तो सरकार को काफी टैक्सों के रूप मे भी आमदन होगी। स्पीकर साहब, अम्बाला तहसील की इंडस्ट्रीयली बैकवर्ड डिक्लेयर करने से हमारे प्रान्त के लोगों की बहुत भलाई

हो सकती हैं, वहां के गरीब, मजदूर और बेरोजगार लोगों को अपने परिवारो का पालन पोशण करने के लिए रोजगार मिल सकता हैं। अम्बाला तहसील को इंडस्ट्रीयली बैकवर्ड डिक्लेयर करना यहां के लोगो के हित में है ओर प्रदे ा के भी हित में है। लेकिन हम जब भी प्रान्त के हित की बात कहते हैं तभी मेरे अपाजी ान के भाई हल्ला–गुल्ला भाुरू कर देते हैं। स्पीकर साहब, जिस तहसील की अबादी 4–5 लाख की हो यदि उसक तहसील को इंडस्ट्रीयली बैकवर्ड डिक्लेयर कर दिया जाता हैं तो उससे प्रान्त के एक बड़े भाग का हित होगा और सरकार को भी उससे काफी आमदनी होगी। इसलिए सरकार से मेरी प्रार्थना है कि अम्बाला तहसील को इंडस्ट्रीयली बैकवर्ड डिक्लेयर कर दिया जाए।

स्पीकर साहब, जो दिक्कते अम्बाला जिले के बारे में मैने आपको बताई है और जो रैजोल्यू ान हाउस में रखा गया हैं उसको हरियाणा सरकार पास करके भारत सरकार को रिकमैंड कर दे। यदि ऐसा हो जाता हैं तो अम्बाला तहसील के लाग इस सरकार के अति अभारी होगें। ऐसा करने से भारत सरकार भी यह सोचेगी कि हरियाणा सरकार अपने बैकवर्ड क्षेत्रो का ध्यान रखती हैं। इतना कहते हुए मैं अपना स्थान लेता हूं।

श्री अध्यक्षः प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ––

कि यह सदन राज्य सरकार से सिफारि ा करता है कि अम्बाला जिले की अम्बाला तहसील को औधोगिक दृश्टि से पिछड़ा हुआ क्षेत्र घोशित किया जायें।

I have also received two amendments to this resolation from sarvshri Mangal Sein and Bhag Mal. These will be deemed to have been read and moved together. The Hon'Members can discuss these amendments while speaking on the resolution.

Shri Mangal Sein: That in line 3 of the resolution after the words "ambala District." insert the words " Tehsil Rohtak"

Chaudhri Bhagmal: That the works "Ambala Tehsil of "appearing in lines 2 and 3 be deleted.

चौधरी भागमल (सढोरा–अनुसूचित जाति): स्पीकर साहब जो प्रस्ताव हाउस के सामने आया हैं, इसमे कोई दो राय नही कि अम्बाला जिला औधोगिक दृश्टि से पिछड़ा हुआ हैं। हम भी इस बात का समर्थन करते हैं कि अम्बाला जिले को ओद्योगिक दृश्टि से पिछडा हुआ घोशित करने के लिए लिखा गया हैं। मै आपकी जानकारी के लिए बताना चाहता हूं कि अम्बाला जिले की अम्बाला तहसील ही ओद्योगिक दृश्टि से पिछडी़ हुई नही हैं बल्कि सारा अम्बाला जिला इण्डस्ट्रीज के लिहाज से पिछडा़ हुआ हैं। अम्बाला जिले की जितनी भी तहसीलें हैं वे सभी की सभी पिछड़ी हुई हैं। अम्बाला जिले के जितने भी कस्बे हैं जैसे सढौरा, छछरोली, कालका ओर नारायणगढ़ वे सभी

के सभी हर क्षेत्र मे पिछड़े हुए हैं। स्पीकर साहब, वहां पर कोई भी फसल नही हो पाती। यदि बारि ा न हो तो फसल वैसे ही नही होती। यदि बारि ा हो जाती है तो वहां पर बाढ आ जाती हैं जिस कारण सारी फसले खराब हो जाती हैं। पानी को जहां तक संबंध है उस की हालत यह है कि वहा पर पानी फसल के लिए तो क्या उपलब्ध होगा, आदमियों और प ाुओ। के लिए उपल्ब्ध नही हो पाता। ऐसी स्थिती मे उनकी क्या स्थिती हो सकती हैं, यह बाप ही अन्दाजा लगाये। (**इस समय सभापतियों की सूचि में से एक सदस्य, राव इन्द्रजीत सिंह, पदासीन हुए**) चेयरमैन साहब, सढोरा हल्के के अन्दर छोटी–छोटी करीब 40–50 नदिया गुजरती हैं। वहां पर कई जगह पुल न होने के कारण जो लोग इन नदियों के पास रहत हें, उससे उनकों काफी नुकसान होता हैं ओर उनको कोइ अतिरिक्त सहायता भी नही दी जाती हैं। वहां पर जो पुल बनाने की बात कही गई थी, वे पुल अभी तक भी नही बनाये गए हैं। कहने को तो कहा जाता हैं कि इस इलाके मे जगंलात का काफी स्कोप हैं। इसके मुत्तलिक मैं आपकी जानकारी के लिए बताना चाहता हूं कि उन लोगों के प ाुओ को पकडा़ जाता हैं और फाटक के अन्दर बन्द कर दिया जाता हैं। उस इलाके मे जंगलाज के माध्यम से लोगों को कोई रोजगार नही मिल रहा है बल्कि जगंलात की पोजि ान तो यह हें कि उससे वहा के लोगो का कचूमर निकला हुआ हैं। सरकार उन लोगों के हुए नुकसान को कोई मुआवजा नही देती। जंगलात की वजह से वहां के लोगों को काफी परे ाानी हैं। यह अलग बात हैं कि

जंगलात के अन्दर कुछ घास या दूसरी चीजें ऐसी हैं जिनकी वजह से वहां पर छोटी–छोटी कई प्रकार की इण्डस्ट्रीज लगाई जा सकती हैं। लेकिन सरकार का इस ओर कोई ध्यान नही है। चीफ मिनिस्टर साहब यहा ं पर बैठे हुए हैं। इन्होने कहा था कि हरियाणा के तमाम गावों को पक्की सड़को से जोड़ दिया गया हैं। इसके संबंध में मै आपकी जानकारी के लिए बताना चाहता हूं कि मेरे हल्के के अन्दर भी काफी गांव ऐसे हैं। जिनकों सड़को से नही जोड़ा गया हैं औरप जो डारैक्टर में आते है। कई गावों के अन्दर पक्की सड़के बनाने के एस्टिमैट तेयार किये गये हैं। लेकिन आम कुछ नीह किया गया। वहां का इलाका उबड़–खाबड़ है। लोगों का आने जाने को कोई भी साधन नही हैं। इसलिए मेरी प्रार्थना हैं कि इस इलाके की सड़को को सबसे पहले बनाया जाना चाहिए। यदि इन गावों का सड़को से जोड़ दिया जाता हैं तो ये लोग अपना छोटा–मोटा कोई रोजगार इधर–उधर जा या आ कर कर सकते हैं। अगली बात मेरी यह है कि वहा के किसानों की हालत भी बहुत खराब हैं एक तो उनकी जमीन उंचाई नीचाई पर हैं। दूसरे वह जमीन पहाडियों पर हैं। इस इलाके के अन्दर बहुत अधिक मात्रा मे पहाड़िया है जिस कारण लोगों को काफी दिक्कत है। इन पहाड़ियों में से ही कई नदियां गुजरती हैं। जब बारि ा हो जाती हैं तो इन नदियों के पास जिन लोगों की जमीने हैं , उनकी फसल बाढ़ आने से खराब हो जाती है। इस संबंध में सरकार को मेरा सुझाव हैं कि बाढ़ के दिनों में इन नदियों का पानी टैक बना कर इकट्ठा कर लिया जाये और जब

जरूरत हो, उस समय किसानों को दे दिया जाये। ऐसा करने से एक तो किसानों की फसले बर्बाद होने से बच जायेगी ओर दूसरे उस पानी का इस्तेमाल किया जा सकेगा। यहा पर चीफ मिनिस्टर साहब और इण्डस्ट्रीज मिनिस्टर सरदार लछमन सिंह जी बैठे हैं। मै दोनो से प्रार्थना करता हूं कि इन नदियों के पानी को टैंक बना कर इकट्ठा करने के लिए कोई न कोई कदम उठायें जिससेप उस इलाके के लोगों को राहत मिल सके। चैयरमैन साहब, वहां कई छोटे–छोटे कस्बे है जैसे नारायणगढ़, छछरोली, बरवाला और सढौरा आदि। इनके अन्दर म्यूनिसिपल कमेटियां तो बनी हुई हैं, लेकिन उनको पैसा नही दिया जाता। पैसे के आभाव के कारण वे कुछ भी काम नही पाती। हमारे इलाके मे जितने भी कस्बे है, उनकी तरु सरकार कोई ध्यान नही दे रही। मैरा इस बारे में सरकार को सुझाव है कि इस और वि ोश ध्यान दे और डिवैल्पमैंट के काम अधिक से अधिक करे ताकि यह इलाका भी दूसरे इलाकों के बराबर आ सके । यदि डिवैल्पमैंट के काम हो जायेगें ता लोगों को अधिक से अधिक रोजगार मिल सकेगा। वहा पर छोटी–छोटी मार्किटे हैं। अनके सुधार की तरफ भी सरकार को ध्यान देना चाहिए। सढौरा के साथ सबसिडी देने के मामले मे भी भेदभाव किया जा रहा हैं। यदि सढौरा की तरफ ध्यान दिया जाये तो वहा पर कई इण्डस्ट्रीज लग सकती हैं। अगर नारायणगढ़, कालका, सढौरा, छछरौली और दूसरे इलाके को औद्योगिक दृश्टि से पिछड़ा हुआ घोशित कर के वहां पर इन्डस्ट्रीज लगा दी जाए, तो उससे लोगों को बहुत लाभ होगा। यदि ऐसा कर दिया

जाता हैं तो उस इलाके को भी, जो हरियाणा के दूसरे इलाकों को सूविधा मिल रही हैं, मिल सकेगीं। चेयरमैन साहब, पिछले साल वहां पर कुछ छोटी–छोटी इण्डस्ट्रीज कुछेक लोगो ने लगाई थी। लेकिन उनको अब लोन मिल नही रहा यह लोन न तो सरकार की तरफ से दिया जा रहा है और नही कोई बैंक आदि उनको लोन देने को तैयार हैं जिससे वे अपनी इ इण्डस्ट्रीज का बढा सके। दूसरे इण्डस्ट्रीज डिपार्टमैंट भी इन लोगों की तरफ कोई ध्यान नही दे रहा उल्टा यह डिपार्टमेंट भी इन को काफी परे ाान करता हैं। गवर्नमैंट से जब लोग लोन के लिए जाते है तों इनको तंग किया जाता हैं। इसके अलावा उन्हे बिजली भी सबसे कम मिलती हैं। बिजली का न मिलना इस इलाके की प्रगति के आगें एक रोड़ा हैं। आजकल बरसात के कारण पानी की जरूरत नही लेकिन जब जरूरत होती हैं तो हालत यह होती हैं कि मु कल से दिन मे दो घंटे बिजली मिलती हैं। बिलसपुर मे रोजाना 9 बजे बिजली चली जाती हैं। कोई पूछने वाला नही हैं। रात के 9 बजे सारे को सारा इलाका अन्धेरे मे पड़ जाता हैं। जहां तक यहा की इण्डस्ट्रीज का सवाल हैं, इन इण्डस्ट्रीयलिस्ट्रस पर कर्ज का पैसा बढता जा रहा हैं लेकिन काम मिलता ही नही। बहुत से लोग जगाधरी से सामान लाते हैं लेकिन एक्साईज एंड टैक्से न के अधिकारी उन पर टूट पडते है। इन अधिकारियों की वजह से जगाधरी की हालत बहुत खराब है लोगों के दिलो में बडा रोश है। पिछले दिनो 18 फरवरी का वाक्या है। एक टैम्पू में चार पांच भैये जा रहे थे। इन में से एक भैये ने अपने घर जाना

था। उन भैयों पर जीप से टक्कर मार कर हमला किया गया। एक लड़के की टांग टूट गई और एक के गले की हड्डी टूट गई। एक्सीडैंट करने के बाद इतना भी नही कर सके कि उनको हस्पताल में दाखल करवा दें। लोगों ने उनको उठाया और होस्पिटल में दाखिल करवाया। एक भैये की टांग इतनी टूट चूकी थी कि डाक्टर ने उनकी टांग काट दिया। ये गरीब आदमी हैं, पता नही कौन से इलाके से रोजगार की तला ा में यहां आये थें। ये सारे के सारे मजदूर थे और इनमें से एक अपने घर आ रहा था दूसरे अपने साथी को रेल पर चढाने जा रहे थे लेकिन एक्साईज एंड टैक्से ान के अधिकारियों ने यह समझा कि ये स्टील का सामान ले जा रहे है परन्तु उनके पास अपनी रिजाई वगैरह थीं खास तोर पर ई0टी0ओ0 बहुत परे ाान कर रहे थे। जब इस एक्सीडैंट की एफ0 आई0 आर0 दर्ज करवाने लगे तो पुलिस दर्ज करने से आनाकानी करने लगीं पुलिस और ऐक्साइज एण्ड टैक्से ान विभाग के खिलाफ लोग जमा हो गये औरप दो दिन तक बंध रहा। लोग इतने एजिटेटिड थे कि दो दिन तक सारा काम बन्द रहा। पहले तो पुलिस ने प्रौपर एफ0आई0आर दर्ज नही की और जब की तो उस ड्राईवर के खिलाफ दर्ज की जो उस दिन गाड़ी नही चला रहा था। वह बेचारा अपने घर में सो रहा था। गाड़ी इ0टी0औ0 या उसका इंसपैक्टर चला रहा था। इस ड्राईवर के खिलाफ नैगलीजैंस का केस दर्ज करके चालान कर दिया। इसलिए मेरी सरकार से दुर्ख्वास्त है कि यह एफ0आई0आर उन सेल्ज टैक्स के इन्सपैक्टर्ज के खिलाफ होनी चाहिए जिन्होने

एक्चुएली इन गरीब भेयौ को मारा। इन इ0टी0औ0 औरप इन्सपैक्टरों ने यहां की इंडंस्ट्रीज को बेकार कर दिया। जब इंडंस्ट्रीज विभाग वाले कारखाने वालों के पास जाते हैं तो ये लोग बहिया खोल कर बैठ जातें हैं और अगर उनकी जेब में चार–पांच हजार रूपया डाल दिया जाये तो काम हो जाता हैं। इन अधिकारियों की धाधली के कारण यमूनानगर और जगाधरी की इंडंस्ट्रीज बरबाद हो रही है। यमुना नगर और जगाधरी की इंडंस्ट्रीज से स्टेट को बहुत रैवेन्यू मिलता हैं और अगर इसी तरह से होता रहा तो ये इंडंस्ट्रीज बिल्कूल बैकवर्ड रह जाऐगी क्योकि आज सेल्ज टैकस मे बहुत लाकूने हो गये हैं जिसकी वहज से इ0टी0औ0 ने धांधली मचाई हुई हैं। इसलिए मेरी सरकार से दखार्वास्त हैं कि जिन लोगों ने भईयो को बरबाद किया है, उनके खिलाफ एन्कवायरी होनी चाहिए और इन के खिलाफ दफा 307 का मुकदमा दर्ज करके उनके खिलाफ एक ान लिया जाए। चेयरमैन साहब, मै हाउस को ज्यादा टाईम न लेता हुआ आपके द्वारा यही प्रार्थना करना चाहता हूं कि तमाम का तमाम अम्बाला जिला हर तरह से बैकवर्ड हैं।लोगों को रोजगार देने के लिए हमारे पास कोई साधन नही हैं। थोड़ा बहुत साधन जमीन हो सकती हैं लेकिन ज्यादा साधन तो इंडस्ट्रीज से ही हो सकते है। लोग इंडस्ट्रीज में रूचि रखते हैं लेकिन इस रूचि का फायदा तभी हो सकता हैं अगर राज्य सरकार उनका प्रोत्साहन दे और सैन्ट्रल गवर्नमैंट द्वारा दी गई ऐड उस इलाके को दी जाए ताकि लोगों का जीवन स्तर थोड़ा बहुत ऊंचा उठ सके। सारी की सारी

पापुले ान जो देहात में बसती हैं, बिलो दी पावर्टी लाइन हैं चाहे किसान हो, चाहे हरिजन हो, बैकवर्ड क्लास का कोई आदमी हो, चाहे 20 किल्ले जमीन का मालिक हों, बड़े से बडा़ जिमीदार हो, सभी गरीब है क्योकि गवर्नमैंट की गलत नीतियों की वजह से सारी की सारी जमीन बेकार पड़ी हैं। इसी वजह से लोगों को पूरा रोजगार नही मिलता, तमाम का तमाम इलाका मकरूज हैं। कोओप्रेटिव सोसायटीज ने भी लोगो के नाक में दम कर रखा हैं। हमारा जो सैन्ट्रल कोओप्रेटिव बैंक अम्बाला हैं, उसने रिकवरी की होड़ लगा रखी हैं, भाायद उसने ज्यादा से ज्यादा रिकवरी करके भील्ड लेनी हैं। लोगो की आर्थिक वयस्था को तहस नहस कर दिया। जिन लोगों की वोटों से सरकार बनती हैं, उन्ही लोगो का सरकार ने कचूपर निकाल दिया है। इस लिए मेरी आपसे दुख्र्वास्त है कि मेरी इस अमैंडमैंट को मजूर किया जाए और अम्बाला जिले के सारे एरिये को बैकवर्ड डिक्लेयर करने के लिए सिफारि ा की जाए।

श्री मंगल सैन (रोहतक): चेयरमैन साहब, प्रस्तावक महोदय श्री रामदास धमीजा ने कहा है कि अम्बाला दुनिया के नक ो पर है। हरियाणा में ता इसकी नुमायां जगह हैं, यह बात ठीक हैं। वैसे तो रोहतक जिला भी बड़ा महत्व रखता हैं। चेयरमैन साहब, भौगालिक दृश्टि से रोहतक जिला भी आर्थिक तौर पर पिछड़ा हुआ है। कैन्द्रीय सरकार ने इंडस्ट्रियली बैकवर्ड एरिया करार देने की जो नीति बनाई हुई है वह ठीक नही हैं। सरदार

लक्षमन सिंह जी इस नीति को रिव्यू करवायें। नाहड का इलाका जिसको सैन्टरली बैकवर्ड एरिया डिक्लेयर किया हुआ है, उसमें कोई भी इंडस्ट्रियलिस्ट इन्स्ट्र लगाने के लिए नही जाता क्योकि न वहां क्म्यूनिके ान के साधन हैं, न रेल जाती हैं, न दूसरे साधन है। इसी वजह से वहां पर कोई भी इंडस्ट्री लगाने के लिए नही जाता।(व्यवधान) सरदार लक्ष्मण सिंह जी अब कह देगें कि जब मेरे पास यह डिपार्टमैंट था तो क्यों नही इंडस्ट्री लगवाई चेयरमैन साहब, हमारा समय तो एक संक्रमण काल था। * * * * *

श्री सभापतिः डिफैक ान वगैरा की जो बाते कह रहे है यह बिलकुल रिकार्ड न की जाएं।

श्री मंगल सैनः * * * * * * * *

चेयसरमैन साहब नाहड के इलाके को इंडस्ट्रीयली बैकवर्ड करार दिया हैं लेकिन उसका कोई लाभ नही। वैसे वह इलाका बैकवर्ड रहना चाहिए। इसी प्रकार झज्जर तहसील को भी इंडस्ट्रियली बैकवर्ड करार दिया हुआ हैं वहा पर कोई इंडस्ट्री नही है। रोहतक में इंडस्ट्री फलोरि ा कर सकती हैं। रोहतक की ज्योग्राफीकली सिचुए ान ऐसी हैं कि वहां इंडस्ट्री पनप सकती हैं। जिस प्रकार रोहतक की तहसील सांपला में कृशि सम्बन्धी उधोग लगे हुए हैं अगर सरकार वहां और अधि सहूलियतें दे तो और भी अधिक विकास हो सकता हैं। उसे भी इंडस्ट्रीयली बैकवर्ड एरिया करार दिया जाना चाहिए। सन् 1967 में राव वोरेन्द्र सिंह

जी ने रोहतक को बैकवर्ड एरिया करार दिया था। उन्होने कुछ इंडस्ट्रीज वहां पर लगवायी भी थी लेकिन फिर भी बहुत कम लगी हुई हैं। मेरा कहना यह है कि अगर लगावायी भी थी लेकिन फिर भी बहुत कम लगी हुई हैं। मेरा कहना यह है कि अगर रोहतक तहसील को इंडस्ट्रीज के लिहाज से बैकवर्ड एरिया को इंडस्ट्रीयली बैकवर्ड एरिया करार देने पर काफी सहूलियते मिल सकती हैं। लोन मिल सकता हैं ओर दूसरी फैसेलिटीज मिल सकती हैं। आजकल वहां पर इंडस्ट्रीज की बहुत बुरी हालत हो रही हैं। मैरा सरकार को सुझाव है कि यदि रोहतक तहसील को भी इस रैज्योलू ान में भाामिल कर लिया जाऐं तो वहां के लोगों का भी भला हो सकता हैं। सरदार लक्षमण सिंह जी से मै अर्ज करूगां कि सारे प्रदे ा मे इंडस्ट्रीयली बैकवर्ड एरियाज वैस्टिड इन्ट्रैस्टस के कारण बैकवर्ड करार दिये हुए हैं। सारे प्रदे ा की इंडस्ट्री के बारे मे रिव्यू कर लें तो बड़ी अच्छी बात होगी।

चौधरी ई वर सिंह (पुडंरी): चेयरमैन साहब, धमीजा साहब ने अम्बाला तहसील को इंडस्ट्रीयली बैकवर्ड करार देने के बारे मे गैर–सरकारी प्रस्ताव हाउस के सामने रखा हैं। मै चाहूगां कि जो अन्य बैकवर्ड एरिये है उनके बारे मे भी विचार किया जाये। किसी कवि ने कहा है कि –

मेरा रोना नही, रोना है यह सारे गुल्सतां का।

वह गुल हूं मै, खिजां हर गुल की है गोया खिजां मेरी।।

केवल अम्बाला तहसील की इंडस्ट्री के लिहाज से बैकवर्ड नही हैं बल्कि यूरोप के मुल्कों के मुकाबले में एि ाया के सारे मुल्क ही इंडस्ट्री के लिहाज से बैकवर्ड हैं। हमारे दे ा में भी कई सूबे हमारे अपने सूबे से काफी बैकवर्ड हैं। वहां पर इंडस्ट्री आती हैं, वहां पर रोजगार के साधन जल्दी आते है। हरियाणा प्रदे ा की 80 परसैन्ट जनता खेती पर आधारित हैं। बीस परसैन्ट लोग इंडस्ट्री और नौकरी पर आधारित है। अब देखने की यह भी बात हैं कि हमारी इंडस्ट्री भी एग्रीकल्चर पर ज्यदा आधारित हैं। वैसे तो इंडस्ट्री और एग्रीकलचर अलग–अलग इम्पोर्टेन्स है। एग्रीकलचर ही बैसिक इन्डस्ट्री है। एग्रीकलचर के बिना इंडस्ट्री पनप नही सकती और एग्रीकलचर के बिना हमारा जीना भी सम्भव नही। इस दे ा में ज्यादातर खेती पर इंडस्ट्री आधारित हैं इसलिए खेती को अधिक बढावा देना चाहिए। हमारे दे ा में खेती के सिवाए दूसरा काम धन्धा नही सिखाया जाता हैं क्योकि खेती का काम उसे मा–बाप से विरासत मे मिला हैं ओर दूसरी और उन्हे बढने के लिए रास्ता नही इसलिए वे अन–एप्लाईड होत हैं। गावं के लाग वही के वही रहते है। लेकिन हमारे सूबे में ऐसी बात नही हैं, फिर भी इस दे ा में बहत से ऐस सूबे हैं जहां पर बहुत गरीबी हैं। आज के दिन भूखा तो कोई भी नही मरता। अखबारों में कई बार आता है कि रूट्स ख कर लोग जिन्दा रहते हैं।

आजकल न्यूट्स डाईट तो बड़े बड़े सम्मानित लोगों को भी नही मिलती हैं इसलिए इन सब बातों को ध्यान मे रखते हुए इंडस्ट्री की तरफ त्यादा से ज्यादा ध्यान दिया जायें धमीजा साहब ने अम्बाला तहसील की बात कही है। अम्बाला ही ऐसा एरिया नही हैं जिसे बैकवर्ड डिक्लेयर किया जाये और भी ऐसे ऐरियाज हैं, जिनहे इंडस्ट्रीयली बैकवर्ड करार देने की आव यता हैं उन ऐरियाज को सैन्ट्रल गवर्नमैंट ने और स्टेट गवर्नमैंट ने बैकवर्ड करार नही दिया। अम्बाला जिला पहाड़ के साथ लगता हुआ ऐरिया हैं। हिमाचल पहाड़ के साथ लगा हुआ हैं। यहां की जमीन भी ढलाऊ हैं, यहां बारि ा भी ज्यादा होती हैं। सारा पानी बहकर चला जाता हैं। यहा का पानी किसी भी काम नही लाया जाता। अगर जमीन से पानी निकाला जाये तो वह भी बहुत गहरा हैं अम्बाला भाहर बडा़ म ाहूर भाहर हैं। यहां पर छावनी भी हैं लेकिन वहां पर अब भी पीने के पानी के काफी किल्लत हैं। पानी की का कारण यही है कि यहां का पानी बह कर चला जाता हैं। दूसरे अन्डर ग्राउन्ड पानी भी इतना अच्छा नही हैं। इस जिले मे नदी और नाले भी बहुत ज्यादा मात्रा में गुजरते हैं। अम्बाला के साथ लगते हुए कुरूक्षेत्र और करनाल के इलाके बहुत जरखेन हैं । वहां के लोगों के पास साधन है लैकिन अम्बाला के लोगो के पास कोई साधन नही हैं। अम्बाला जिले की दो तहसीलों को पहले ही बैकवर्ड करार दिया हुआ हैं। अभी अम्बाला जिले के नगंल लिफट स्कीम लगी हैं उससे उस ऐरिया में कुछ फर्क पड़ेगा लेकिन फिरप भी वहां पर एकड़ उतनी उपज नही होती है और

कै ा अप भी इतनी नही होती। धमीजा साहब ने ठीक कहा हैं कि अम्बाला की इंडस्ट्री के लिहाज से बहुत अच्छी सिचुए ान है। कई हमारे ऐसे ऐरियाज हैं, जिन्हे इंडस्ट्रीयली बैकवर्ड करार दिया हुआ हैं लेकिन वहां पर इंडस्ट्रीज नही हैं। धारूहेड़ा के ऐरिया मे इंडस्ट्रीज गयी है लेकिन वह भी दिल्ली नजदीक होने के कारण गई हैं। अम्बाला मे रेलवै की बड़ी भारी सहूलियत हैं। मेन लाईन के साथ कुनैक्ट किया हुआ है। रोड़ के लिहाज से भी सीधा कुनैक ान हैं।

श्रीमती चन्दावतीः आप तो किसान हैं। आप इस रैज्योलू ान पर अधिक न बोले। दूसरा प्रस्ताव किसानों के विशय में है। उस प्रस्ताव को भी हाउस में आने दे ताकि उस पर मैम्बर साहेबान अपने विचार रख सके।

श्री अमर सिंहः आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर। किसी भी रैज्यालू ान पर टाईम की लीमिट फिक्स नही की जा सकती। लीडर आफ दी अपोजि ान को बार–बार नही टोकना चाहिए।

चौधरी ई वर सिंहः अम्बाला भाहर के साथ ही अम्बाला कैन्ट भी हैं। वहां पर साईस की इंडस्ट्री बहुत ज्यादा हैं। अम्बाला में साईस की कोई छोटी–मोटी इंडस्ट्री नही हैं वहां पर कोई एक यूनिट नही है बल्कि बहुत से व्यक्तियों ने अपनी अलग–अलग इंडस्ट्री लगायी हुई हैं। अम्बाला में यह जो इंडस्ट्री हैं, यह सारी दुनिया में साईस का माल सप्लाई करती हैं औरप अगर अम्बाला

तहसील को इंडस्ट्रीयली बैकवर्ड डिक्लेयर कर दिया जाये जो इसका मतलब यह हैं कि वहां पर कुछ सहूलियतें मिल जायेगी। उन सहूलियतों में कुछ किस्मं के कनसै ानज है जैसे कुछ जो सैंट्रल इन्कम टैक्स है उसमें भी कन्सै ान हैं, बिजली का भी वहां पर ज्यादा और बेहतर प्रबन्ध किया जा सकता है, सैल्ज टैक्स पर भी कन्से ान लिया जा सकता हैं और उनको कर्जा भी रियायती इन्ट्रैस्ट रेट पर दिया जा सकता हैं। अगर वहां पर इस तरह की सहूलियतै दी जाये जो वहा की इंडस्ट्री चमक सकती हैं। इसके अलावा इंडस्ट्री का डिवैल्प होना कुछ इन्टनल बातेा पर भी दारोमदार है कि वहां के लोग कैसे हैं। हमारे यहां पर इंडस्ट्री चलाने के लिये हरियाणा में उस तरह मे मिनरल्ज तो है नही, जिस तरह के बिहार में हैं, उडीसा में और बंगाल में है। वहा पर तो मिनरल्ज काफी है और वहां पर इंडस्ट्री मिनरल्ज पर आधारित हैं। जहां पर पानी से बिजली पैदा न हो सकती हो, वहां पर यदि कोयला के पिट्स के पास बिजली घर बना दिये जाये तो वहा पर बिजली सस्ती मिल सकती हैं बजाये उन जगहों के कि जहां पर कोयला बाहर से मंगाना पड़ता हो ओर वैगन्ज के जरिये और रेलों के जरिये वहां तक पहुंचने में भी काफी कठिनाई का सामना करना पडता हैं। हमारी स्टेट में न तो तेल है, न ही लोहा है ओरप न ही कोयला है या दूसरे कोई मिनरल्ज हैं। इसलिये यहां पर तो बाहर से रा–मैटीरीयल लाना पडता हैं इसिलये यह एरिया इंडस्ट्रीयली बैकवर्ड है। जब 1947 में दे ा आजाद हुआ तो हमारे बहुत से पंजाबी भाई आये और उन्होने इंडस्ट्री को बड़ा भारी

चमकाया। यह जो फरीदाबाद की इंडस्ट्री हैं यह सब उन्ही की मेहरबानी हैं क्योकि पंडित जवाहर लाल नेहरू ने उन्हे यहा पर बसाया था। फरीदाबाद में बेसिक रा–मैटेरियल भी नही मिलता है लेकिन फिर भी वह सारे हिन्दुस्तान के मुकाबले में बहुत आगे जा चुका हैं। इसका लाभ अकेली हमारी स्टेट को ही नही बल्कि सारे दे ा को मिल रहा हैं। बहुत से ऐसे टैक्सिज हैं जो हमें इतनी ज्यादा आमदनी नही हैं, चाहे जमीन पर लगान की आमदनी हो या नहरी आबयाने की बात हो। वह तो हमे बराबर सी ही पड़ती हैं क्योकि उनकी मेनटेनैस और रिकवरी वगैरा के लिये हमारा काफी खर्चा हो जाता हैं। हमारी स्टेट को जो ज्यादातर टैक्सिज मिलते हैं, वह उनसे मिलते हैं जहां से माल एक्सपोर्ट किया जाता हैं। इनके अलावा वहां का माल दूसरे सूबों में भी जाता हैं। इस तरह से जो टैक्सिज हमे आते हैं उनसे हमे हर तरह की डिवैल्पमैंट करनी चाहिए। किसी ने कहा हैं कि consequences of internal as well as the external nature have their effects. एक्सटर्नल नेचर को तो हमने साईंस के जरिये काबू कर लिया हैं । क्योंकि हमने उसके लाज जानकर उनको एप्लाई किया हैं औरप इंडस्ट्रीयलाईजे ान का काम किया हैं। इन्टरनल नेचर में लोगों का हौसला वगैरा आ जाता हैं। अगर लोगों में होसला नही होगा तो वे काम नही कर सकेगें। इंडस्ट्री भी तभी लगायेंगें अगर उनमें हौसला होगा। हर आदमी इंडस्ट्री लगा भी सकता। जो सबसे बड़ी चीज हैं एजुकेटिव एम्पलायमैंट की हैं। यही मसला एम0एल0ए0 का भी हर हल्के के अन्दर कम से कम एक हजार मैट्रिक पास व

ग्रैजूएट्स हर साल निकल रहे हैं। नौकरी उनमें से भाायद 50 या 100 को भी हरेक कांस्टीच्यूएंसी मे नही मिल पाती होगी। यह जो पढकर निकल रहे हैं यह सारे के सारे एम0एल0ए0 के खिलाफ ही होगे। पांच साल में इनकी संख्या 4–5 हजार हो जाएगी और यह ये कहेगें कि इनको वोट नही देनी है। वह दूसरो को तो दे देंगे लेकिन प्रैजैंट एम0 एल0ए0 को वोट नही देगें। हालाकि इनके पल्ले तो कुछ होगा और दूसरो के पल्ले कुछ भी नही होगा। यह बड़ा जरूरी है कि हमारा जो एजुकै ान सिस्टम हैं, उसको फौरन बदला जाये। उनको इस ढंग से इंडस्ट्रीयल ट्रैनिंग दी जाये ताकि वे बेरोजगार न रहे उनको कोई न कोई रोजगार के साधन मुहैया हो सके और वे कोई काम सीख सकें। आज कया हालत हें। आज लडका अगर 10 वी पास कर लेता हैं तो वह खेती की काम नही करता क्योंकि हमने उसकों नर्म बना दिया हैं। फिरप हम उससे उम्मीद करतें है कि वह खेती का काम कर दे। खेती का काम वह कैसे कर देगा। वह ट्रैक्टर पर बैठकर या म ाीन की सहायता से तो खेती का काम कर देगा लेकिन अदरवाईज काम नही कर सकता। उसका हमने रहन–सहन इस ढंग का बना लिया हैं कि वह आराप्रस्त हो गया हैं। हमने खुद की उसको नर्म बना दिया हैं। Man is a undle of habits and habits are acquired. पहले हम उसको सख्त बनायें , फिर वह खेत मे काम कर सकता हैं। एक बार की बात मैं आपको सुनाता हूं तजुर्बा करने काक अकबर बाद ााह को बड़ा भाोक था। एक दिन अकबर कही जा रहा था। उसने क्या देखा कि एक जमींदार डले पर सिर रखे हुए सो रहा

था। जब सोया हेागा वहा पर छाया थी और अब धूप आ गयी थी लेकिन वह वही पर सो रहा था।

श्रीमती चन्द्रावतीः आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर। चेयरमैन साहब, चौधरी ई वर सिंह जी बड़े पुराने लैजिस्लेटर हैं। मै जानती हूं कि इनका हक तो था मिनिस्टर बनने का लेकिन इनको बनाया नही गया। वे बे ाक कितना ही बोल ले भजन लाल जी इनको मिनिस्टर बनाने से ता रहे लेकिन अगर ज्यादा बोलने से मिनिस्टरप बनते हों फिर तो ठीक है वरना क्यो हाउस का टाईम जाया कर रहे हैं।

चौधरी ई वर सिंहः उन्होने बीरबल से कहा कि यह कैसा आदमी हैं जो धूप में भी सो रहा हैं। ओर सिर के निचे डले का सिरहाना बनाया हुआ हैं। बीरबल ने कहा कि बाद ााह सलामत, जिस तरह का मनुश्य नर्म या सख्त होता हैं, उसको उसी हालाज में नींद आ ही जाती हैं। बाद ााह ने कहां कि क्या यह नर्म भी हो सकता हैं। बीरबल ने कहा क्यों नही। 6 महीने के अन्दर – अन्दर आपको इसे नर्म करके दिखा सकता हूं। बाद ााह ने कहा, बहुत अच्छा करके दिखाऔं। बीरबल उस आदमी को फतेहपुर सिकरी ले गया। उसके रहने के लिए अलग से कोठी दे दी गयी और सारा ऐ ाो–आराम का सामान मुहेया करवा दिया जायेगा। हर रोज उस जमींदार से उसका हाल पूछा जाता। उसकी देखभाल के लिये ओर मैडीकल एग्जामिने ान के लिए बाकायदा एक डाक्टर नियुक्त कर दिया गया। उससे उसकी सेहत के बारे में

बाकायदा रिपोर्ट ली जाती थीं जब 4–5 महीने गुजर गए तो बीरबल ने एक दिन पेजे को यह कहा कि आज इसके बिछाने में दो–तीन बिलोले एक तरफ और दो–तीन बिनोले दूसरी तरफ डाल देना। सुबह जब जमींदार सभा में आया और बाद ााह सलामत ने पूछा कि कहो क्या हाल हैं। जमींदार बोला आज रात को नींद ही नही आयी। लठ्ठ से सारी रात कड़कतें रहे। कभी इधर करवट लेता था ओर कभी उधर, लेकिन नींद ही नही आयी। बीरबल ने कहा जनाब, यह वही जमींदार है जो एक दिन डले का सिरताना बनाकर जमीन पर सो जाता था लेकिन अब इतना नर्म हो गया है कि दो–चार बिनोले भी इसका चुभने लगें हैं। यह तो नर्म हो गया हैं। मेरा कहने का मतलब यह है कि यह तो सारा ट्रैनिंग पर डिपैन्ड करता हैं। हमारे नौजवान इतने नर्म हो गये हैं कि वे कोई सख्त काम करना पसन्द ही नही करते और न ही वे कर सकते हैं। हमें उनको इस किस्म की ट्रैनिंग देनी चाहिए जिनसे वे सख्त काम कर सकें। यह बात अलग है कि कुछ बैसिंज चीजे है जो उनको हमे सिखानी ही पड़ेगी क्योंकि आम नोलेज के लिये वे जरूरी हैं। मेरा कहना यह ळे कि हमारी ि ाक्षा में प्रैक्टिकल ट्रैनिंग भी भाामिल होनी चाहिये।

श्री हरि चन्द हुडाः आन ए प्वायंट आफ आर्डर, चेयरमैन साहब। अभी मेरे दोस्त ने एक बात कही जों इंडस्ट्री के बारे मे थी। इंडस्ट्री एक ऐसी चीज है जिसे हरेक आपमी नही समझ सकता। मै इनसे यह पूछना चाहता हूं कि गांव मे जो जूता चमार

बनाता हैं, धानक जो कपड़ा बनाता हैं और किसान जो हल चलाता हैं, क्या उसको इंडस्ट्री मैं नही गिना जाता। अगर वे उनका इंडस्ट्री मानते हैं तो यह जो गाव की 50–60 फीसदी आबादी वहां की इंडस्ट्री को चलाती हैं, उसको आगें बढाने के लिये सरकार ने क्या किया हैं। मैं यह कहता हूं कि गाव की इंडस्ट्री उजाड़ कर भाहरों को इंडस्ट्री के मामले में क्यों बसाया जा रहा हैं। मै जानता हूं कि यह कहेंगे कि यह तो टैक्नीकल धन्धा हैं इस धन्धे को कोई नही जानता। इस सरकार ने धानक की जो कपड़े की गांव में इंडस्ट्री हैं और चमान की जो जूते बनाने की इंडस्ट्री हैं, उसके लिये कुछ नही किया हैं। क्या यह उसको इंडस्ट्री नही मानतें।

चौधरी ई वर सिंहः चेयरमैन साहब, मै कह रहा ाि कि अगर नौजवानो की सही तालीम का मसला हल करना हैं, तो उनको ट्रैनिंग की जरूरत हैं। मै चीफ मिनिस्टर साहब के नोटिस मे लाना चाहता हूं कि यह बड़ा गम्भीर मसला हैं और उनको इस मसले को जानने का टाईम भी निकालना चाहिए। एजूके ान सिस्टम में सुधार करने की जरूरत है। हमे सिर्फ वक्त ही नही काटना है बल्कि नौजवानों की एनर्जी का सही इस्तेमाल करना हैं। अगर एक नदी में बाढ आती हैं तो आप तुफान को रोक नही सकते। आप उसकी डायरैक ान तो चेंज कर सकते हैं लेकिन तुफान को रोक नही सकते। नौजवानो की एनर्जी को हम ठीक ढंग सें ढाल सकते हैं ब ार्ते कि एजूके ान सिस्टम में कुछ

तबदीली कर दी जाए। खेती कोई रबड़ तो है नही कि अस्सी फीसदी आबादी जमीन पर गुजारा कर सके। आबादी तो बढती जा रही हैं। जमीन कम होती जा रही हैं। आबादी ज्यो–ज्यों बढती जा रही हैं इंडस्ट्री लगती जा रही हैं, सड़के बनती आ रही हें, ओर जगंला को भी बढाने का सरकार का प्लान हैं। क्योकि वर्शा बढानी हैं, पानी का बहाव ठीक करना हैं ज्यो– ज्यो जमीन कम होती जा रही हैं गावों में रहने वाले लोग भी सोचने लगें हैं। पहले तो लोग फैमिली प्लानिग के बारे में विचार करते नही थें बच्चे ज्यादा होते थे तो जमीन भी बंट जाती थी।

श्री वीरेन्द्र सिंह : चेयरमेन साहब, यह जो रैजोल्यू ान है यह तो अम्बाला को इंडस्ट्रीयली बैकवर्ड करने के बारे में हैं, इसमे फैमिल प्लानिग कहा सें आ गई। मेरी सबमि ान हैं कि टाईम लिमिट कोई बांध दीजिए क्येाकि इसके बाद एक बहुत जरूरी रेजोल्यू ान हैं। इसलिए चैयरमेन साहब, हमारी आपसे रिक्वैस्ट है कि आप समय की सीमा बाधिए।

श्री सभापतिः आप बैठिये यह भी काफी इम्पौरटेंट मसला हैं। आपको भी पूरा टाईम दिया जाएगा।

चौधरी ई वर सिंहः चैयरमैन साहब, बढती हूई आबादी का एक ही इलाज हैं कि अधिक से अधिक इंडस्ट्री लगाई जाए। पैदावार की फिगर्ज हमे बता रही हैं कि हमारी उपज बढी है लेकिन क्योंकि आबादी भी बढ गई इससे उस उपज का ज्यादा

लाभ नही हुआ। सरकार ने बिजली की उपलब्धि लगाए हैं अन्डरग्राउंड पानी को टेप किया गया हैं और इन सब बातों से हमारी पैदावार बढी हैं। लेकिन जमीन की पैदावार बढने से भी हम सारी आबादी को पूरा काम नही दे सकें हैं। चेयरमैन साहब, देहात में जो हमारे लोग है वे केवल अनएम्पलायड ही नही अन्डर एम्पलायड भी हैं और इसलिए उनका जीवन का स्तर ऊंचा नही उठ सकता। उनके जीवन स्तर को ऊंचा उठाने के लि जरूरी है कि इंडस्ट्रीज भी हो सकती हैं। आज हम यह देख रहे हैं कि खेती करने वालो को उतना नही बचता जितना बचना चाहिए। एग्रीकल्चर के आधार पर जो प्रोसैंसिग प्लांट लगात हैं वे कही ज्यादा नफा कमा सकते हैं। जमीन की तो लिमिट हैं कभी भी वह सरप्लस डिक्लेयर हो सकती हैं लेकिन इंडस्ट्री के साथ ऐसा नही हैं।

श्री वीरेन्द्र सिंह : चेयरमेन साहब, हम एम0एल0ए0 हैं। हम स्टूडैंटस नही हैं। यह तो हमको पढा रहे है जैसे हम विधार्थी हों।(ाोर एव व्यवधान)

चौधरी ई वर सिंहः चैयरमैन साहब, मे कह रहा था कि हमारी जरूरत हैं उसका इलाज केवल इंडस्ट्री ही हैं। चेयरमैन साहब, भाहर का जो नौजवान है वह तो नौकरी कम मांगता हैं क्योंकि भाहर में व्यापार को माहौल हैं। नौकरी तो देहात का जो नौजवान हैं, वह मांगता हैं क्योकि वह रिस्क से डरता हैं। उसकों हम समझाते भी है कि बैंक से उसको कर्जा मिल सकता हैं बैंक

से कर्जा लेकर इंडस्ट्री लगाऔं, लेकिन वह घबराता हैं कि अगर नुकसान हो गया ते वह क्या करेगा। उसको डर लगता हैं कि कही अगर नुकसान हो गया तो घर में जो थोडी़ बहुत पुंजी है वह भी खत्म हो जाएगी।

श्री वीरेन्द्र सिंह : चेयरमेन साहब, इनको कितना टाईम बोलने के लिए दिया गया हैं। कृपया इनका टाईम फिक्स करिए।

श्री सभापतिः यह बहुत इम्पोटैंट मैटर हैं। जब आप बोलेंगे तो जितना टाईम आप चाहेगं, उतना मिल जाएगा।

चौधरी ई वर सिंहः चैयरमैन साहब, देहात कि लड़के बाहर चले जाए तो बाहर जाकर वे छोटे से छोटा काम कर लैगें लेकिन घर पर रहकर वे कोई काम नही करते। यह साईकलोजिकल हैं।

श्री बसन्ती देवीः चेयरमैन साहब, यह कहावत हैं कि आदमी जो किसी टौपिक पर घंटो बोल सकता हैं लेकिन औरतें तो बगैर टौपिक के ही घंटो बोल सकती हैं। इन्होने तो हद कर दी हैं।(हंसी)

चौधरी ई वर सिंहः चैयरमैन साहब, मै कहना चाहता हूं कि हमारा जो अन्डर एम्पलायड युथ हैं उनके लिए कोई इस किस्म का प्रबन्ध हो(व्यवधान व भाोर)

श्री वीरेन्द्र सिंह : चेयरमेन साहब, आप कोई टाईम लिमिट मुकरर्र करे तो अच्छा रहेगा।

चौधरी ई वर सिंहः चैयरमैन साहब, मेरी चीफ मिनिस्टर साहब से प्रार्थना हैं कि जो लड़के इंडस्ट्री लगाना चाहे उन्हे पहले छः महीने की ट्रैनिंग दी जाए। जैसे वनबिन्डों सिस्टम बनाया हुआ हैं, उसमे उनको छः महीने की ट्रैनिंग भी दी जाए।

चौधरी रो ान लाल आर्यः चेयरमैन साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर हे कि यह धीमी गति के समाचारों को जरा तेज रफतार कर दीजिऐगा ताकि सुना जा सके।(ाोर)

श्री सभापतिः ई वर सिह जी, आप वाईड–अप कीजिएगा।

चौधरी ई वर सिंहः चैयरमैन साहब, लड़कों को कम से कम कोई भी इंडस्ट्री लगाने के लिये 6 महीने या साल की ट्रैनिंग दी जाए जिसमे यह बताया जाए कि यहां से कर्जा मिलता हैं, यहां से कर्जे के फार्म मिलते हैं, फार्म इस तरह से भरे जाते हैं आदि–2 (ाोर एव व्यवधान)

चौधरी धीरपाल सिंहः चेयरमैन साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। यहां पर आनरेबल मैम्बर ने यह कहा हैं कि गांव के बच्चे, मजदूरों के बच्चे, गरीबों के बच्चे इन्डस्ट्रीज की तरफ खास ध्यान नही देते और उधोग लगाने में हिचकचाते है लेकिन मे यह कहना चाहता हूं कि मेरी कास्टीच्यूएंसी बादली के दो गांव

इस्माइलपुर ओर मुंडाखेड़ा हैं, वहां पर लोगों को भैंस–गाए खरीदने के लिए भी डी0आर0डी0ए0 से लोन नही मिलता तो सरकार उन लोगो को इन्डस्ट्रीज लगाने के लिये क्या लोन दैगी। अगर सरकार बच्चो को उत्साह बढाना चाहती हैं तो उनको इन्डस्ट्रीज के लिये लोन दे ताकि वे वह पर इन्डस्ट्रीज लगा सकें लेकिन यह कहना गलत हैं कि गांव के नौजवान इस तरफ कोई ध्यान नही देतें।

श्री सभापतिः चौधरी साहब, अब आप वाईंड–अप कीजिएगा।

13.00 बजे

चौधरी ई वर सिंहः मै कह रहा था कि नौजवाना को पहले 6 महीने की या साल की इन्डस्ट्रीज लगाने के लिए ट्रेनिंग देनी चाहिए और साि ही उन्हे बताना चाहिये कि लोन के लिये यह यह फार्मज है और यहां से फार्मज मिलत हैं। इस तरह से फार्मज भरे जाते हैं। बैंक भी लोन देने के लिए के लिए तैंयार हैं। इस प्रकार की जानकारी पहले नौजवान बच्चों को दी जानी चाहिए जैसे पैडी एरिया हैं, वहु पर गतें को काम बहुत होता हैं, उन्हे पहले वहा पर ले जाकर गते की इन्डस्ट्रीज दिखाई जाए। उसके बाद तभी वे अपना काम कर सकते हें। टैक्नीकल ने हाऊ पूरे ढंग से दिया जाए। क्या वजह हैं कि हिसार के रहने वाल और लोहें का काम करने वाल ही लोहे के कारखाने लगात रहे और दूसरे

लोग इस से वंचित रहे। इस की वजह यह है कि जो टैक्नीकल नो हाऊ है वह उनके खून के अन्दर दाखिल हो चुका हैं। उन्हे इस चीज को तजुरबा हैं। इस प्रकार पहले ही अगर नौजवानो को ट्रैनिंग देकर यह बता दिया जाए और उनको यह पता लग जाए कि वह भी इन्डस्ट्रीज लगा सकते हैं तो हरियाणा प्रान्त काफी आगे बढ़ सकता हैं। इस के लिये टैकनीकल आदमियों की मदद भी ली जानी चाहिये। जैसे जीरी का छिलका होता हैं इस बारे मे, मै आपको बताता हूं कि यह पहले बिल्कूल फिजूल मे जाता था और लोग खुद कहते थे कि यह ले जाओ। अगर कोई प ाु उसमे चला जाता था तो वह झुलस करप ही मर कर ही बाहर निकलता था, नीचे ही नीचे चला जाता था, कितना नुकसान होता था, क्योकि इस बारे में हमे ज्ञान नही था कि इसका प्रयोग कहां किया जाए। इसक के कारण पोलू ान की भी बड़ी प्रोबलम थी। सड़को पर आने जाने की भी दिक्कत होती थी। लेकिन अब इस बारे मे पता चला हैं और इस साल भौलज्र का 50—50 हजार और 1—1 लाख का भूसा बिका है। क्योकि अब लोगो को टैक्नीकल नो हाऊ का पता लग गया हैं। आत इससे कई चीजे बनती हैं इसका जलाया जा सकता हैं सीमिन्ट भी बनता हैं और दूसरे कई कामों के लिये इस्तेमाल भी होता हैं।(घण्टी) चेयरमैन साहब, मै एक सुझाव देना चाहता हूं कि हमारे टैक्लीकल आदमी, अफसरप और सम्बन्धित मिनिस्टर बाहर के मुल्को में जाए और वहो से जानकारी हासिल करके उसे अपने यहां पर लागू करें। जैसे कि जापान हैं, जापान के अन्दर स्माल स्केल इन्डस्ट्रीज बहुत ज्यादा है जिसके

कारण उसका नाम सारे वि व में प्रसिद्व है, एग्रीकलचर तो वहां पर केगल 7–8 परसैन्ट सबसीडाइज्ड हैं मैन उनका उत्पादन तो स्माल स्केल इन्डस्ट्रीज से होता हैं । ऐसे मुल्क को भी ऊंचा उठा सकते हैं। किसान की खेती का अगर हिसाब लगाया जाए तो आपको पता चलेगा कि हमारा किसान कहां पर स्टेण्ड करता हैं। किसान के बारे में पंजाब के म ाहूर कवि इकबाल जी ने यह कहा हैं––

क्या तेरी जिन्दगी का हैं राज, हजारों वर्श से है ते खाके बाद,

इसी खाक में बुझ गई तेरी आग, सुबह की अता हो गयी अब ता जाग,

जमीन में है खामियों की बारात, नही इस अन्धेरे आबे हतात।

मेरा कहने का मतलब यह है कि जब तक हमारे एक्सपर्टस, आफिसरप, टैकनीकल आदमी और सम्बधित मिनिस्टर बाहरप जाकरप इस टैकनीक को न समझेगो तब तक हमारे हरियाणा में इन्डस्ट्रीज का पनपना दूभर हो जाएगा। इसलिये सम्बन्धित मिनिस्टरप अफसर वगैरह बाहहर जापान जैसे इन्डस्ट्रीयल दे ाों मे जाए और वहा से आकर फिरप अपने किसानो को ओरप नवयुवकों इस बारे मे ज्ञान दे कि इस तरह सू इन्डस्ट्रीज लगाई जा सकती हैं। यह रा–मैटैरियल हैं, जिसके

अनुसार आप यह यह इन्डस्ट्रीज लगा सकते हैं। सब कुछ बतलाएं। हमारे पास यहां पर मिन्रलज की कोई कमी नही हैं। इंतजाम करे कि अम्बाला के साथ–साथ सारे हरियाणा सूबे का इस बारे में सर्वे करवाया जाए कि कहां–कहां कौनप सी इन्डस्ट्रीज पनप सकती हैं किस–किस इन्डस्ट्रीज का कहां–कहां क्या स्कोप हैं। एग्रीकलचर की तरफ हम कितना ही बढे लेकिन जब तक हम इन्डस्ट्रीज की तरफ खास तबज्जो नही देगें, तब तक लोगों का प्रान्त का और नवयूवकों का स्टैण्र्डड ऊंचा नही उठ सकेगा। इन भाब्दों के साथ चेयर मैन साहब, मै आपका धन्यावाद करता हुआ अपना स्थान लेता हूं कि आपने मुझे बोलने का समय दिया।

Shri Nihal Singh: Mr. Chairman Sir, enough discussion has taken place on this issue and now i move that the question be pat.

Mr. Cahirman: Some More members still want to speak on as this resolution. Therefore, the discussion will continue.

13.00 बजे

ठाकुर बहादूरप सिंह(दरबां कलां): चेयरमैन साहब, मै धमीजा साहब द्वारा प्रस्तुत किये गये रेजोन्यू ान जोकि अम्बाला तहसील को इन्डस्ट्रीयल बैकवर्ड डिक्लेयर करवाने के लियें, रखा गया हैं। उसका समर्थन करने के लिये खड़ा हुआ हूं। यहां पर

मेरे साथियो ने बोलते हुए काफी सारी बातें हाउस के सामने रखी हैं और यह भी बताया हैं कि हमारी हरियाणा की जमीन और ज्यादा वजन सहन नही कर सकती। यहां तक खेती की पैदावारप का समबन्ध हैं, वह पैदावार इन्डस्ट्रीयल पैदावार से बहुत ही कम हैं। भाायद आप सब लोग मेरे से सहमत होगें कि किसान को अपनी जिन्स बेचने के बाद बैंक इंट्रैस्ट रेट से भी वसूली होती है। अनाज को हम किसान लोग बाहर तो भेजते हैं लेकिन उसकी रिटर्न हमे होती हैं, वह बहुत की कम होती हैं। वह बैंक इंट्रैस्ट रेट से भी कम बैठती हैं। यहा पर कई सदस्यो ने यह परपोजल भी रखी कि केवल अकेले अम्बाला कैन्ट को ही कया हरियाणाा के दूसरे इलाकों को भी इन्डस्ट्रीयली बैकवर्ड डिक्लेयर किया जाए ओर दूसरे इलाके भी इस मे भाामिल किये जाए। बहुत से भाईयो ने अपने अपने इलाके की बातें ही कही है लेकिन यह सोच कितनी अच्छी हे कि सारे हरियाणा के बारे ही सोचा जाए। एक वह काम जिसमें कि मुनाफा ज्यादा है वह किसी एक को मिले और दूसरे उससे महरूम रहें, इसके लिये अगर लोग अपने अपने इलाकों की बात करेगें तो मेरे ख्याल से यह उचित नही । हमे सब को मिलकर अपने सभाी भाईयो की आम लोगों की भलाई के लिये और सारे हरियाणा की भलाई के लिये ही सोचना चाहिये। जिन लोगों को हम यहा पर रिप्रजैन्ट करते हैं, हमे उनक की भलाई के लिये सोचना चाहिये और सरकार को कहना चाहिये ताकि वे लेाग समझे कि हमारे इलाके के लिये हमारी नुमाइन्दे यह यह कर रहे हैं। अब मैं अपने जिले सिरसका की ही बात करूगां जोकि आज

पंजाब के बार्डर पर हैं सिरसा जिले में चावल, कपास और आयल सीडज बहुत पैदा हाते हैं। खेती के लिहाज से सिरसा जिला ने हरियाणा में अच्छा नम्बर बनाया हुआ हैं लेकिन इसके साथ साथ सिंरसा जिला इन्डस्ट्री के मामले में बिल्कूल न के बराबर है। वहा पर होई इन्डस्ट्रीज नही हैं। आज खेती से लोगों को बहुत ज्यादा पेसा नही मिलता और न ही इससे पूरा रोजगार मिलता हैं। इसका कारण यह है कि आज जमीन से पैदावार लेने के लिये खर्च बहुत करना पड़ता हैं। लैंड सीलिंग की वजह से लोगों के पास जमीन घटती गई और उनकी आमदनी भी घटती चली गई। उस एरिया में लोग चाहते है कि इन्डस्ट्री लगे। लोग इस तला ा मे है कि उनका जो पैसा घटता ही चला जा रहा हैं वह पैसा इन्डस्ट्रीज के रूप में प्रोडक्टिव बनाया जाए। आज पोजी ान यह है कि सिरसा जिला के लाग या तो हरियाणा से बाहर जाकर इन्डस्ट्रीज लगा रहे हैं या हरियाणा मे ही उस जगह लगा रहे हैं जो इलाका सैंटर गवर्नमैंट की तरफ से इन्डस्ट्रीयली बैकवर्ड डिक्लेयर किया हुआ हैं। मैं अपने सब साथियों का समर्थन चाहूंगा कि सिरसा जिले को भी बैकवर्ड घोशित किया जाएं हम जब पजांब साईड से सिरसा मे दाखिल होते हैं तो हरियाणा की तरफ की सड़क पर चढते ही आपको पता चलता हैं कि हम हरियाणा में आ गये हैं। दूसरे सूबों के लिहाज से हरियाणा की सड़के बहुत ही अच्छी हैं। हम जब से हरियाणा में दाखिल होते हैं तो हर जगह ऐसा दिखाई देता हैं कि जैसे हर जगह पर दिवाली मनाई जा रही हो। इसका कारण यह है कि हरियाणा में हर गांव में घर घर और खेत खेत

में बिजली कै बल्ब जल रहे हैं। सिरसा जिले ने हर लिहात से आगें बढने की कोि ा ा की हैं लेकिन भटिठा, मुक्तसर वगैरह की साइड से जब लोग आते हैं तो वे कहते हैं और ठीक हें लेकिन इन्डस्ट्री के नाते सिरसा न के बराबर ही हैं। सिरसा जिले में नहरे भी है ओर ट्यूबवैल भी हैं। जो तक नहरो का ताल्लूक हैं, सिरसा टेल पर हैं। वहां पर खाल पकके बनाए गए हैं और जमीन के एक–एक एकड़ मे खाल बने हुए हैं मगर पानी टेल तक नही पहुंचता। जिसका खेत आखिर मे है वही यही समझता हैं कि उसको खाल का कोई फायदा नही औरप उसे केवल टैक्स ही लगा हैं। (विध्न) इसी तरह से उस इलाके में कुछ ऐसे एरियाज भी हैं जो महेन्द्रगढ जिले की तरह रेतीले एरियात हैं। वहां पर इरीगे ान के पूरे साधन नही और कहत पड़ता हैं। अभी मंत्री जी ने हेल स्टार्म और कहत की वजह से वहा पर बुआइ नही हो सकती। अधिकारियों से जब मांग की गयी कि ऐसे इलाकों मे भी मुआवजा दिया जाए तो उनहोने बताया कि जिस जमीन में का त की गई को ओर वहां कहत पड़ गया हो, वहां पर सहायता दी जाती हैं। वहां पर बारि ा न होने की वजह से, इरीगे ान साधन न होने की वजह से जमीन का त नही हुइ ओर उसको कोई कम्पनसे ान नही दिया जाता, यह ठीक बात नही हैं। किसान इतना वजन नही उठा सकतें आज हमारपे सिरसा जिले में स्कूल, कालेज और आई.टी.आई. वगैरह हैं। लेकिन वहां से बच्चे पढ कर और टैनिंग लेकर कहां जाकर नौकरी तला ा करें। अगर इस एरिया में इन्डस्ट्री डिवलैप कर दी जाए तो उस ऐरिया की

बेरोजगारी को दूर करने का यह ही एक साधन होगा। मैं तो इस राय को हूं कि सिर्फ डिस्ट्रिक्ट हैडक्वार्टर पर ही इन्डस्ट्री डिवैल्प न ही जाए बल्कि 10–10 गावों के बीच में दो दो, चार–चार यूनिट लगा दिये जाए ताकि बरोजगार लोगो को सुविधा मिल सके। अगर ऐसा कर दिया जाता हैं। तो कोई आदमी यह कह कर भूखा नही सोयेगा कि आज मुझे काम करने की जगह नही मिली। सिंरसा जिले के आदमी बहुत मेहनतक ा हैं। आपने 1947 से पहले सुना होगा कि वहा की जमीन इतनी सीधी नही थी। जैसी आज नजर आती हैं। वहा के मेहनतक ा किसानों ने खेतो ं को सीधा किया औरप हर लिहाज से पैदावार बढाई लेकिन खेती से ज्यादा आज इन्डस्ट्री महत्वपूर्ण हो गई हैं। इन्डस्ट्री में रिटर्न देखी जाती हैं और जहां रिटर्न का सवाल हैं खेती इन्डस्ट्री के मुकाबले बहुत पीछे रह गई हैं। हमारी सरकार चाहती हैं कि हर आदमी खु ाहाल होए उसकी इन्कम बढे और कोई बेरोजगान न हो। आज हमारे चाह ए.आर.डी. की स्कीम हैं, बीस सूत्री प्रोग्राम के तहत हर गांव मे तरह तरह के साधन पहुचे हैं। हरियाणा में कोई भी गांव ऐसा नही होगा जहां जरूरत मन्द को जिसके पास पैसा नही था, काम करने की ताकत थी, हिम्मत थी, मेहनत कर सकता था लेकिन पैसे का साधन न होने की वजह से वह अपना काम नही कर पाय, सहायता नही दी गई होगी। चाहे ऊंटगाड़ी वाला हेा, चाहे भैंस रखने वाला हो, चाहे भेड–बकरी रखने वाला हो और चाहे कोई और चाहे कोई दूसरा छोटा मोटा काम करने वाला हो, जब तक उनको पैसो की सहायता ही मिलेगी तब तक उनका

काम रूका रहेगा। बगैर पैसे की सहायता से उसके सारे काम रूके रहेगे उनका कोई भी काम पूरा नही होगा। चेयरमैन साहब, हम विधायकों के द्वारा सरकार से अपनी मागें मांगने की वजह से भाायद ये सारी स्कीमे मंजूर हुई हैं और हर गाव में उनका फायदा लोगों को पहुंचा हैं। चेयरमैन साहब, वे गरीब लोग जो बेचारे अपने जिस्म को ढकने के लिए पूरा कपड़ा नही पहन पाते थे वे लोग इन स्कीमो से फायदा उठा कर अपना रोजगार चला रहे है और अपने परिवार को पालन पोशण कर रहे हैं। इसी तरह से जितनी भी दूसरी स्कीमें है उनसे हर जगह पर फायदा हो रहा हें लेकिन सबसे ज्यादा फायदा अगर हो सकता हैं तो वह इन्डस्ट्री से हो सकता हैं। इसलिए मैं आपके द्वारा सरकार से यह निवेदन करना चाहता हूं कि अगर सिरसा मे मेहनती लोगों को इन्डस्ट्री कर फैसीलिटीज दे दी जाए और उस एरिया को सैंट्रल गवर्नमैंट की तरफ से इन्डस्ट्रीयली बैकवर्ड एरिया घोशित करवा दिया जाए तो मै हाउस को यकिन दिलाता हूं कि सिरससा भी फरीदाबाद में इन्डस्ट्रीयल एरिया से कम नही रहेगा। चेयरमैन साहब, अगर सारे हरियाणा प्रान्त को इन्डस्ट्रीयली बैकवर्ड एरिया घाशित कर दिया जाए तो इस प्रान्त के मेहनती लोग और दिमागी लोग अपने प्रान्त हरियाणा को स्वीटजरपलैंड बना कर दिखा सकते है और जो दूसरे प्रदे ा पहले से बहुत आगें जा चूके हैं उनके इस प्रान्त को और अपने दे ा को ला सकते हैं। इसलिए चेयरमैन साहब, मैं आपके द्वारा सरकार से प्रार्थना करना चाहता हू कि सिरसा जिले के लोग अपनी मेहनत से बहुत सी चीजें पैदा करके अपने प्रान्त

के दूसरें भाईयो की और दे ा के दूसरे भाईयो की सेवा करते हैं। अगर सिरसा जिले को इन्डस्ट्रीयली बैकवर्ड एरिया घोशित कर दिया जाए तो वहां के लोग दे ा की और प्रान्त की काफी सेवा कर सकेगें। इसके अलावा चेयरमैन साहब, हमारे प्रान्त में बिजली के बहुत से बड़े–बड़े प्लांट बनाए जा रहे हैं। (ाोर) चेयरमैन साहब, जब भी हम बोलने के लिए खड़े हाते हैं तो मेरे विरोधी पक्ष के भाई हल्ला गुल्ला करना भाुरू कर देते हैं। क्या इन का यही काम रह गया हैं। कि इनका नाम अखबारों में आ जाए कि फलां–फलां अपोजि ान के एम.एल.ए. ने इस तरह की बात कही। मै इनसे कहना चाहता हूं कि हमे जिन लोगों ने यहां पर चुनकर भेजा हैं हमे उनकी भलाई के लिए, उनको प्रोत्साहित करने के लिए ओर उनको फायदा पहुंचाने के लिए कोई काम करना चाहिए। चेयरमैन साहब, मेरे विरोधी पक्ष के भाईयों को याद होगा कि जग हम लोग अपने वोटरो से वोट मांगने गए थ, उस समय हमने उन से यह कहा ाि कि ए भाईयों अगर आम मुझे एक बार विधायम बनने का मौका देंगे ता हम आप के हकों और इनसाफ को आपके घर तक पहुंचायगें। (इस समय श्री अध्यक्ष पदासीन हुए) अध्यक्ष महोदय, हम सब ने लोगों के हकों की और इन्साफ की बात करते है तो मेरे विरोधी पक्ष के भाई परे ाान हो कर हल्ला–गुल्ला करने लग जाते हैं। अध्यक्ष महोद, हमारे प्रान्त में और खास करके सिरसा जिले मे इन्डस्ट्रीज को डिवैल्प करना बहुत जरूरी हैं। हम ने लोगो से वायदा किया हुआ हैं हम आप

लोगो को खु ाहाल बनाएगें लेकिन हमारा प्रान्त खु ाहाल तभी होगा जब यहां पर इन्डस्ट्रीज डिवैल्प हो जाएगी।(ाोर एवं विध्न)

चौधरी कुलबीर सिंह मलिकः स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डरप हैं। पिछले साल हमने सी.एम. साहब हो पोलिटीि ायन आफ दि ईयर डिकलेयर किया था। और इस बार ठाकुर बहादूर सिंह को स्पीकर आफ दि सै ान डिक्लेयर कर देना चाहिए। (ाोर एवं विध्न)

ठाकुर बहादूर सिंहः स्पीकर साहब, बिजली के प्रोजैक्टस का जहां तक ताल्लूक हैं, मै इस बारे में कुछ कहना चाहता हूं। मुझे पी.यू.सी. का मैम्बर होने के नाते बिजली के प्रोजैक्टो को देखने का मौका मिला हैं लेकिन यदि मेर विरोधी पक्ष के भाई यहां हाउस मे बैठ कर उन प्रोजक्टो के बारे मै कुछ कहे तो कोई बात नही बनती। इन्हे वे प्रोजैक्ट मौके पर जा कर देखने चाहिए। स्पीकर साहब, जैसे ताजेवाला बैराज की बात हैं उस पर हमारे इंजीनियर बहुत मेहनत से काम कर रहे हैं, हमारी स्टेट का बहुत सा पैसा उस पर लग रहा हैं और उससे प्रान्त को कितना बैनीफिट होगा, इन बातों का पता वहां जा कर देखने से लगता हैं। इस के अलावा पानीपत का थर्मल प्लांट कुछ साथियों ने देखा होगा और कुछ साथियों ने नही भी देखा होगा। जिन साथियों ने नही देखा वे भी उस प्लांट के बारे में टीका–टिप्पणी करनी भाुरू कर देते हैं। क्योंकि उन्होनें सरकार का विरोध करना होता हैं।********** **** (ाोर एवं विध्न)

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पकीर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है कि ठाकूर बहादूर सिंह जी मैंम्बर्ज के प्रति कह रहे हैं * * * ** * * * * यह मैम्बर्ज पर एसपर्सन कास्ट कर रहे हैं यह आबजैै ानेब्ल बात हैं। यह रिकार्ड पर नही आनी चाहिए। (ाोर)

ठाकुर बहादूर सिंहः स्पीकर साहब, मै आप के द्वारा मुख्यमंत्री जी का ध्यान दिलाना चाहूंगा और भाायद विरोधी पक्ष के भाईयो के दिमाग में भी यह बात होगी कि सिरसा जिले के मुख्यमंत्री रह चुके हैं इसलिए सिरसा जिले ने बहुत तरक्की कर ली होगी, बहुत बड.ी–बड़ी इन्डस्ट्रीज वहां लग गई होगी, वहा के किसान बहुत खु ाहाल हो गए होगें और सिरसा जिले में विकास के बहुत काम हुए होंगे। इसलिए मैं मुख्यमंत्री जी से प्रार्थना करना चाहता हूं कि आप यह समझ कर सिरसा जिले को इग्नोर न करें कि वहा का नुमायन्दा मुख्यमंत्री रह चुका हैं। इसलिए पहले ही वहां पर बहुत कुछ हो गया होगा। जब चौधरी देवी लाल मुख्यमंत्री थें तो वे चाहते थे कि सिरसा जिला तरक्की करे लेकिन मै यह समझता हूं कि सिरसा जिले ने कोई तरक्की नही की। उस समय उनके साथियों ने उनका कोआप्रेट नही किया। उनके समय में सिरसा में एक बिजली घर बनना था लेकिन उनके साथियों ने और उस समय बिजली मंत्री ने उनका साथ नही दिया। पता नही वे उन का साथ कयो नही देना चाहते थे। वह बिजली घर भी नही बन सका। उस जिले का प्रतिनिधी मुख्यमंत्री रह चुका हैं। उसके बावजूद भी वहां पर कोई भी काम नही हुआ। स्पीकर

साहब, मैं मुख्यमंत्री जी से प्रार्थना करना चाहता हूं कि आप सिरसा जिले की तरफ भी ध्यान दे और आप इस बात को भूल जाएगें कि उस जिले का नेता मुख्यमंत्री रह चुका हैं। इसलिए वहा पर काफी काम हुए होंगें। स्पीकर साहब, मै आपके द्वारा सरकार के ध्यान में यह बात लाना चाहता हूं कि अगर किसान खु ाहाल बनाना हैं तो उसकों उस दलदल से निकलना होगा कि जिस दल दल में वे फसे हुए हैं। जैसे 20 मैम्बरो को एक परिवार है औरप 10 बीघे जमीन के टुकड़े पर अपना गुजार कैसे कर सकता है? वह इस दल दल से कैसे निकल सकता हैं ओर उसके परिवार का कैसे गुजारा हो सकता है? स्पीकर साहब, आज हरियाणा में कई ऐसे इलाकें हैं, जहां पर ऐसे घर मौजूद हैं कि एक परिवार के 10 मैम्बर जमीन के बहुत छोटे से टुकड़े पर पैदावार करके गुजारा कर रहे हैं वे कहां जाए? वहां के लोग कहा जाए और किधर जायें? इस तरफ सरकार को ध्यान देना चाहिए। वहां पर इण्डस्ट्रीज लगाने की जितनी भी गुजाई ा हो इण्डस्ट्रीज लगाई जानी चाहिए।

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पकीर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर सर। मेरी गुजारि ा यह है कि आज के बिजनैस में दो रैजयोलू ान हैं। अब इस समय पहले रैज्यूले ान पर डिस्क ान चल रही हैं। जो दूसरा रे रैज्यूले ान है वह भी इस प्रदे ा की जनता के राय लेकर आज सारा दिन हाउस को बैठाये रखें। आप कम से कम दो–चार घन्टे का समय अव य बढा ले। मै विपक्ष

की तरफ से कहने को तैयार हूं कि हाउस का समय बे ाक बढा ले।

श्री अध्यक्षः हाउस का समय डेढ बजे ता हैं। जब तक हाउस समय बढाने के लिए सहमन न हो, उस समय तक मैं कैसे समय बढा सकता हूं।

श्री वीरेन्द्र सिंहः आप इन को समय बढाने के लिए सहमत करा लिजिए वरना बहूत महत्वपूर्ण रैज्योलू ान रह जाएगा। इनक जो रैज्योलू ान चल रहा हैं उसको हम पास करवाने के लिए तैयार हैं। बे ाक ये इस को पास करवा लें।

श्री अध्यक्षः समय बढाने की बात मै नही कह सकता जब तक सारा हाउस तैयार न हो।

श्री वीरेन्द्र सिंहः लीडर आफ दी हाउस को आप कह सकते हैं kindly extend the time of the House. ताकि दूसरा प्रस्ताव भी आ जाए।

श्री अध्यक्षः मै अपनी सैलफरिस्पैक्ट खोना नही चाहता क्योंकि अगर मै उनको हाउस को समय बढाने के लिए कहूगां तो वे मानगे नही। इस बात का मुझे पता हैं।

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, आपकी बात को सारे मैम्बर मानेगें।

कृशि मंत्री(चौधरी सुरेन्द्र सिंह): स्पीकर साहब, इस रैज्योलू ान पर मिनिस्टर भी बोल सकते हैं क्योंकि यह अन–औफिि ायल हैं।

ठाकूर बहादूर सिंहः जो बाते मैने कही है, उनके अन्दर वजन हैं और उनकी तरफ ध्यान दिया जाना चाहिए। जहा–जहां इण्डस्ट्री लगाए जाने की आव यता हो वहां पर इण्डस्ट्री अव य लगाई जानी चाहिए। हमारा इलाका तरक्की करे, इस से सभी को खु ाी होगी। सिरसा जिला भी हरियाणा प्रदे ा का एक हिस्सा हैं।

Mr. Speaker: Please take your seat now. You will continue on next **Non Official day.**

अब हाउस कल दिनां 11.03.1983 प्रातः 9.30 बजे तक के लिए एडर्जन किया जाता है।

***13.30 बजें**

(तत्प चात सदन भाुक्रवार, दिनांक 11.03.1983 प्रातः 9. 30 बजे तक के लिए स्थगित हुआ)

ANNEXURE

PAYMENT OF SALARIES OF THE PRIVATELY MANAGED COLLEGE TEACHERS

***26. Prof. Sampat Singh:** Will the Minister of State for Education be pleases to state—

(a) the number of privately managed colleges in the State where teachers have not been paid their salaries for more than two months;

(b) the steps, if any, taken to ensure regular payment of salaries to the teachers referred to in part (a) above?

ि ाक्षा राज्य मंत्री (श्री जगदी ा नेहरा):

(क) 23 प्राईवेट कालेजो के अध्यापकों को फरवरी, 83 में दो मास से अधिक अवधि के लिए वेतन की अदायगी नही हुई थी।

(ख) सरकार प्राईवेट कालेजो के मान्य घाटे का 95 प्रति ात अनुरक्षण अनुदान के रूप में प्रतिपूर्ति करती हैं। जो अराजकीय महाविधालय वेतन अदायगी में देरी करतें है उनके विरूद्व हरियाणा अराजकीय महाविधालय (प्रबंधक अधिग्रहण) नियमावली, 1978 के तहत कार्यवाही की जाती है।